NEET Bulletin Helpline No.
8800265682
Completely NEET Counselling Guidance specially for
MBBS BDS BAMS BHMS BUMS
B.Sc Nursing GNM D.I B. Pharma
BPT MPT D|BMLT D.Optometry
OT Technician Clinical Research
B.Sc Ag. Micro Bio Bio Chem
Bio tech. BNYS etc.

R.N.I.NO.-UPHIN/2011/41608

राष्ट्रीय हिंदी दैनिक

विजडम इंडिया

निर्भीक और बेबाक अभिव्यक्ति

लखनऊ से प्रकाशित

EMAIL: sheelshukla100@gmail.com

वर्ष: 15 अंक: 165 लखनऊ, गुरुवार 05 फरवरी 2026 मूल्य: 02 रुपये पृष्ठ- 08

भाजपा का आरोप- पीएम मोदी पर हमला कर सकते थे विपक्षी सांसद

एजेंसी।

दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के भाषण से पहले लोकसभा में विपक्षी सांसदों ने जोरदार हंगामा किया, जिसके बाद सदन को स्थगित करना पड़ा। भाजपा ने आरोप लगाया कि महिला सांसदों ने प्रधानमंत्री की कुर्सी का घेराव किया और उनके आक्रामक व्यवहार से सुरक्षा संबंधी गंभीर चिंताएं पैदा हुईं। बुधवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सदन को संबोधित करने से कुछ ही मिनट पहले लोकसभा स्थगित कर दी गई। यह घटनाक्रम विपक्षी सांसदों के जोरदार विरोध प्रदर्शन के सत्ता पक्ष के पास झड़प में तब्दील होने के बाद हुआ, जिससे दोनों पक्षों के बीच तीखे आरोप–प्रत्यारोप का सिलसिला शुरू हो गया। भाजपा सांसद मनोज तिवारी ने

दावा किया कि कई विपक्षी महिला सांसद सदन के वेल में घुस गईं, प्रधानमंत्री की कुर्सी की ओर बढ़ीं और वरिष्ठ मंत्रियों की बार–बार की गई अपील को अनसुना कर दिया। तिवारी के अनुसार, स्थिति नियंत्रण से बाहर होने के कारण प्रधानमंत्री सदन में प्रवेश नहीं कर सके। मनोज तिवारी ने कहा कि आज जो कुछ हुआ, उसकी तस्वीरें देखकर आप दंग रह जाएंगे। यह स्थिति दर्शाती है कि चूंकि जनता उन्हें (कांग्रेस को) हरा रही है, इसलिए वे हमें (भाजपा को) संसद में बोलने नहीं देंगे। देश ने इतना बड़ा सम्मान हासिल किया है, फिर भी वे इसे मनाने नहीं देंगे, और वे प्रधानमंत्री मोदी को बोलने से रोकने के लिए ये सब कर रहे हैं। पूरा देश सब कुछ देख रहा है, और देश कांग्रेस से जवाब मांगेगा। तिवारी ने आरोप लगाया कि वे प्रधानमंत्री के बैठने की जगह पर चढ़ गए। उन्होंने खूब हंगामा किया। उन्होंने आगे दावा किया कि विपक्षी सांसद आक्रामक हावभाव के साथ आगे बढ़े और उनके व्यवहार से सुरक्षा संबंधी गंभीर चिंताएं पैदा हुईं। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि वे प्रधानमंत्री पर हमला भी कर सकते थे। विपक्षी सांसद नारे लगाते हुए सदन के वेल में घुस गए और उनके हाथों में एक बड़ा बैनर था जिस पर लिखा था, "जो उचित लगे वो करो।" तृणमूल कांग्रेस और समाजवादी पार्टी के सदस्य भी विरोध प्रदर्शन में शामिल हो गए और जैसे–जैसे विरोध तेज होता गया, उन्होंने हूटिंग शुरू कर दी। उस समय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, गृह मंत्री अमित शाह और रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह सदन में उपस्थित नहीं थे। केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने कहा कि यह दुर्भाग्यपूर्ण है... राष्ट्रपति के अभिभाषण के दौरान इस तरह का हंगामा पहली बार हुआ है। ये लोग बच्चों जैसा व्यवहार कर रहे हैं... ये क्या सोचते हैं? क्या इन्हें लगता है कि यह नेहरू परिवार का साम्राज्य है, या कांग्रेस पार्टी का कार्यालय है, या सोनिया गांधी का घर है? भाजपा सांसद अपराजिता सारंगी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सत्र को संबोधित करना चाहते थे, लेकिन भारत–भारत गठबंधन के नेताओं ने उन्हें इससे वंचित कर दिया... इससे ज्यादा दुखद कुछ नहीं हो सकता... पूरा देश इसे देख रहा है और इसकी निंदा कर रहा है।

विधानसभा का बजट सत्र 9 से 20 फरवरी तक, 11 को पेश होगा राज्य का बजटय

संवाददाता।

लखनऊ यूपी विधानसभा का बजट सत्र 9 फरवरी से 20 फरवरी तक चलेगा। 11 फरवरी को राज्य का बजट पेश किया जाएगा। इसके बाद चर्चा होगी। विधानसभा का बजट सत्र आगामी 9 से 20 फरवरी तक चलेगा। विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना ने सत्र के प्रस्तावित कार्यक्रम को बुधवार को अनंतिम रूप से स्वीकृत कर दिया। अब कार्यमंत्रणा समिति की बैठक में इस पर अंतिम मुहर लगाई जाएगी। सत्र के दौरान 11 फरवरी को प्रदेश सरकार वित्तीय वर्ष 2026–27 का बजट दोनों सदनों में पेश करेगी।

रास बिहारी बोस सुभारती विश्वविद्यालय में 'राष्ट्र बोध' व्याख्यान श्रृंखला - तनाव से मुक्ति और सफलता की सोच से रु-बरु हुए विद्यार्थी

डॉ. अतुल कृष्ण की परिकल्पना - युवाओं में राष्ट्र के प्रति सोच, समझ और जिम्मेदारी विकसित करना

विजडम इंडिया।

देहरादून।

रास बिहारी बोस सुभारती विश्वविद्यालय के मुख्य परिसर में अनिवार्य वैल्यू–एडेड पाठ्यक्रम 'राष्ट्र बोध' के अंतर्गत व्याख्यान श्रृंखला का पाँचवाँ सत्र मंगलवार, 3 फरवरी 2026 को

सफलतापूर्वक आयोजित किया गया। कार्यक्रम विश्वविद्यालय स्थित सम्राट ललितादित्य प्रेक्षागृह, लाल बहादुर शास्त्री लोकप्रिय अस्पताल एवं लेक्चर थियेटर में संपन्न हुआ। यह श्रृंखला 23 दिसंबर 2025 से प्रारंभ हुए परिचयात्मक एवं उद्घाटन सत्र की निरंतर कड़ी है।

कार्यक्रम की शुरुआत मंच संचालिका मिदत असलम और सचिन श्रीनारायण ने की। उन्होंने आज के समय में राष्ट्र बोध की जरूरत पर बात रखते हुए कहा कि विश्वविद्यालय केवल पढ़ाई तक सीमित न रहकर विद्यार्थियों को सोचने–समझने वाला जिम्मेदार नागरिक बनाने की दिशा में निरंतर कार्य कर रहा है।

इसके बाद विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर डॉ. हिमांशु ऐरन एवं संस्कृति विभागाध्यक्ष डॉ. राजेश तिवारी ने विशेष आमंत्रित वक्ताओं कृ डॉ. सुमेधा तिवारी प्रख्यात साइकियाट्रिस्ट और डॉ. सत्यांशु प्रख्यात फिल्म निर्देशक, बॉलीवुड कृ को स्मृति चिह्न एवं पौधा भेंट कर सम्मानित किया।

इस अवसर पर कुलपति डॉ. हिमांशु ऐरन का ये संदेश प्रासंगिक रहा कि , "आज की शिक्षा का उद्देश्य केवल नौकरी तक सीमित नहीं

होना चाहिए। 'राष्ट्र बोध' जैसे कार्यक्रम छात्रों को सही सोच, सही दिशा और समाज के प्रति जिम्मेदारी सिखाते हैं। ऐसे प्रयास ही एक मजबूत और जागरूक राष्ट्र की नींव रखते हैं।"

मुख्य सत्र में डॉ. सुमेधा तिवारी ने स्ट्रेस मैनेजमेंट विषय पर विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि आज के प्रतिस्पर्धात्मक दौर में मानसिक दबाव स्वाभाविक है, लेकिन सही समय पर उसे पहचानना और संतुलित जीवनशैली अपनाना अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने छात्रों को नियमित दिनचर्या, सकारात्मक सोच, समय प्रबंधन और आत्मसंवाद को तनाव से निपटने के प्रभावी उपाय बताते हुए कहा कि मानसिक रूप से स्वस्थ युवा ही मजबूत समाज और राष्ट्र का निर्माण कर सकते हैं।

वहीं डॉ. सत्यांशु ने सफलता विषय पर अपने अनुभव साझा करते हुए कहा कि सफलता किसी एक रात में नहीं मिलती, बल्कि यह निरंतर मेहनत, धैर्य और आत्मविश्वास का परिणाम होती है। उन्होंने विद्यार्थियों को असफलताओं से घबराने के बजाय उनसे सीख लेने की सलाह दी और कहा कि अपने लक्ष्य के प्रति ईमानदारी और स्पष्ट सोच ही आगे बढ़ने का रास्ता दिखाती है।

इसी क्रम में डॉ. अतुल कृष्ण द्वारा तैयार राष्ट्र बोध कार्यक्रम की मूल भावना को विद्यार्थियों के सामने रखा गया। बताया गया कि इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य युवाओं में देश के प्रति जिम्मेदारी, सामाजिक

समझ, सांस्कृतिक जुड़ाव और संवैधानिक मूल्यों को मजबूत करना है, ताकि छात्र पढ़ाई के साथ–साथ एक जागरूक और संवेदनशील नागरिक के रूप में भी विकसित हो सकें।

दूसरे चरण में विश्वविद्यालय के प्रोफेसर डॉ. संदीप ध्यानी, डॉ. अंजलि पांडेय एवं डॉ. कविता नैनवाल ने राष्ट्र बोध पाठ्यक्रम के विभिन्न विषयों पर व्याख्यान दिए और रोजमर्रा के जीवन से जुड़े उदाहरणों के माध्यम से विषय को सरल ढंग से समझाया।

व्याख्यान के दौरान विद्यार्थियों की भागीदारी विशेष रूप से देखने को मिली। प्रश्नोत्तर सत्र में छात्रों ने खुलकर सवाल पूछे और अपने अनुभव साझा किए। विद्यार्थियों ने इस तरह के कार्यक्रमों को प्रेरणादायक और आंखें खोलने वाला बताते हुए कहा कि इससे उन्हें तनाव से निपटने और सफलता को सही दृष्टिकोण से देखने की सीख मिली।

कार्यक्रम का समापन संस्कृति विभाग के सदस्य असिस्टेंट प्रोफेसर रमन कृष्ण किमोठी द्वारा सुभारती परंपरा के अनुसार 'आजाद हिंद गान' के सामूहिक गायन के साथ हुआ।

इस मौके पर संस्कृत विभाग के सचिव श्री विनय सेमवाल, डीन एकेडमिक्स मनमोहन गुप्ता, एनएसएस ऑफिसर प्रदीप महारा, असिस्टेंट प्रोफेसर मिदत असलम सहित विभिन्न विभागों के डीन, विभागाध्यक्ष, संस्थान प्रमुख, शिक्षक तथा बड़ी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित रहे।

कुल मिलाकर, राष्ट्र बोध जैसी व्याख्यान श्रृंखलाएँ छात्रों को किताबों से आगे ले जाकर तनाव प्रबंधन, सफलता की समझ और जिम्मेदार नागरिकता की दिशा में प्रेरित करने में अहम भूमिका निभा रही हैं।

2014 से पहले की किताबों पर हो चर्चा, खुलेगी कांग्रेस की पोल

एजेंसी।

दिल्ली। भाजपा सांसद निशिकांत दुबे ने संसद में 2014 से पहले की प्रकाशित पुस्तकों पर चर्चा की मांग की, ताकि गांधी–नेहरू परिवार से जुड़ी कहानी सामने आ सके, जिसके जवाब में कांग्रेस ने सरकार पर खुद सदन बाधित करने और विपक्ष को बोलने से रोकने का आरोप लगाया है। भाजपा सांसद निशिकांत दुबे ने बुधवार को कहा कि संसद की कार्यवाही एक ऐसी किताब के कारण रुकी है जो कहीं भी प्रकाशित नहीं हुई है, और उन्होंने अध्यक्ष से आग्रह किया कि प्रकाशित किताबों पर चर्चा की अनुमति दी जाए ताकि लोगों को 2014 से पहले की कहानी पता चल सके। भाजपा सांसद ने पत्रकारों से कहा कि ये वे किताबें हैं जो प्रकाशित तो हुई हैं लेकिन भारत में प्रतिबंधित हैं.. संसद की कार्यवाही एक ऐसी किताब के कारण रुकी है जो कहीं भी प्रकाशित नहीं हुई है।

दुबे ने आगे कहा कि मैं अध्यक्ष से आग्रह करता हूं और यही बात मैंने संसद में भी कही थी, कि प्रकाशित किताबों पर चर्चा होनी चाहिए और जनता को 2014 से पहले की

कहानी पता चलनी चाहिए, जिसके बारे में अधिकांश आबादी को कोई जानकारी नहीं है, इस पर संसद में चर्चा होनी चाहिए... संसद में चर्चा के बाद गांधी–नेहरू परिवार का पर्दाफाश होगा। सोमवार को लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी द्वारा पूर्व सेना प्रमुख जनरल एमएम नरवणे के अप्रकाशित संस्मरण का जिक्र करने पर भारी हंगामा मच गया। इसके बाद बुधवार को कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा ने भाजपा के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार की कड़ी आलोचना करते हुए उस पर संसद की कार्यवाही बाधित करने का आरोप लगाया।कांग्रेस सांसद ने सरकार पर अध्यक्ष और संसद का अपमान करने का आरोप लगाया और इस बात पर जोर दिया कि विपक्ष के नेता राहुल गांधी पूरे विपक्ष का प्रतिनिधित्व करते हैं। वायनाड सांसद ने संसद के बाहर पत्रकारों से कहा कि निशिकांत जी को तभी आगे लाया जाता है जब सरकार को व्यवधान उत्पन्न करना होता है। सरकार किसी सदस्य को प्रकाशित पुस्तक से उद्धरण देने की अनुमति नहीं दे रही है, लेकिन वह (भाजपा सांसद निशिकांत दुबे) सदन में 6 पुस्तकें लाते हैं और उनसे उद्धरण देते हैं। यह सरकार यह दिखाना चाहती है कि संसद में केवल उनका ही तरीका चलेगा। यह अध्यक्ष और संसद का अपमान है। विपक्ष के विपक्ष सिर्फ एक व्यक्ति नहीं हैय वह पूरे विपक्ष का प्रतिनिधित्व करते हैं।कांग्रेस सांसद ने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने निर्णय लेने में कभी संकोच नहीं किया। उन्होंने कहा कि एक बार फिर, वे नेहरू का मुद्दा उठाकर जनता का ध्यान भटका रहे हैं, क्योंकि जनरल साहब ने देश के नेतृत्व के बारे में कुछ ऐसा कहा था... क्या इंदिरा गांधी ने कभी कोई फैसला लेने से पीछे हटीं? कभी नहीं। देश को इस तरह नहीं चलाया जाता। आज उन्होंने जो किया, उससे यह साबित हो गया।

मुख्यमंत्री डा. मोहन यादव की नीतियों से अब गांव के बच्चों को अब मिलेगी कान्वेंट स्तर की विश्वस्तरीय शिक्षा- सिंधिया

एजेंसी।

भोपाल । समारोह को संबोधित करते हुए केन्द्रीय मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का विजन है कि गुणवत्तापूर्ण शिक्षा हर बच्चे तक पहुँचे। उन्होंने कहा कि पिपरई में स्थापित यह स्कूल यह सुनिश्चित करेगा कि गाँव का बच्चा भी वही संसाधन, वही गुणवत्ता और वही अवसर पाए जो देश के बड़े महानगरों के बच्चों को मिलते हैं। अशोकनगरध्गुनाध्भोपाल। केन्द्रीय संचार एवं पूर्वोत्तर क्षेत्र मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने आज अपने भोपाल–अशोकनगर प्रवास के आखिरी दिन पिपरई में ध्32 करोड़ की लागत से निर्मित होने वाले 'सांदीपनि सी.एम. राइज स्कूल' का उद्घाटन किया। इससे पहले केंद्रीय मंत्री ने आज चंदेरी में शिशु मंदिर का भी उद्घाटन किया और माधव महाविद्यालय में अपने पिता स्व. माधवराव सिंधिया सिंधिया की प्रतिमा का अनावरण एवं नई माधव साइंस कॉलेज बिल्डिंग का भी लोकार्पण किया। इस अवसर पर उन्होंने क्षेत्र के नागरिकों, अभिभावकों और छात्र–छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा कि यह विद्यालय केवल एक भवन नहीं, बल्कि गाँव के बच्चों के सपनों, संभावनाओं और उज्ज्वल भविष्य की आधारशिला है।समारोह को संबोधित करते हुए केन्द्रीय मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का विजन है कि गुणवत्तापूर्ण शिक्षा हर बच्चे तक पहुँचे। उन्होंने कहा कि पिपरई में स्थापित यह स्कूल यह सुनिश्चित करेगा कि गाँव का बच्चा भी वही संसाधन, वही गुणवत्ता और वही अवसर पाए जो देश के बड़े महानगरों के बच्चों को मिलते हैं। उन्होंने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव जी द्वारा इन स्कूलों का नाम 'सांदीपनि' रखने को अत्यंत सार्थक बताया, क्योंकि महर्षि सांदीपनि भगवान श्री कृष्ण के गुरु थे और ऐसे शिक्षालय बच्चों को 'सर्व गुण सम्पन्न' बनाने की प्रेरणा देंगे।सिंधिया ने बताया कि ध्32 करोड़ की लागत से विकसित होने वाला यह परिसर अत्याधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित होगा। इसमें स्मार्ट क्लासरूम, विज्ञान, गणित और भाषा के लिए आधुनिक प्रयोगशालाएँ, तथा नवीन शिक्षण संसाधन उपलब्ध होंगे। इसके साथ ही व्यावसायिक शिक्षा पर विशेष जोर दिया जाएगा, ताकि विद्यार्थी केवल किताबी ज्ञान तक सीमित न रहें, बल्कि तकनीकी और व्यावहारिक कौशल भी प्राप्त करें और आत्मनिर्भर भारत के निर्माण में 'रोजगार सृजन करने वाले' बन सकें।चंदेरी में शिक्षा और विरासत को समर्पित महत्वपूर्ण पहलइससे पहले केंद्रीय मंत्री सिंधिया ने आज चंदेरी में ध्30 लाख की लागत से निर्मित शिशु मंदिर का उद्घाटन किया। इसके साथ ही उन्होंने माधव महाविद्यालय परिसर में अपने पिता स्व. माधवराव सिंधिया की प्रतिमा का अनावरण किया तथा नई माधव साइंस कॉलेज भवन का लोकार्पण भी किया। इन कार्यों के माध्यम से शिक्षा के बुनियादी ढांचे को सशक्त करने के साथ–साथ क्षेत्र की ऐतिहासिक और वैचारिक विरासत को सम्मान देने का संदेश दिया गया।संस्कार, संस्कृति और जिम्मेदार नागरिकताकेन्द्रीय मंत्री ने कहा कि शिक्षा का उद्देश्य केवल रोजगार दिलाना नहीं, बल्कि संस्कारवान, संवेदनशील और जिम्मेदार नागरिक तैयार करना भी है। इस विद्यालय में बच्चों को भारतीय संस्कृति, नैतिक मूल्यों और सामाजिक उत्तरदायित्व से जोड़ा जाएगा, ताकि वे ज्ञान के साथ–साथ चरित्र निर्माण की भी मजबूत नींव प्राप्त कर सकें।

मतदाता सूची में एसआईआर के नाम पर संगठित फर्जीवाड़ा कर रही भाजपा- अखिलेश यादव

लखनऊ(आरएनएस) समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने मतदाता सूची में चल रहे विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को लेकर भाजपा पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा है कि इस पूरी प्रक्रिया में भाजपा की सीधी संलिप्तता है। उन्होंने कहा कि भाजपा असली मतदाताओं के वोट कटवा रही है और फर्जी वोट जुड़वाए जा रहे हैं। चुनाव आयोग एक संवैधानिक संस्था है, लेकिन जब समाजवादी पार्टी भाजपा के इस फर्जीवाड़े की शिकायत करती है तो आयोग आंख मूंद लेता है। कोई कार्रवाई नहीं हो रही है, जिससे साफ लगता है कि साठ–गांठ बहुत पक्की है। उन्होंने व्यंग्य करते हुए कहा कि ऐसा न हो कि भविष्य में चुनाव आयोग की इमारत पर भाजपा का झंडा लगा दिखाई दे।अखिलेश यादव आज संसद परिसर में मीडिया से बातचीत कर रहे थे। उन्होंने कहा कि चुनाव आयोग की जिम्मेदारी अधिक से अधिक नागरिकों को मतदाता बनाना है, लेकिन इसके उलट बड़े पैमाने पर वोट काटे जा रहे हैं। चुनाव आयोग का व्यवहार ऐसा प्रतीत हो रहा है जैसे वह भाजपा के लिए काम कर रहा हो। उन्होंने कहा कि एसआईआर के दौरान भरे गए फॉर्म को लेकर समाजवादी पार्टी ने चुनाव आयोग को कई सूचनाएं और शिकायतें दी हैं, लेकिन किसी पर भी कोई कार्रवाई नहीं हुई। न जिलाधिकारी पर कार्रवाई हुई और न ही उपजिलाधिकारी पर।अखिलेश यादव ने आरोप लगाया कि पूरे उत्तर प्रदेश में लोगों के वोट कटवाने के लिए लाखों की संख्या में प्रिंटेड फॉर्म बांटे जा रहे हैं। ये फॉर्म विधानसभा स्तर पर बूथों तक पहुंचाए जा रहे हैं, जिन्हें समाजवादी पार्टी के कार्यकर्ताओं और नेताओं ने पकड़ा भी है। उन्होंने सवाल उठाया कि आखिर गांव–गांव में वोट कटवाने के लिए प्रिंटेड फॉर्म–7 कहां से आ रहे हैं। इसका सीधा मतलब है कि भाजपा ने अपने पैसे से एजेंसियों को हायर किया है, जो मतदाता सूची से नाम उठाकर फर्जी हस्ताक्षर कर बीएलओ के पास भेज रहे हैं।उन्होंने कहा कि यदि फर्जी हस्ताक्षर किए जा रहे हैं तो यह सीधा आपराधिक मामला है और इसमें धोखाधड़ी की धाराएं लगनी चाहिए। फर्जीवाड़ा करने वालों के खिलाफ एफआईआर दर्ज होनी चाहिए। उन्होंने सुल्तानपुर का उदाहरण देते हुए बताया कि एक मतदाता नंदलाल हस्ताक्षर नहीं कर पाता है और अंगूठा लगाता है, लेकिन उसके नाम से फॉर्म–7 भरकर फर्जी हस्ताक्षर कर दिए गए और उसका वोट कटवाने की कोशिश की गई, जबकि उसे इसकी जानकारी तक नहीं है। उन्होंने आरोप लगाया कि लखनऊ या दिल्ली में कहीं भाजपा ने एक कमांड सेंटर बना रखा है, जहां से फर्जी फॉर्म–7 भरकर भेजे जा रहे हैं। बूथों पर इन फॉर्मों का बस्तों की तरह वितरण हो रहा है और संगठित तरीके से वोट काटे जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश में एसआईआर के नाम पर संगठित अपराध हो रहा है, जिसमें कुछ अधिकारी भी शामिल हैं और वे अन्य अधिकारियों पर दबाव बना रहे हैं। इसके बावजूद चुनाव आयोग सुनने को तैयार नहीं है। भाजपा मुख्यालय से आए फॉर्मों के जरिए वोट काटे जा रहे हैं और इस फर्जीवाड़े को संगठित अपराध की श्रेणी में शामिल किया जाना चाहिए।पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी द्वारा सुप्रीम कोर्ट में एसआईआर के मुद्दे पर स्वयं बहस में शामिल होने के सवाल पर अखिलेश यादव ने कहा कि ममता बनर्जी ने भाजपा की काली करतूतों के खिलाफ काला कोट पहना है। जनता को भी उसी तरह सामने आना होगा। समाजवादी पार्टी ममता बनर्जी के साथ है। उन्होंने कहा कि मत का अधिकार व्यक्तिगत अधिकार है। वोट छिनने का मतलब है हक छिन जाना। जब वोट का अधिकार जाएगा तो धीरे–धीरे विरासत के कागज से लेकर नागरिकता तक सब कुछ छीना जा सकता है।लोकसभा की कार्यवाही पर बोलते हुए अखिलेश यादव ने कहा कि सरकार को विपक्ष की बात और उसकी चिंताओं को गंभीरता से सुनना चाहिए और अपना पक्ष सदन में रखना चाहिए। उन्होंने कहा कि देश को सबसे बड़ा खतरा चीन से है और डॉ. राम मनोहर लोहिया, जॉर्ज फर्नांडिस, नेताजी मुलायम सिंह यादव सहित तमाम समाजवादी नेताओं ने हमेशा इस मुद्दे को उठाया है। चीन पहले भी भारत की जमीन हड़पता रहा है। तिब्बत का मुद्दा हो, पैंगोंग लेक और फाइव फिंगर एरिया हो या रेजांग ला मेमोरियल, कई सवाल आज भी अनुत्तरित हैं। उन्होंने कहा कि रेजांग ला मेमोरियल को उसकी मूल जगह से हटाकर कई किलोमीटर दूर बना दिया गया, लेकिन यह भी सवाल है कि कितनी जमीन चीन के पास चली गई। यह बेहद संवेदनशील मामला है और विपक्ष को देश की आंतरिक व सीमा सुरक्षा पर बोलने का पूरा अधिकार मिलना चाहिए।अमेरिका के साथ ट्रेड डील को लेकर अखिलेश यादव ने कहा कि इस समझौते में लिए गए फैसलों के बारे में देश जानना चाहता है। उन्होंने इसे डील नहीं बल्कि ढील बताते हुए कहा कि इससे देश का किसान बर्बाद हो जाएगा और अर्थव्यवस्था दूसरों के हाथों में चली जाएगी। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार देश का पूरा बाजार विदेशी ताकतों को सौंप रही है। स्वदेशी का नारा देने वाले अब चुप हैं। भारत की 70 प्रतिशत आबादी किसान और गरीब की है, जो कृषि पर निर्भर है। यदि कृषि और डेरी से जुड़े उत्पाद विदेशों से लाए जाएंगे तो देश का बाजार कैसे बचेगा। अभी किसान छुट्टा जानवरों से अपनी फसल बचाने के लिए जूझ रहा है, ऐसे में विदेशी कंपनियों से खेती और बाजार को कैसे बचा पाएगा। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार देश को गंभीर संकट की ओर धकेल रही है।

लंबित आवासीय-व्यावसायिक आवंटनों के त्वरित निस्तारण के लिए 'ओटीएस-2026' लागू करने के निर्देश

लखनऊ, (आरएनएस)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुधवार को आवास एवं शहरी नियोजन विभाग की समीक्षा बैठक में वर्षों से लंबित आवासीय और व्यावसायिक आवंटनों के त्वरित समाधान के लिए नई 'एकमुश्त समाधान योजना (ओटीएस–2026)' लागू करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि लंबे समय से लंबित देयों और विवादित मामलों के कारण न केवल योजनाओं की प्रगति प्रभावित होती है, बल्कि आम नागरिकों को भी अनावश्यक परेशानियों का सामना करना पड़ता है। सरकार का स्पष्ट उद्देश्य ऐसी व्यवस्था लागू करना है, जिसमें समाधान तेज, पारदर्शी और सभी के लिए व्यावहारिक हो।मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश की किसी भी आवासीय या व्यावसायिक योजना में लंबित भुगतान और विवादित आवंटन विकास की गति को धीमा करते हैं। इसलिए आवास विभाग को समाधान–प्रधान व्यवस्था अपनानी चाहिए, जिससे एक ओर विभाग को आवश्यक राजस्व प्राप्त हो और दूसरी ओर वास्तविक आवंटियों को राहत मिले। उन्होंने निर्देश दिया कि ओटीएस–2026 पूरी तरह जन–केंद्रित हो, जिसमें प्रत्येक पात्र आवंटी के लिए स्पष्ट, सरल और व्यावहारिक विकल्प उपलब्ध हों।बैठक में अधिकारियों ने अवगत कराया कि वर्ष 2020 में लागू ओटीएस–2020 योजना के माध्यम से बड़ी संख्या में लंबित मामलों का निस्तारण किया गया था, लेकिन कोविड–19 महामारी के कारण कई आवंटी अंतिम भुगतान नहीं कर सके। विभाग द्वारा प्रदेश के विभिन्न आवासीय और व्यावसायिक परिसरों में मौजूद ऐसे सभी डिफॉल्ट मामलों का विस्तृत विवरण प्रस्तुत किया गया।मुख्यमंत्री ने कहा कि ओटीएस–2026 को पहले से अधिक व्यावहारिक और लाभकारी बनाया जाए। एकमुश्त भुगतान करने वाले आवंटियों को देयों पर उपयुक्त छूट दी जाए, साथ ही किस्तों में भुगतान की सुविधा भी उपलब्ध कराई जाए। उन्होंने स्पष्ट किया कि योजना के प्रावधान तय करते समय यह सुनिश्चित किया जाए कि इसका मूल उद्देश्य आम आदमी को राहत देना हो। साथ ही प्रत्येक आवेदन का निस्तारण निर्धारित समयसीमा के भीतर किया जाए, ताकि आवंटियों को बार–बार कार्यालयों के चक्कर न लगाने पड़ें।मुख्यमंत्री ने कहा कि नई एकमुश्त समाधान योजना लागू होने से हजारों आवंटियों को राहत मिलेगी और विभाग के राजस्व में भी वृद्धि होगी। उन्होंने योजना के व्यापक प्रचार–प्रसार के निर्देश देते हुए कहा कि आम जनता तक इसकी जानकारी सक्रिय रूप से पहुंचाई जाए, ताकि सभी पात्र लोग इसका लाभ उठा सकें। उन्होंने यह भी निर्देश दिया कि योजना की पूरी प्रक्रिया ऑनलाइन, पारदर्शी और उपयोगकर्ता–अनुकूल हो, जिससे आम नागरिकों को आवेदन और भुगतान में किसी प्रकार की कठिनाई न हो।

सुशान्त गोल्फ सिटी में युवक की हत्या का 24 घंटे में खुलासा, दो अभियुक्तगिरफ्तार

लखनऊ, (आरएनएस)। सुशान्त गोल्फ सिटी थाना क्षेत्र में युवक की हत्या की घटना का पुलिस ने मात्र 24 घंटे में सफल अनावरण करते हुए दो अभियुक्तों को गिरफ्तार कर लिया है। घटना में प्रयुक्त ईंट और मोटरसाइकिल भी पुलिस ने बरामद कर ली है। त्वरित और प्रभावी कार्रवाई के लिए अपर पुलिस उपायुक्त दक्षिणी ने पुलिस टीम को 15 हजार रुपये का पुरस्कार देने की घोषणा की है।पुलिस के अनुसार 03 फरवरी 2026 की सुबह करीब 8 बजकर 27 मिनट पर सूचना प्राप्त हुई थी कि एक व्यक्ति सड़क किनारे मृत अवस्था में पड़ा है। सूचना पर थाना सुशान्त गोल्फ सिटी पुलिस और उच्चाधिकारी तत्काल मौके पर पहुंचे, शव को कब्जे में लेकर पंचनामा व अन्य आवश्यक विधिक कार्यवाही पूरी करते हुए पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया। इसी दिन मृतक के भाई मस्तराम की लिखित तहरीर के आधार पर थाना सुशान्त गोल्फ सिटी में मुकदमा संख्या 63ध्2026, धारा 103(1) बीएनएस के तहत अज्ञात के विरुद्ध अभियोग पंजीकृत किया गया।घटना के शीघ्र अनावरण के लिए पुलिस उपायुक्त दक्षिणी के निर्देश पर विशेष टीमों का गठन किया गया। पुलिस टीमों ने क्षेत्र के 15 से 20 सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगाले, तकनीकी और मैनुअल साक्ष्य एकत्र किए तथा मुखबिर तंत्र को सक्रिय किया। जांच के दौरान एक काली रंग की स्प्लेंडर प्लस मोटरसाइकिल और दो संदिग्ध व्यक्तियों की पहचान सामने आई। जानकारी मिली कि मोटरसाइकिल दीपक कुमार की है, जो सुशील का रिश्तेदार है और दोनों अक्सर साथ आते–जाते थे।पुलिस ने बुद्धूखेड़ा गांव में दबिश देकर दोनों अभियुक्तों को हिरासत में लिया। पूछताछ में अभियुक्तों ने बताया कि 02 फरवरी 2026 की रात उन्होंने अत्यधिक शराब का सेवन किया था और मोटरसाइकिल से मुल्लाखेड़ा जा रहे थे। रास्ते में साइकिल से जा रहे सन्तराम से उनकी मोटरसाइकिल छू गई, जिस पर कहासुनी और गाली–गलौज हो गई। इसके बाद अभियुक्तों ने मोटरसाइकिल मोड़कर सन्तराम को रोका और नशे की हालत में ईंट तथा लात–घूंसों से हमला कर दिया। गंभीर रूप से घायल सन्तराम को सड़क से घसीटकर पास के खाली प्लॉट में डाल दिया गया, जहां उसकी मृत्यु हो गई। घटना के बाद दोनों अभियुक्त मौके से फरार हो गए।अभियुक्तों की निशानदेही पर घटना में प्रयुक्त एक अदद ईंट और मोटरसाइकिल संख्या न्च 32 च्च 5066 (स्प्लेंडर प्लस) बरामद कर ली गई है। गिरफ्तार अभियुक्तों में सुशील, उम्र 27 वर्ष, निवासी कटरा बक्कास और दीपक कुमार, उम्र 21 वर्ष, निवासी बुद्धूखेड़ा शामिल हैं। दोनों मजदूरी का कार्य करते हैं।पुलिस का कहना है कि आपसी कहासुनी और गाली–गलौज के बाद गुस्से में आकर यह हत्या की गई।

पर्यटन रोडमैप 2047रू यूपी की जीवीए में पर्यटन का योगदान 5 प्रतिशत करने का लक्ष्य, आगमन 100 करोड़ से अधिक होगा

लखनऊ (आरएनएस)प्रदेश के पर्यटन रोडमैप के तहत समयबद्ध लक्ष्यों के माध्यम से वर्ष 2047 तक पर्यटन का राज्य की जीवीए (ग्रॉस वैल्यू एडेड) में योगदान 5 प्रतिशत तक बढ़ाने, देश के पर्यटन जीवीए में उत्तर प्रदेश की हिस्सेदारी 16 प्रतिशत करने, पर्यटक आगमन को 100 करोड़ से अधिक तक पहुंचाने और प्रदेश को देश के शीर्ष तीन पर्यटन राज्यों में शामिल करने की दिशा में तेजी से काम किया जा रहा है। यह जानकारी पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने पर्यटन भवन, लखनऊ में आयोजित उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक में दी। बैठक मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के उत्तर प्रदेश को वन ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने के लक्ष्य के अनुरूप आयोजित की गई, जिसमें मुख्यमंत्री के सलाहकार अवनीश अवस्थी भी उपस्थित रहे।बैठक में प्रदेश की अर्थव्यवस्था को मजबूत करने में पर्यटन की भूमिका और भविष्य की रणनीति पर विस्तार से चर्चा की गई। पर्यटन मंत्री जयवीर सिंह ने कहा कि 2027–28 तक वन ट्रिलियन डॉलर इकॉनमी के लक्ष्य को हासिल करने में पर्यटन एक सशक्त ग्रोथ इंजन के रूप में उभरेगा। इसके लिए बुनियादी ढांचे के विस्तार, निजी निवेश को प्रोत्साहन देने और पर्यटन सेवाओं की गुणवत्ता में सुधार पर विशेष जोर दिया जा रहा है।समीक्षा बैठक में उत्तर प्रदेश पर्यटन के लिए निर्धारित अल्पकालिक, मध्यकालिक और दीर्घकालिक लक्ष्यों को प्रस्तुत किया गया। रोडमैप के अनुसार राज्य की जीवीए में पर्यटन का योगदान वर्तमान 1.2 प्रतिशत से बढ़ाकर वर्ष 2047 तक 5 प्रतिशत तक ले जाने का लक्ष्य तय किया गया है। वहीं देश के कुल पर्यटन जीवीए में उत्तर प्रदेश की हिस्सेदारी को मौजूदा 9.2 प्रतिशत से बढ़ाकर 16 प्रतिशत करने की योजना है। पर्यटन आगमन के क्षेत्र में भी बड़े लक्ष्य निर्धारित किए गए हैं, जिनके तहत प्रदेश में कुल पर्यटकों की संख्या 2047 तक 100 करोड़ से अधिक करने और विदेशी पर्यटकों की संख्या 45 लाख से ऊपर पहुंचाने का लक्ष्य रखा गया है। साथ ही उत्तर प्रदेश को भारत के शीर्ष तीन पर्यटन राज्यों में शामिल करने का संकल्प लिया गया है।रोजगार सृजन के लिहाज से भी यह रोडमैप महत्वाकांक्षी है। कुल रोजगार में पर्यटन की हिस्सेदारी को मौजूदा 1.43 प्रतिशत से बढ़ाकर 2047 तक 5 प्रतिशत तक ले जाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। इसके अलावा विदेशी पर्यटकों के ठहरने की औसत अवधि, प्रति पर्यटक खर्च, हवाई यात्री यातायात, प्रीमियम होटलों की संख्या और पर्यटन से जुड़े रोजगार में निरंतर वृद्धि के लिए ठोस लक्ष्य तय किए गए हैं।पर्यटन नीति–2022 के तहत अयोध्या, काशी और मथुरा जैसे प्रमुख धार्मिक केंद्रों के साथ–साथ बाबा नीम करौरी, कालिंजर किला और नैमिषारण्य जैसे महत्वपूर्ण स्थलों के विकास पर भी विशेष ध्यान दिया जा रहा है। इन क्षेत्रों में फाइव स्टार होटल, होमस्टे, बेहतर कनेक्टिविटी और स्वच्छ वातावरण विकसित करने के निर्देश दिए गए हैं, ताकि पर्यटकों को विश्वस्तरीय अनुभव मिल सके।पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश को वन ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने की दिशा में पर्यटन को एक मजबूत ग्रोथ इंजन के रूप में विकसित किया जा रहा है। प्रदेश में बुनियादी ढांचे के विस्तार, निवेश को बढ़ावा देने और पर्यटन सुविधाओं को वैश्विक मानकों के अनुरूप बनाने पर लगातार कार्य हो रहा है, जिससे आर्थिक विकास और रोजगार सृजन को नई गति मिलेगी।मुख्यमंत्री के सलाहकार अवनीश अवस्थी ने कहा कि उत्तर प्रदेश के पास धार्मिक, सांस्कृतिक, ऐतिहासिक और आध्यात्मिक पर्यटन की अपार संभावनाएं हैं। एक सुनियोजित रोडमैप के माध्यम से पर्यटन क्षेत्र में निवेश बढ़ाने, जीवीए में वृद्धि और रोजगार के नए अवसर सृजित करने पर फोकस किया गया है, जिससे प्रदेश को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर नई पहचान मिलेगी।अपर मुख्य सचिव पर्यटन, संस्कृति एवं धर्मार्थ कार्य अमृत अभिजात ने बताया कि नई पर्यटन नीति के तहत अयोध्या, काशी और मथुरा जैसे प्रतिष्ठित धार्मिक केंद्रों के साथ–साथ उभरते पर्यटन स्थलों का समग्र विकास किया जा रहा है। कनेक्टिविटी, विश्वस्तरीय ठहराव सुविधाएं, स्वच्छता और सुरक्षित पर्यटन माहौल को प्राथमिकता देते हुए ऐसा इकोसिस्टम तैयार किया जा रहा है, जिससे 2047 तक उत्तर प्रदेश न केवल देश में बल्कि वैश्विक स्तर पर पहचान बनाने वाले पर्यटन राज्यों में शामिल हो सके।वन ट्रिलियन डॉलर इकॉनमी को लेकर हुई इस समीक्षा बैठक में मुख्यमंत्री के सलाहकार अवनीश अवस्थी, अपर मुख्य सचिव पर्यटन, संस्कृति एवं धर्मार्थ कार्य अमृत अभिजात, महानिदेशक पर्यटन डॉ. वेदपति मिश्रा, विशेष सचिव ईशा प्रिया, यूपीएसटीडीसी के प्रबंध निदेशक आशीष कुमार, निदेशक इको टूरिज्म पुष्प कुमार के., सलाहकार जयप्रकाश सिंह सहित विभाग के वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे।

ट्रेड डील नहीं बल्कि 'ढील' और समर्पण है यह समझौता- अखिलेश यादव

लखनऊ (आरएनएस)समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने भाजपा सरकार पर तीखा हमला बोलते हुए कहा है कि अमेरिका के साथ किया जा रहा यह समझौता किसी भी तरह से ट्रेड डील नहीं बल्कि एक बड़ी 'ढील' है। उन्होंने कहा कि भाजपा की उल्टी गणित से जनता फिर सवाल पूछ रही है कि जीरो बड़ा है या अठारह प्रतिशत। देश की 70 फीसदी आबादी कृषि आधारित है और जो भी डील इस वर्ग के लिए नुकसानदेह होगी, वह कभी भी देश के लिए लाभकारी साबित नहीं हो सकती।अखिलेश यादव ने कहा कि सदन के पटल पर कृषि और डेयरी को बचाने के जो दावे किए जा रहे हैं, वे पूरी तरह झूठे हैं। इन बयानों का संज्ञान भविष्य में लिया जाएगा और यदि ये दावे झूठे साबित हुए तो उन पर कार्रवाई की मांग भी की जाएगी। उन्होंने सवाल उठाया कि जब डील की शर्तें अभी तक तय ही नहीं हुई हैं और न ही किसी प्रकार के हस्ताक्षर हुए हैं, तो फिर पहले से इसके फायदे गिनाने का आधार क्या है। हर ट्रेड डील को लाभ और हानि की तराजू पर तौला जाता है और आज सबसे बड़ा सवाल यही है कि इस डील में फायदा किसे हो रहा है और नुकसान किसका हो रहा है।सपा अध्यक्ष ने कहा कि भाजपा को हानि के उत्सव मनाने से बचना चाहिए। यह डील देश के लिए एक आपदा है और भाजपा के लोग इसमें कमीशनखोरी के अवसर तलाश रहे हैं। उन्होंने कहा कि यह समझौता नहीं बल्कि सीधा समर्पण है। जनता के बीच यह चर्चा आम है कि जैसे भारत से 500 अरब डॉलर की रंगदारी वसूली जा रही हो।अखिलेश यादव ने कहा कि जो लोग इस ट्रेड डील को मील का पत्थर बता रहे हैं, उनकी समझ पर ही सवाल खड़े हो गए हैं। जो इसे कूटनीति की जीत बता रहे हैं, वे भी जानते हैं कि अमेरिका अपनी कूटनीति को इस तरह ढाल रहा है जिससे उसका अधिकतम मुनाफा सुनिश्चित हो सके। वहीं जो इसे भाजपा सरकार के दबदबे की जीत बता रहे हैं, वे खुद दबा हुआ महसूस कर रहे हैं। उनकी न सिर्फ आवाज दबी है, बल्कि उनकी गर्दन भी झुकी हुई है।उन्होंने कहा कि यह डील देश की खेती, डेयरी और किसानों पर सीधा हमला है और भाजपा सरकार देश की जनता के हितों की बजाय विदेशी ताकतों के दबाव में फैसले ले रही है, जिसका खामियाजा आने वाले समय में देश को भुगतना पड़ेगा।

माघ मेला में महिला से दिनदहाड़े छेड़छाड़

विरोध पर पति को पीटा, गंगा में डुबोकर मार डालने की दी धमकी

प्रयागराज। माघ मेला में संगम स्नान के लिए जा रही महिला से दिनदहाड़े छेड़खानी की गई। पति ने विरोध किया तो उसे घेर कर पत्थर से हमला किया गया। आरोप है कि हमलावरों ने धमकाया भी। पति से कहा, तुम्हें गंगा में डुबोकर मार डालेंगे और पत्नी को उठा ले जाएंगे। गंभीर रूप से चोटिल पति का तीन दिन तक बेली अस्पताल में इलाज चला। उसकी तस्वीर पर दारागंज थाने में मुकदमा दर्ज कर लिया गया है।प्राप्त जानकारी के अनुसार पीड़ित महिला झूंसी थाना क्षेत्र की रहने वाली है। उसके पति ने बताया कि 30 जनवरी को वह अपनी पत्नी और एक दोस्त दंपति के साथ संगम स्नान के लिए गए थे। पार्किंग कार में खड़ी करने के बाद वह सभी पैदल ही संगम जा रहे थे। दोपहर करीब 2रू15 से 2रू45 बजे के बीच महावीर थाना क्षेत्र अंतर्गत पंडा चौराहा से कुछ दूरी पहले एक बाइक सवार समेत कुछ अज्ञात युवकों ने उनकी पत्नी के साथ छेड़छाड़ शुरू कर दी। दरअसल वह और उनके दोस्त कुछ आगे थे जबकि उसकी पत्नी और उसके दोस्त की पत्नी पीछे–पीछे चल रही थीं। बाइक सवार युवक ने अकेला देखकर उनसे छेड़छाड़ की। विरोध करने पर अश्लील शब्दों का प्रयोग करने लगा। उसने देखा तो मौके पर पहुंचकर विरोध किया जिस पर आरोपी धमकाने लगा। कहा कि तुम मुझे नहीं जानते हो। मौके पर तब तक भीड़ जमा हो गई लोगों ने बीच बचाव किया और इस पर बाइक सवार युवक धमकाते हुए आगे की ओर चला गया।युवक ने बताया कि वह लोग कुछ दूर आगे ही बढ़े थे कि तभी वहां बाइक सवार युवक अपने 5 से 6 साथियों के साथ पहले से खड़ा था। वहां पहुंचते ही उसने गाली गलौज शुरू कर दी और फिर सभी ने मिलकर उसे पर हमला कर दिया।आरोप है कि हमलावरों ने गाली–गलौज करते हुए पत्थरों, लात–घूंसे से बेरहमी से पिटाई की, जिससे उनकी आंख की रोशनी प्रभावित हुई और कई गंभीर चोटें आईं। घाल रजनीश सिंह को टीबी सप्रू अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां इलाज के बाद उन्हें डिस्चार्ज किया गया।पीड़ित के अनुसार मामले में दारागंज थाना पुलिस से संगठित रूप से हमला कर रहे थे, तभी पुलिस की हलचल देख सभी मौके से भाग निकले। जाते–जाते आरोपियों ने धमकी दी कि दोबारा प्रयागराज या माघ मेले में दिखने पर जान से मार देंगे। चौराहा सहित आसपास के क्षेत्रों में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगालनी शुरू कर दी है। थाना प्रभारी ज्ञानेश्वर मिश्रा ने बताया कि फुटेज के आधार पर आरोपियों की पहचान कर जल्द गिरफ्तारी की जाएगी।

बीबीएयू में तीन दिवसीय शोध पद्धति कार्यशाला का उद्घाटन, अनुसंधान को समाजोन्मुख बनाने पर दिया गया जोर

लखनऊ(आरएनएस) स्थित बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय में 4 फरवरी को शिक्षा विभाग की ओर से आयोजित तीन दिवसीय शोध पद्धति कार्यशाला का उद्घाटन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय की कार्यवाहक कुलपति प्रो. सुनीता मिश्रा ने की, जबकि मुख्य अतिथि के रूप में उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज की पूर्व कुलपति प्रो. सीमा सिंह उपस्थित रहीं।कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के तौर पर बनारस हिंदू विश्वविद्यालय के शिक्षा विभाग की प्रो. मीनाक्षी सिंह तथा दिल्ली विश्वविद्यालय के शिक्षा विभाग के प्रो. रजनी रंजन सिंह मंचासीन रहे। इसके अतिरिक्त शिक्षा विभाग, बीबीएयू के विभागाध्यक्ष एवं संकायाध्यक्ष प्रो. राज शरण शाही, प्रो. हरिशंकर सिंह तथा कार्यक्रम की समन्वयक डॉ. संगीता चौहान भी मंच पर उपस्थित रहीं।कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रज्वलन एवं बाबासाहेब के छायाचित्र पर पुष्पांजलि अर्पित करने के साथ हुई। इसके पश्चात विश्वविद्यालय कुलगीत का गायन किया गया। आयोजन समिति की ओर से अतिथियों का पुष्पगुच्छ, स्मृति चिन्ह एवं शॉल भेंट कर स्वागत किया गया। सर्वप्रथम प्रो. राज शरण शाही ने सभी अतिथियों, शिक्षकों एवं शोधार्थियों का स्वागत किया। इसके बाद डॉ. संगीता चौहान ने कार्यशाला के उद्देश्य एवं इसकी रूपरेखा की जानकारी दी।

अपने अध्यक्षीय संबोधन में कार्यवाहक कुलपति प्रो. सुनीता मिश्रा ने कहा कि अनुसंधान ज्ञान का एक व्यवस्थित एवं वैज्ञानिक अध्ययन है, जिसमें सटीकता, विश्वसनीयता और वैधता की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। इन्हीं आधारों पर किसी भी शोध को पूर्ण एवं सार्थक माना जाता है। उन्होंने कहा कि शोध समस्या का चयन करते समय शोधार्थियों को विशेष सतर्कता बरतनी चाहिए ताकि विषय प्रासंगिक और उद्देश्यपूर्ण हो। उन्होंने यह भी कहा कि शोध केवल अकादमिक सीमाओं तक सीमित न रहकर समाज की वास्तविक समस्याओं के समाधान में सहायक होना चाहिए।मुख्य अतिथि प्रो. सीमा सिंह ने युवाओं को शोध–शक्ति का केंद्र बताते हुए कहा कि भारत एक युवा–प्रधान देश है और यदि युवा अपनी ऊर्जा एवं क्षमताओं का सकारात्मक दिशा में उपयोग करें तो देश को नई दिशा मिल सकती है। उन्होंने कहा कि शोध और शिक्षा के माध्यम से समाज में परिवर्तन लाने के लिए युवाओं में जिज्ञासा का होना आवश्यक है, क्योंकि जिज्ञासा से ही प्रश्न पूछने और तार्किक सोच विकसित करने की क्षमता उत्पन्न होती है। उन्होंने शोध में नैतिक मूल्यों एवं एथिकल कंसिडरेशन के महत्व पर भी जोर दिया।विशिष्ट अतिथि प्रो. मीनाक्षी सिंह, प्रो. रजनी रंजन सिंह तथा प्रो. राज शरण शाही ने कार्यशाला के आयोजन की सराहना करते हुए कहा कि इस प्रकार के कार्यक्रम शोधार्थियों को अनुसंधान की बारीकियों को समझने का सशक्त मंच प्रदान करते हैं। उन्होंने रिसर्च मेथडोलॉजी के विभिन्न पहलुओं, शोध की रूपरेखा, डेटा संग्रह एवं विश्लेषण की विधियों के साथ–साथ शोध में गुणवत्ता और नैतिकता के महत्व पर अपने विचार साझा किए।

कार्यशाला के अंतर्गत प्रतिभागियों के लिए तीन विशेष अकादमिक सत्र आयोजित किए गए।

कानूनगो को डीएम ने किया पदावनत, अब लेखपाल बना

प्रयागराज। सोरांव तहसील में एक राजस्व निरीक्षक (कानूनगो) को सरकारी जमीन के हेरफेर के आरोप में पदावनत कर लेखपाल बना दिया गया है। जिलाधिकारी के आदेश पर यह कार्रवाई की गई है। आरोपी कानूनगो दूधनाथ को निलंबित भी कर दिया गया है।कानूनगो दूधनाथ पर फाफामऊ में बंजर और परती भूमि को पैसे लेकर अपने करीबियों के नाम करने का आरोप है। शिकायत के बाद मामले की जांच कराई गई, जिसमें वह दोषी पाए गए। इस मामले की शिकायत शासन और प्रशासन तक पहुंची थी। जिलाधिकारी के निर्देश पर एसडीएम के नेतृत्व में एक जांच टीम गठित की गई, जिसमें दो नायब तहसीलदार, एक कानूनगो और एक लेखपाल शामिल थे। लगभग चार महीने तक चली जांच में तहसील और जिला अभिलेखागार के सभी दस्तावेज खंगाले गए।जांच में सामने आया कि कानूनगो ने परती जमीन को तीन लोगों के नाम करने के लिए अभिलेखों में छेड़छाड़ की थी। उन्होंने सरकारी भूमि को निजी व्यक्तियों के नाम दर्ज कर दिया था। दो दिन पहले यह जांच रिपोर्ट जिलाधिकारी को सौंपी गई। जांच रिपोर्ट के आधार पर जिलाधिकारी ने दोषी कानूनगो को पदावनत करते हुए लेखपाल बना दिया और उन्हें निलंबित भी कर दिया।

विजडम इण्डिया
R.N.I.NO.-UPHIN/2011/41608
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र
लखनऊ, गुरुवार 05 फरवरी 2026
sheelshukla100@gmail.com

असम, मुंबई और बंगाल से जुड़े साइबर ठग गिरफ्तार, 85 लाख की ठगी का खुलासा

सुल्तानपुर। जनपद में साइबर ठगी के एक बड़े नेटवर्क का भंडाफोड़ करते हुए साइबर क्राइम पुलिस ने असम, मुंबई और पश्चिम बंगाल से जुड़े सात अभियुक्तों को गिरफ्तार किया है। जांच में सामने आया है कि आरोपियों ने एक ही मोडस ऑपरेंडी अपनाकर अलग–अलग राज्यों में लोगों से करोड़ों रुपये की ठगी की। मामले का खुलासा पुलिस अधीक्षक कुँवर अनुपम सिंह ने किया।प्रभारी निरीक्षक आलोक कुमार सिंह (साइबर टीम) ने बताया कि विवेचना के दौरान जानकारी हुई कि इसी तरीके से अमेठी निवासी अभिषेक सिंह से करीब 85 लाख रुपये की ठगी की गई थी। इस संबंध में थाना साइबर क्राइम, अमेठी में मुकदमा दर्ज है। वहीं, लखनऊ निवासी अवनीश सिंह से लगभग 1 करोड़ 85 लाख रुपये की ठगी किए जाने का भी मामला सामने आया,जिसका मुकदमा लखनऊ कमिश्नरेट के साइबर क्राइम थाने में पंजीकृत है।जांच में यह भी पाया गया कि पीड़ित भास्कर पाण्डेय के खाते से 4.92 लाख रुपये एक निजी बैंक खाते में ट्रांसफर किए गए थे।केवाईसी जांच में यह खाता असम के हाजो थाना क्षेत्र से जुड़े दो व्यक्तियों के नाम पर पाया गया।पुलिस टीम ने 28 जनवरी को असम जाकर दोनों आरोपियों को गिरफ्तार किया।पूछताछ में उन्होंने स्वीकार किया कि पैसों के लालच में उन्होंने अपने बैंक खाते ठगी गिरोह को उपलब्ध कराए थे।आगे की जांच में खुलासा हुआ कि गिरोह क्लोनिंग एप के जरिए फर्जी निवेश कंपनी बनाकर लोगों को मुनाफे का लालच देता था। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर गठित टीम ने मुंबई से तीन अन्य अभियुक्तों को पूछताछ के लिए सुल्तानपुर लाया। पूछताछ में आरोपियों ने स्वीकार किया कि वे गिरोह के सरगनाओं को बैंक खाते, चेकबुक, एटीएम कार्ड और सिम उपलब्ध कराते थे, बदले में उन्हें कमीशन दिया जाता था। एसपी ने बताया कि आरोपियों के बैंक खातों की जांच में करोड़ों रुपये के लेन–देन का पता चला है।कार्रवाई के दौरान कई मोबाइल फोन,चेकबुक और एटीएम कार्ड के साथ–साथ 333 करोड़ रुपये से अधिक की राशि वाले ऑनलाइन खाते फ्रीज किए गए हैं। इसके अलावा करोड़ों रुपये मूल्य की क्रिप्टोकरेंसी से जुड़े खाते भी सामने आए हैं। गिरोह के अन्य सदस्यों की तलाश जारी है और मामले में आगे की कार्रवाई प्रचलित है।

शब-ए-बारात पर भव्य जलसा, इबादत और दुआओं में डूबा इलाका

बल्दीरायध्सुल्तानपुर। जनपद के बल्दीराय क्षेत्र अंतर्गत चक्कारी भीट में शब–ए–बारात की पवित्र रात के अवसर पर एक भव्य जलसा–ए–शब–ए–बारात का आयोजन अत्यंत श्रद्धा और रूहानियत के साथ किया गया। यह कार्यक्रम 3 फरवरी 2026, मंगलवार को नमाज–ए–इशा के बाद शुरू हुआ, जिसमें बड़ी संख्या में स्थानीय मुस्लिम भाई–बहनों ने शिरकत की, शब–ए–बारात, जिसे मगफिरत और अल्लाह की रहमत की रात के रूप में जाना जाता है, इस्लामी कैलेंडर के शाबान महीने की 15 वीं रात को मनाई जाती है। वर्ष 2026 में यह मुबारक रात 3 फरवरी की शाम से शुरू होकर 4 फरवरी तक रही। इस मौके पर देशभर की तरह चक्कारी भीट में भी लोगों ने नमाज, तौबा, दुआ और कुरआन की तिलावत के जरिए पूरी रात इबादत में गुजारी, जलसे में मुख्य खिताब मुफ्ती मुहिब्बुद्दीन साहब (सुल्तानपुर) ने फरमाया। उन्होंने शब–ए–बारात की फजीलत, गुनाहों की माफी और अल्लाह तआला की बेशुमार रहमत पर विस्तार से रोशनी डाली। उनका प्रभावशाली पैगाम सुनकर मौजूद लोग भावविभोर हो उठे और तौबा व नेक अमल का संकल्प लिया।कार्यक्रम का सुंदर संचालन (निजामत) मौलाना गुलाम मुस्तफा कुड़वार और मौलाना शरीफ नवाज कादरी साहब (इसौली) ने किया। वहीं, हाफिज व कारी मोहम्मद फैजान रजा साहब (बिहार) की दिल को छू लेने वाली तिलावत–ए–कुरआन से पूरा माहौल रूहानी हो गया। नातख्वानी और शायरी के दौर में शायर–ए–इस्लाम कारी रियाज सुल्तानपुरी, शहीदों कौसर (रसूलाबाद, अमेठी), लारेब अख्तर एवं सबरेज अख्तर (इसौली) ने बेहतरीन नातें और नज्में पेश कीं, जिनसे श्रोताओं को गहरा रूहानी सुकून मिला। कार्यक्रम की व्यवस्था और निगरानी में गुलफाम अहमद (पत्रकार) सहित गुड्डू अमरील, अफसार, मंजूर, रिजवान, अरबाज, महफूज, आशिक, मुस्ताक, आमिर, शाहबाज, राशिद, जीशान, अमरोज, बबलू, दानिश, जबी उल्ला, शान उल्ला, मोहम्मद अहमद, पप्पू इकरार प्रधान, आदिल, निजाम, सद्दाम, भाई और अमान उल्ला का विशेष योगदान रहा। यह जलसा न केवल शब–ए–बारात की अहमियत को उजागर करने वाला रहा, बल्कि समाज में भाईचारे, एकता और इबादत की भावना को भी मजबूत करने वाला साबित हुआ। अंत में आयोजकों ने सभी शिरकत करने वालों का आभार जताया और आगामी रमजान माह की तैयारी के लिए दुआएं की गईं।

मतदाता सूची से छेड़छाड़ पर आज कांग्रेस का आंदोलन

सुल्तानपुर। भाजपा सरकार और उसके इशारे पर काम कर रहा प्रशासन अब मताधिकार छीनने की खुली साजिश पर उतर आया है। एसआईआर के नाम पर जीवित, वैध और पात्र मतदाताओं के नाम मतदाता सूची से काटे जा रहे हैं, जो लोकतंत्र पर सीधा हमला है। इसी जनविरोधी, लोकतंत्र विरोधी और संविधान कुचलने वाली कार्रवाई के खिलाफ कांग्रेस जिलाध्यक्ष अभिषेक सिंह राणा के नेतृत्व में आज बृहस्पतिवार को जिला मुख्यालय पर ऐतिहासिक और विशाल जन आंदोलन किया जाएगा। कांग्रेस जिलाध्यक्ष अभिषेक सिंह राणा का आरोप है कि भाजपा को आगामी चुनाव में हार के डर से चुनाव जीतने के लिए प्रशासनिक मशीनरी का दुरुपयोग कर रही है। खासकर अल्पसंख्यकों, दलितों और पिछड़ों के वोट काटकर सत्ता में बने रहने की साजिश रची जा रही है। यह न तो चुनाव सुधार है और न ही प्रशासनिक प्रक्रिया यह लोकतंत्र की जड़ों पर हमला है। श्री राणा ने दो टूक चेतावनी देते हुए कहा कि अगर एसआईआर के नाम पर वोट काटने का यह षड्यंत्र तत्काल बंद नहीं हुआ, तो पार्टी आंदोलन को और तेज करेगी। मतदाता सूची से छेड़छाड़ करने वालों को बेनकाब किया जाएगा और इसकी कीमत सरकार को चुकानी पड़ेगी। जिलाध्यक्ष ने साफ ऐलान किया है कि यह आंदोलन किसी एक दिन का नहीं बल्कि लोकतंत्र बचाने की निर्णायक लड़ाई है। जिला प्रशासन अगर जनता की आवाज को दबाने की कोशिश करेगा तो कांग्रेस कार्यकर्ता हर कुर्बानी देने को तैयार हैं। कल जिला मुख्यालय पर होने वाले इस आंदोलन में बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता और आम नागरिक पहुंचकर भाजपा सरकार की तानाशाही नीतियों के खिलाफ हुंकार भरेंगे।

बाल क्रीड़ा प्रतियोगिता में खेल और संस्कृति का संगम, बच्चों को मिला प्रोत्साहन का पुरस्कार

सुलतानपुर। जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी उपेन्द्र गुप्ता के निर्देशन में पंत स्पोर्ट्स स्टेडियम में आयोजित जनपदीय बाल क्रीड़ा प्रतियोगिता के दौरान खेल के साथ–साथ सांस्कृतिक प्रतिभाओं को भी मंच मिला। इसी क्रम में बेसिक शिक्षा परिषद की शिक्षिका एवं हैंडबाल नेशनल कोच अनुपम शुक्ला ने प्राथमिक विद्यालय सिपाह के बच्चों को सांस्कृतिक कार्यक्रम में मनमोहक प्रस्तुति देने पर प्रोत्साहन स्वरूप प्रति बच्चे 500–500 रुपये नगद पुरस्कार प्रदान किया।बच्चों ने पारंपरिक गीत–नृत्य और समूह प्रस्तुति के माध्यम से दर्शकों का दिल जीत लिया। पुरस्कार पाकर बच्चों के चेहरे खुशी से खिल उठे और उनका उत्साह दोगुना हो गया। कार्यक्रम स्थल पर मौजूद अभिभावकों और शिक्षकों ने भी बच्चों की प्रतिभा की सराहना की। इस अवसर पर अनुपम शुक्ला ने कहा कि खेल और संस्कृति दोनों बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए आवश्यक हैं। ऐसे मंच बच्चों में आत्मविश्वास बढ़ाते हैं और उन्हें आगे बढ़ने की प्रेरणा देते हैं। प्रतियोगिता में खेल भावना और सांस्कृतिक चेतना का यह संगम आयोजन को और भी यादगार बना गया।

पुलिस ने चलाया अभियान, साइबर अपराध से कैसे बचें?

सुल्तानपुर। पुलिस अधीक्षक कुंवर अनुपम सिंह के दिशानिर्देश में बढ़ते साइबर क्राइम से शिवगढ़ थानाक्षेत्र में साइबर अपराध से आम जनता को बचाने के लिए प्रभारी थानाध्यक्ष चंद्रभान वर्मा के नेतृत्व में आम जनमानस को साइबर फ्रॉड से कैसे बचा जाए इसके लिए वृहद स्तर पर जन–जागरण अभियान चलाकर जागरूक किया। खासकर महिलाओं से थानाध्यक्ष चंद्रभान वर्मा ने साइबर फ्रॉड से सजग कैसे रहा जाए, इसके लिए उन्हें टिप्स देते हुए बताया की। साइबर फ्रॉड करने वालों का टार्गेट अधिकतर महिलाए होती है, तरह–तरह के प्रलोभन व भय दिखाकर आपके बैंक खाते खाली कर लेते है,आप ऐसी काल आने पर घबराए नही,ऐसी किसी भी काल पर अपनी कोई भी जानकारी साझा न करें, जिससे आपको आर्थिक क्षति उठानी पड़े। थानाध्यक्ष चंद्रभान वर्मा ने उपस्थित लोगों से अपील करते हुए कहाकि आपलोग अपराध व अपराधी गतिविधियों की जानकारी पुलिस से साझा करे, आपकी पहचान गुप्त रखी जाएगी, किसी भी समय आप मित्र पुलिस से संपर्क कर सकते है। थानाध्यक्ष चंद्रभान वर्मा ने बताया कि पुलिस अधीक्षक के आदेश व अपर पुलिस अधीक्षक और क्षेत्राधिकारी के निर्देशानुसार शिवगढ़ पुलिस अपराध और अपराधियों पर प्रभावी अंकुश लगाने में सफल हो रही है।

अनुदेशक शिक्षक को मिलेगा 17,000 रूपए प्रतिमाह मानदेय

बाराबंकी। सुप्रीम कोर्ट द्वारा अनुदेशक शिक्षकों के मानदेय को 17,000 रूपए प्रतिमाह किए जाने के न्यायपूर्ण एवं ऐतिहासिक निर्णय पर जनपद बाराबंकी सहित पूरे प्रदेश के अनुदेशक शिक्षकों में खुशी की लहर दौड़ गई है। इस निर्णय को न्याय, समानता और सम्मान की दिशा में एक बड़ी उपलब्धि के रूप में देखा जा रहा है। उच्च प्राथमिक अनुदेशक शिक्षक वेलफेयर एसोसिएशन, बाराबंकी के जिलाध्यक्ष दिवाकर अवस्थी गांधी ने माननीय सुप्रीम कोर्ट के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह फैसला अनुदेशक शिक्षकों के वर्षों के संघर्ष, धैर्य और एकजुटता का प्रतिफल है। यह निर्णय अनुदेशक शिक्षकों के आत्मसम्मान, अधिकारों और भविष्य को मजबूती प्रदान करेगा। प्रदेश प्रवक्ता नीरज पांडेय ने कहा कि यह फैसला साबित करता है कि संगठित, शांतिपूर्ण और लोकतांत्रिक संघर्ष से न्याय अवश्य मिलता है। यह निर्णय प्रदेश के लाखों अनुदेशक शिक्षकों के मनोबल को नई ऊर्जा देगा। जिला महामंत्री सुजीत सिंह ने कहा कि यह केवल मानदेय वृद्धि नहीं, बल्कि अनुदेशक शिक्षकों के सम्मान और सामाजिक सुरक्षा की दिशा में ऐतिहासिक पहल है। जिला संगठन मंत्री अम्बरीष यादव ने इसे संगठन की एकता और अनुशासन की जीत बताया, वहीं जिला संयोजक अतुल शुक्ला ने कहा कि यह निर्णय अनुदेशक शिक्षकों के भविष्य को सुरक्षित करने वाला है। इस ऐतिहासिक निर्णय का स्वागत करते हुए जूनियर हाई स्कूल शिक्षक संघ के प्रदेश महामंत्री अरुणेंद्र वर्मा 'मुन्ना', उत्तर प्रदेश प्राथमिक शिक्षक संघ के प्रांतीय संगठन मंत्री देवेंद्र द्विवेदी, शिक्षक नेता दिलीप तिवारी तथा राष्ट्रपति पुरस्कार प्राप्त सेवा निवृत्त शिक्षक सुभाष श्रीवास्तव ने अनुदेशक शिक्षकों को मिठाई खिलाकर बधाई दी और इसे शिक्षक हित में मील का पत्थर बताया। इस अवसर पर बेसिक शिक्षा विभाग के अधिकारियों, कर्मचारियों एवं अनुदेशक शिक्षकों द्वारा मिठाई बांटकर खुशी का इजहार किया गया। साथ ही उत्तर प्रदेश सरकार के आगामी बजट से अनुदेशक शिक्षकों के लिए मानदेय में और वृद्धि, नियमितीकरण, चिकित्सा अवकाश, सीसीएल एवं भविष्य निधि से संबंधित ठोस घोषणाओं की मांग की गई। कार्यक्रम में आशीष मिश्रा, आशीष वर्मा, राजीव साहू व विशाल वर्मा, प्रीति श्रीवास्तव, रामजी बाजपेई, शैलेन्द्र मौर्य, सीता सिंह, आराधना, आलोक यादव, आशीष वर्मा सहित विनीता, पुनीत, पूनम यादव, मोहसिन हसीब, गौरव तिवारी, सुनीता देवी, अशोक कुमार, हितेश सिंह, अंकित तिवारी, पुनीत शर्मा समेत अनेक सम्मानित अनुदेशक पदाधिकारी एवं शिक्षक उपस्थित रहे।

अस्पतालों में आउटसोर्स सुरक्षा कर्मियों को हटाने के आदेश से हड़कंप

वेतन और पीएफ कटौती को लेकर फूटा आक्रोश

बाराबंकी। सरकारी अस्पतालों में आउटसोर्सिंग पर तैनात सुरक्षा कर्मियों को हटाने के आदेश के बाद हड़कंप मच गया है। जिला अस्पताल और महिला अस्पताल में कार्यरत सुरक्षा कर्मियों में इस फैसले को लेकर भारी आक्रोश व्याप्त है। कर्मचारियों का कहना है कि बिना किसी पूर्व सूचना या नोटिस के सेवा से हटाया जाना पूरी तरह अन्यायपूर्ण है, जिससे उनके सामने रोजी–रोटी का गंभीर संकट खड़ा हो गया है। जानकारी के अनुसार, बाराबंकी जिला पुरुष और महिला अस्पताल में फरवरी 2024 से आईटी वर्ल्ड प्राइवेट लिमिटेड कंपनी के माध्यम से आउटसोर्सिंग पर सुरक्षा कर्मियों की तैनाती की गई थी। कई कर्मी लंबे समय से अस्पताल की सुरक्षा व्यवस्था संभाल रहे हैं, इसके बावजूद अब अचानक उन्हें हटाने की प्रक्रिया शुरू की दी गई है। सुरक्षा कर्मियों का आरोप है कि आउटसोर्सिंग के नियमों के अनुसार ये पद रिटायर्ड सैनिकों के लिए आरक्षित होते हैं, लेकिन व्यवहार में रिटायर्ड सैनिक इस कार्य में रुचि नहीं लेते। ऐसे में निजी कंपनियां सरकार से ठेका लेकर सामान्य नागरिकों से काम कराती हैं और उनका आर्थिक शोषण किया जाता है। कर्मचारियों के मुताबिक, कंपनी द्वारा वेतन 12,000 रूपए दर्शाया जाता है, लेकिन वास्तव में उन्हें केवल 9,000 रूपए ही भुगतान किया जाता है, जिसका भुगतान न तो समय पर किया जाता और न ही कर्मचारियों को उसका स्पष्ट विवरण दिया जाता है। इसके अलावा, महिला अस्पताल में तैनात कई सुरक्षा कर्मियों को पिछले तीन महीनों से वेतन नहीं मिला है। जैसे ही हटाए जाने की सूचना मिली, सभी आउटसोर्स सुरक्षा कर्मी जिला अस्पताल परिसर में एकत्र हो गए और मुख्य चिकित्सा अधिकारी (सीएमओ) अवधेश कुमार यादव को ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन के माध्यम से कर्मियों ने मांग की कि उन्हें पुनः सेवा में रखा जाए और वेतन व पीएफ से जुड़ी समस्याओं का शीघ्र समाधान किया जाए। सुरक्षा कर्मियों ने कहा कि वे पूरी निष्ठा और जिम्मेदारी के साथ अपनी ड्यूटी निभा रहे हैं। इसके बावजूद बिना नोटिस हटाया जाना न केवल अमानवीय है, बल्कि उनके परिवारों के भविष्य के साथ खिलवाड़ भी है। उन्होंने प्रशासन से मानवीय दृष्टिकोण अपनाते हुए आदेश पर पुनर्विचार करने की मांग की। वही, सीएमओ अवधेश कुमार यादव ने ज्ञापन स्वीकार करते हुए मामले में उचित कार्रवाई और इसे उच्चाधिकारियों तक पहुंचाने का आश्वासन दिया। हालांकि जब उनसे पूछा गया कि आउटसोर्सिंग का नया ठेका किस कंपनी को दिया जा रहा है, तो उन्होंने इस पर कोई स्पष्ट जानकारी देने से परहेज किया, जिससे कर्मचारियों में असंतोष और बढ़ गया। कर्मचारियों का आरोप है कि आउटसोर्सिंग प्रक्रिया में पारदर्शिता का अभाव है और ठेका देने में धांधली की जाती है। साथ ही बाद में अपने चहेते लोगों को नौकरी देने के आरोप भी लगाए जा रहे हैं। इस मामले में प्रभावित सुरक्षा कर्मियों में संजीव कुमार, जितेन्द्र कुमार, अब्दुल बारी, उमेश, प्रदीप कुमार, मोनू, विपिन यादव, अमित कुमार और चंद्र प्रकाश शामिल हैं। अब देखना यह है कि प्रशासन इस गंभीर मामले पर क्या रुख अपनाता है और वर्षों से सेवा दे रहे सुरक्षा कर्मियों को न्याय मिल पाता है या नहीं।

अंत्योदय की भावना, आत्मनिर्भर भारत की नींव है केन्द्रीय बजट राही

प्रभारी मंत्री सुरेश राही ने प्रेस वार्ता में बजट पर की चर्चा, विपक्ष पर साधा निशाना

बाराबंकी। उत्तर प्रदेश के कारागार एवं बाराबंकी जिले के प्रभारी मंत्री सुरेश राही बुधवार को बाराबंकी पहुंचे। उन्होंने भाजपा जनप्रतिनिधियों और कार्यकर्ताओं की उपस्थिति में केंद्रीय बजट 2026 पर एक प्रेस कॉन्फ्रेंस की। इस दौरान मंत्री ने बजट को विकसित भारत के संकल्प को सिद्ध करने वाला और लोक–कल्याणकारी बताया। उन्होंने कहा कि बजट अंत्योदय की भावना, आत्मनिर्भर भारत की नींव है। प्रेस कॉन्फ्रेंस में जब मंत्री राही से बाराबंकी को मिलने वाले विशेष लाभ के बारे में पूछा गया, तो उन्होंने स्पष्ट किया कि यह बजट केवल एक जिले के लिए नहीं, बल्कि पूरे देश के किसानों को समर्पित है। उन्होंने कहा कि केंद्र और प्रदेश में भाजपा सरकार बनने के बाद से किसानों को मुख्यधारा से जोड़ने का लगातार प्रयास किया जा रहा है। बाराबंकी के विकास पर संतोष व्यक्त करते हुए उन्होंने कहा कि जिला पहले से ही विकास और प्रगति के पथ पर तेजी से अग्रसर है। विपक्ष द्वारा बजट पर लगाए जा रहे आरोपों पर पलटवार करते हुए सुरेश राही ने कहा कि बजट हमेशा किसानों और जनता के हित को ध्यान में रखकर बनाया जाता है। उन्होंने विपक्ष पर निशाना साधते हुए कहा कि उनके कार्यकाल में बजट केवल अपनी तिजोरियां भरने के लिए होता था। मंत्री ने आरोप लगाया कि विपक्ष को यह इसलिए पसंद नहीं आ रहा क्योंकि अब जनता का पैसा सीधे उन तक पहुंच रहा है और आम आदमी सशक्त हो रहा है। मध्यम वर्ग और शिक्षा से संबंधित सवालों पर मंत्री ने बताया कि इस बजट में समाज के हर वर्ग का ध्यान रखा गया है। उन्होंने सरकारी स्कूलों के कायाकल्प का उल्लेख करते हुए कहा कि इससे गरीब और मध्यम वर्ग के बच्चों को बेहतर सुविधाएं मिल रही हैं। उन्होंने जोर दिया कि सरकारी योजनाओं का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंच रहा है, जिससे मध्यम वर्ग को सीधा फायदा हो रहा है।

बाक्स

विकास की मुख्यधारा से जुड़ रहा बाराबंकी

बाराबंकी। योगी सरकार में कारागार राज्यमंत्री एवं जिले के प्रभारी मंत्री सुरेश राही ने जिले की तीन बड़े बजट वाली महत्वपूर्ण विकास परियोजनाओं को लेकर सरकार की मंशा स्पष्ट की है। उन्होंने कहा कि बंद पड़ी बुढ़वल चीनी मिल, सरयू नदी पर हेमतापुर के पास बाराबंकी–बहराइच को जोड़ने वाला पुल और शहर के पास बंद पड़ी सूत मिल में औद्योगिक पार्क की स्थापना सरकार की प्राथकिताओं में शामिल है। इनको लेकर प्रयास जारी हैं। सरकार द्वारा की गई घोषणा के अनुरूप कार्य प्रक्रिया में है और इस दिशा में काम चल रहा है। जल्द ही कार्य धरातल पर दिखेगा।

बैंक आफ इंडिया के कैशियर पर पैसे चुराने का आरोप

बाराबंकी। थाना लोनी कटरा क्षेत्र अंतर्गत भिलवल स्थित बैंक ऑफ इंडिया की मकनपुर शाखा में एक उपभोक्ता ने कैशियर पर 400 रूपए की चोरी का गंभीर आरोप लगाया है। घटना के बाद बैंक के बाहर ग्रामीणों की भीड़ जमा हो गई, जिससे कुछ देर के लिए तनाव का माहौल बन गया। मामले को लेकर उपभोक्ता, बैंक प्रबंधन और पुलिस के बयान एक–दूसरे से अलग नजर आ रहे हैं। ग्राम भिलवल निवासी वैष्णो कुमार पुत्र अतीश कुमार के अनुसार, वह 28 जनवरी 2026 को बैंक ऑफ इंडिया की शाखा में अपने पिता के खाते में 34,000 रूपए जमा करने पहुंचे थे। उन्होंने बताया कि कैश जमा करते समय उन्होंने 200 रूपए के 30 नोट, 100 रूपए के 30 नोट और 500 रूपए के 50 नोट गिनकर कैशियर मिनी राजपूत को दिए थे। उपभोक्ता का आरोप है कि पैसे गिनने के बाद कैशियर ने बताया कि 200 रूपए के दो नोट यानी 400 रूपए कम हैं। वैष्णो कुमार का कहना है कि उन्होंने पूरा पैसा देने की बात कही, लेकिन कैशियर ने उनकी बात नहीं मानी। मजबूरी में उन्हें दोबारा 400 रूपए देने पड़े, जिसके बाद उनके पिता के खाते में रकम जमा की गई। वैष्णो कुमार का दावा है कि बाद में ब्ज्ट फुटेज की जांच करने पर यह स्पष्ट हुआ कि कैशियर ने दिए गए पैसों में से 400 रूपए अपने पास रख लिए। उन्होंने इस संबंध में शाखा प्रबंधक विनय कुमार पांडेय को लिखित शिकायत दी। आरोप है कि शिकायत के बाद शाखा प्रबंधक ने उन्हें धमकाया और झूठा आरोप लगाने पर मुकदमा दर्ज कराने की चेतावनी दी। उपभोक्ता का आरोप है कि उसे कैशियर और शाखा प्रबंधक की मिलीभगत का संदेह है। पीड़ित ने मामले की शिकायत छबील चौकी में दर्ज कराई है। हालांकि, लोनी कटरा थाना प्रभारी अभय कुमार मौर्य ने बताया कि उन्हें अब तक कोई लिखित शिकायत प्राप्त नहीं हुई है। उन्होंने बताया कि बैंक कर्मचारियों द्वारा बाहर भीड़ जमा होने की सूचना दी गई थी, जिसके बाद पुलिस मौके पर पहुंची और लोगों को समझा–बुझाकर शांत कराया। पुलिस ने बैंकिंग संबंधी शिकायतों के लिए बैंक के जोनल कार्यालय में संपर्क करने की सलाह दी। वही, बैंक ऑफ इंडिया के शाखा प्रबंधक विनय कुमार पांडेय ने आरोपों को खारिज करते हुए बताया कि कैश मिलान के दौरान 400 रूपए अतिरिक्त पाए गए थे।

विजडम इण्डिया
R.N.I.NO.-UPHIN/2011/41608
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र
लखनऊ, गुरुवार 05 फरवरी 2026
sheelshukla100@gmail.com

राष्ट्रीय सुरक्षा और राहुल गांधी की राजनीतिक अपरिपक्वता

यह प्रश्न केवल एक वक्तव्य का नहीं, बल्कि राजनीतिक परिपक्वता, जिम्मेदारी और राष्ट्रीय हित की समझ का है। राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़े विषयों पर सार्वजनिक वक्तव्यों में संवेदनशीलता अनिवार्य होती है। सीमाओं से जुड़े तथ्य, सैन्य तैनाती, रणनीतिक आकलन—ये सब ऐसे विषय हैं जिन पर आधे—अधूरे संदर्भ या चयनित उद्धरण अनावश्यक भ्रम पैदा कर सकते हैं।नीति—निर्माण, राष्ट्रीय सुरक्षा और संसदीय विमर्श जैसे गंभीर विषय किसी भी लोकतंत्र की रीढ़ होते हैं। संसद केवल सत्ता और विपक्ष के टकराव का मंच नहीं, बल्कि राष्ट्रीय एकता, सामूहिक विवेक और जिम्मेदार अभिव्यक्ति का सर्वोच्च स्थल है। ऐसे में जब राष्ट्रपति के अभिभाषण जैसे संवैधानिक और गरिमामय अवसर पर चर्चा चल रही हो, तब किसी भी नेता से यह अपेक्षा स्वाभाविक है कि वह शब्दों, संदर्भों और समय—तीनों के प्रति अतिरिक्त सावधानी बरते। हालिया घटनाक्रम में लोकसभा में प्रतिनक्ष के नेता राहुल गांधी द्वारा पूर्व थलसेना प्रमुख जनरल एम. एम. नरवणे की अप्रकाशित पुस्तक के कुछ अंशों का हवाला देकर चीनी सेना की कथित घुसपैठ को लेकर जो बयान दिया गया, उसने इसी अपेक्षा पर प्रश्नचिह्न खड़े कर दिए। सरकार का आरोप रहा कि इस बयान ने लोकसभा को गुमराह करने का प्रयास किया, जबकि विपक्ष ने इसे सच दबाने की कोशिश बताकर पलटवार किया। परिणाम यह हुआ कि संसद की कार्यवाही बाधित हुई, तीखी बहस ने पूरे दिन का सत्र स्थगित करा दिया और राष्ट्रीय विमर्श का केंद्र मूल मुद्दों से हटकर आरोप—प्रत्यारोप बन गया।यह प्रश्न केवल एक वक्तव्य का नहीं, बल्कि राजनीतिक परिपक्वता, जिम्मेदारी और राष्ट्रीय हित की समझ का है। राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़े विषयों पर सार्वजनिक वक्तव्यों में संवेदनशीलता अनिवार्य होती है। सीमाओं से जुड़े तथ्य, सैन्य तैनाती, रणनीतिक आकलन—ये सब ऐसे विषय हैं जिन पर आधे—अधूरे संदर्भ या चयनित उद्धरण अनावश्यक भ्रम पैदा कर सकते हैं। यही कारण है कि रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और गृह मंत्री अमित शाह ने इसे संसदीय नियमों के उल्लंघन और राष्ट्रीय सुरक्षा से खिलवाड़ बताया। लोकसभा अध्यक्ष द्वारा व्यवस्था देने के बावजूद यदि किसी नेता का अपने वक्तव्य पर अड़े रहना कार्यवाही को ठप कर दे, तो सवाल उठता है कि क्या उद्देश्य सच सामने लाना था या राजनीतिक लाभ साधना। विपक्ष का दायित्व सत्ता से सवाल करना है, यह लोकतंत्र का प्राण है। किंतु सवालों की भाषा, मंच और समय—तीनों लोकतांत्रिक मर्यादाओं से बंधे होते हैं। राष्ट्रपति के अभिभाषण पर चर्चा का समय सरकार की नीतियों, उपलब्धियों और भविष्य की दिशा पर समग्र विमर्श का होता है। उस दौरान

सैन्य पुस्तकों के चयनित अंशों को राजनीतिक हथियार बनाना, वह भी बिना समुचित संदर्भ और संस्थागत प्रक्रिया के, स्वाभाविक रूप से विवाद को जन्म देता है। विपक्ष का यह कहना कि सरकार असहज प्रश्नों को दबाना चाहती है, एक परिचित एवं बेतूका राजनीतिक तर्क हैय परंतु सरकार का यह कहना कि राष्ट्रीय सुरक्षा को राजनीतिक रंग देना अनुचित है, उतना ही वजनदार प्रतिवाद है। दोनों पक्षों के बीच संतुलन वहीं संभव है, जहां तथ्य, प्रक्रिया और समय का सम्मान हो।संसद के भीतर अप्रकाशित 'संस्मरण' के जिक्र पर विवाद होना स्वाभाविक है। क्योंकि संसदीय परंपराओं और स्थापित नियमों के अनुसार किसी भी सदस्य द्वारा संसद के पटल पर ऐसी प्रकाशित या अप्रकाशित पुस्तक, लेख या पत्रिका की सामग्री को प्रमाण के रूप में उद्धृत करना स्वीकार्य नहीं है, जिसे सदन के समक्ष औपचारिक रूप से प्रस्तुत (टेबल) न किया गया हो। विशेष रूप से ऐसी पुस्तकों या लेखों के अंश, जिनकी न तो संसदीय सत्यापन प्रक्रिया हुई हो और न ही जिन्हें सदन की अनुमति से अभिलेखित किया गया हो, उन्हें तथ्यात्मक प्रमाण मानना संसदीय मर्यादा के विरुद्ध है। इस दृष्टि से राहुल गांधी द्वारा किसी अप्रकाशित पुस्तक के अंशों को सीधे उद्धृत कर उन्हें नीतिगत या राष्ट्रीय महत्व के विषयों पर अंतिम सत्य के रूप में प्रस्तुत करना न केवल संसदीय नियमों की अवहेलना है, बल्कि इससे सदन की गरिमा और कार्यवाही की विश्वसनीयता भी आहत होती है। राहुल गांधी केवल कांग्रेस के नेता ही नहीं, लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष हैं। कम से कम राष्ट्रीय सुरक्षा के मामले में तो उन्हें भारतीय सेनाओं के नैरेटिव के साथ खड़े होना चाहिए। दुर्भाग्य से वे ऐसा नहीं करते। वे चीन और पाकिस्तान को लेकर मोदी सरकार को तो घेरते हैं, लेकिन यह स्मरण नहीं रखते कि इन दोनों देशों ने भारतीय भूभाग पर तब अतिक्रमण किया, जब कांग्रेस सत्ता में थी। गलवान में चीनी सेना के साथ खूनी टकराव के मामले में तत्कालीन सेनाध्यक्ष की अप्रकाशित पुस्तक के कथित अंश का जैसा उल्लेख राहुल गांधी ने किया, उस पर हंगामा होना ही था। आखिर जो पुस्तक प्रकाशित ही नहीं हुई, उसका उल्लेख राहुल कैसे कर सकते हैं? राहुल गांधी का आरोप कि मोदी सरकार ने चीनी सेना के अतिक्रमणकारी रवैये पर साहस नहीं दिखाया, बेबुनिया एवं भ्रमित करने वाला आरोप है। यह पहली बार नहीं है, जब राहुल गांधी ने यह कहने की कोशिश की हो कि प्रधानमंत्री मोदी चीन का डटकर मुकाबला करने से बचते हैं। वे मोदी सरकार को कमजोर दिखाने के लिए यह भी कहते रहे हैं कि चीन ने हमारी जमीन पर कब्जा कर रखा है। वे यहां तक कह चुके हैं कि चीनी सेना ने भारतीय सैनिकों की पिटाई की थी। इसके लिए उन्हें सुप्रीम कोर्ट की फटकार भी सुननी पड़ी थी। इसके बाद भी वे यह समझने के लिए तैयार नहीं कि राष्ट्रीय सुरक्षा के मामले में सतही आरोपों के आधार पर राजनीति नहीं करनी चाहिए। जबकि सच्चाई यह है और सब जानते हैं कि गलवन में चीनी सेना को करारा जवाब मिला था और इसी कारण वह वार्ता की मेज पर आया और लद्दाख में कई इलाकों में यथास्थिति कायम हो पाई।कांग्रेस की भूमिका पर भी गंभीर आत्ममंथन आवश्यक है। एक समय देश को नेतृत्व देने वाली पार्टी आज बार—बार ऐसे प्रसंगों में उलझती दिखती है, जहां बयानबाजी मुद्दों पर भारी पड़ जाती है। राहुल गांधी एक प्रभावशाली वक्ता हैं, जनभावनाओं को छूने की क्षमता रखते हैं और युवाओं में संवाद स्थापित कर सकते हैं। किंतु यही कारण है कि उनसे अधिक जिम्मेदारी की अपेक्षा भी की जाती है। बार—बार ऐसे मुद्दे उठाना जिन्हें सत्ता पक्ष राष्ट्रीय एकता के लिए घातक बताता हो, कांग्रेस की छवि को गैर—जिम्मेदार विपक्ष के रूप में मजबूत करता है। यह धारणा चाहे पूरी तरह सही न हो, लेकिन राजनीति में धारणा भी उतनी ही प्रभावशाली होती है जितना तथ्य। तुलनात्मक दृष्टि से देखें तो परिपक्व लोकतंत्रों में राष्ट्रीय सुरक्षा पर बहस के लिए अलग—अलग संसदीय समितियां, बंद सत्र और संस्थागत प्रक्रियाएं होती हैं। सार्वजनिक मंचों पर बयान देते समय नेता प्रायः संकेतों और नीतिगत प्रश्नों तक सीमित रहते हैं, विस्तृत सैन्य विवरणों से परहेज करते हैं। भारत में भी ऐसी परंपरा विकसित होनी चाहिए, जहां विपक्ष सरकार से जवाबदेही मांगे, परंतु सेना और सुरक्षा संस्थानों की साख को राजनीतिक संघर्ष का अखाड़ा न बनाया जाए। यही संतुलन लोकतंत्र को मजबूत करता है। लेकिन राहुल गांधी पूर्व में भी सैन्य बयानों से न केवल सुरक्षा के लिये खतरा बनते रहे हैं बल्कि हमारे जवानों के मनोबल को भी आहत करते रहे हैं। यह भी सच है कि सरकार को पारदर्शिता से घबराना नहीं चाहिए। यदि विपक्ष किसी पुस्तक, रिपोर्ट या बयान का हवाला देता है, तो उसका संस्थागत और तथ्यपरक उत्तर दिया जाना चाहिए। केवल नियमों के उल्लंघन का हवाला देकर बहस को समाप्त करना भी स्वस्थ परंपरा नहीं कही जा सकती। राष्ट्रीय सुरक्षा के नाम पर पूर्ण मौन भी लोकतांत्रिक उत्तरदायित्व के विपरीत है। अतः दोनों पक्षों को अपनी—अपनी सीमाएं पहचाननी होंगी। अंततः प्रश्न राहुल गांधी की परिपक्वता का भी है।

सम्पादकीय

ट्रंप का भविष्य ट्रंप

ट्रंप की नीतियों ने विभिन्न देशों को नए साथी और नए अवसर ढूंढने के लिए मजबूर किया है। जब अमेरिका ने अपने साथ सम्मानजनक ढंग से कारोबार के रास्ते बंद कर दिए हैं, तो लाजिमी है, देश नए विकल्प की तलाश करेंगे।

भारत और यूरोपियन यूनियन (ईयू) के बीच मुक्त व्यापार समझौते पर सहमति बनने की खबर आते ही अमेरिका के वित्त मंत्री स्कॉट बेसेंट ने ईयू को आगाह कि वह अपने खिलाफ युद्ध के लिए धन मुहैया कराने जा रहा है। कहा कि भारत रूस से कच्चा तेल खरीद कर उसे व्यापारिक सहारा देता है। यूरोप रूस के हमले की आशंका से पीड़ित है, लेकिन अब वह भारत को लाभ पहुंचाने जा रहा है। इसके पहले कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी ने चीन से व्यापार समझौता किया, तो अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप भड़क गए।

अपने चिर—परिचित अंदाज में कार्नी के लिए अपमानजनक भाषा का इस्तेमाल करते हुए उन्होंने कनाडा पर 100 फीसदी टैरिफ लगाने की धमकी दी है। मगर अब कार्नी ने मार्च में भारत आने का इरादा जता दिया है। इसी बीच ट्रंप दक्षिण कोरिया पर भी खफा हो गए हैं और उस पर 25 प्रतिशत अतिरिक्त टैरिफ लगा दिया है। दक्षिण कोरिया के राष्ट्रपति ली जे—म्युंग ने इस महीने के पहले हफ्ते में चीन की यात्रा की थी। उनके बाद स्विट्जरलैंड के राष्ट्रपति गाय पार्लेलिन भी चीन गए और अब अगले मंगलवार को ब्रिटिश प्रधानमंत्री कियर स्टार्मर बीजिंग पहुंच रहे हैं। इस यात्रा से ठीक पहले ब्रिटिश सरकार ने लंदन में चीन के प्रस्तावित भव्य दूतावास के निर्माण को हरी झंडी दे दी, जिसे कई साल से रोक रखा गया था।

उपरोक्त तमाम घटनाओं में एक समान तत्व की तलाश की जा सकती है। खुद ट्रंप प्रशासन की नीतियों ने विभिन्न देशों को नए साथी ढूंढने और नए अवसर तलाशने के लिए मजबूर किया है। जब अमेरिका ने अपने साथ सम्मानजनक ढंग से कारोबार के रास्ते बंद कर दिए हैं, तो लाजिमी है, विभिन्न देश नए विकल्प की तलाश करेंगे। लेकिन ऐसी हर घटना से ट्रंप की महत्त्वाकांक्षा पर आघात पहुंचता है। उससे व्यग्र होकर ट्रंप उग्र प्रतिक्रिया जताते हैं। लेकिन उससे वे विपरीत संदेश दुनिया को दे रहे हैं। हर विवेकशील देश इससे सोचने को मजबूर हो रहा है कि जब हर डील ट्रंप का भविष्य ट्रंप के मूड से जुड़ा है, तो आखिर उसके लिए कितनी हांव—पांव मारी जाए?

सस्ती तकनीक और हर नागरिक तक पहुंचरु एआई में आत्मनिर्भर भारत की तैयारी

कृत्रिम बुद्धिमत्ता यानी एआई आज की सबसे ताकतवर और तेजी से बदलने वाली तकनीक में से एक बनती जा रही है। इसमें यह क्षमता है कि यह देश की अर्थव्यवस्था को नई दिशा दे, उत्पादन बढ़ाए और विकास की रफ्तार तेज करे। सरकारी सेवाओं को ज्यादा प्रभावी और पारदर्शी बनाने में भी एआई अहम भूमिका निभा सकती है। स्वास्थ्य के क्षेत्र में बीमारी की शुरुआती पहचान, खेती में सही समय पर सही फैसले लेने, आपदा से पहले चेतावनी देने, मौसम और जलवायु का बेहतर अनुमान लगाने और सरकारी योजनाओं का लाभ आखिरी व्यक्ति तक पहुंचाने में एआई पहले से ही मदद कर रही है। आने वाले समय में शिक्षा, परिवहन और उद्योग जैसे क्षेत्रों में भी एआई का इस्तेमाल तेजी से बढ़ने की संभावना है।

लेकिन जैसे पहले की तकनीकी क्रांतियों में हुआ, वैसे ही एआई के साथ भी असमानता की तस्वीर सामने आती है। जिनके पास कंप्यूटर की ताकत यानी कंप्यूट, अच्छा डेटा और मजबूत डिजिटल ढांचा है, वही बड़े स्तर पर एआई का लाभ उठा पा रहे हैं। जिनके पास ये सुविधाएं नहीं हैं, वे पीछे रह जाते हैं। यह फर्क आज केवल कंपनियों के बीच ही नहीं, बल्कि देशों और इलाकों के बीच भी साफ दिखाई देता है।

भारत ने इस चुनौती को एक अवसर के रूप में लिया है। इंडिया एआई मिशन के जरिए भारत यह सुनिश्चित करने की कोशिश कर रहा है कि एआई की ताकत कुछ गिने—चुने लोगों तक सीमित न रहे। कंप्यूट, डेटा और एआई मॉडल को डिजिटल सार्वजनिक सुविधा के रूप में देखा जा रहा है, ताकि स्टार्टअप, शोधकर्ता, छात्र और छोटे संस्थान भी एआई पर काम कर सकें। भारत की सोच साफ है— ऐसा डिजिटल ढांचा बनाया जाए जो खुला हो, आसानी से बढ़ सके और समाज के हर वर्ग के काम आए। इससे एआई का लाभ आम लोगों तक पहुंचे, देश में ही नवाचार को बढ़ावा मिले और तकनीक के क्षेत्र में भारत आत्मनिर्भर बन सके। इस सोच के पीछे एक ठोस योजना है। दावोस में हुए विश्व आर्थिक मंच में केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बताया कि भारत एआई को पांच स्तरों पर विकसित कर रहा है— बिजली और ऊर्जा, कंप्यूट और इंफ्रास्ट्रक्चर, चिप और हार्डवेयर, एआई मॉडल और एप्लिकेशन। इन सभी पर एक साथ काम होने से ही एआई का सही और व्यापक उपयोग संभव हो पाएगा।

भारत का तरीका इसलिए अलग है क्योंकि यहां एआई तक पहुंच आसान बनाई गई है। भारत ने एक साझा कंप्यूट प्लेटफॉर्म तैयार किया है, जहां 38,000 जीपीयू एक ही पोर्टल पर मिलते हैं। इनका खर्च करीब 65 रुपये प्रति घंटा है, जबकि दूसरे देशों में इसके लिए 2.5 से 3 डॉलर प्रति घंटा तक देने पड़ते हैं। इंडिया एआई मिशन के तहत सरकार एआई मॉडल बनाने के लिए पूरी लागत (100 प्रतिशत) तक मदद दे रही है और एआई के इस्तेमाल पर भी 40 प्रतिशत तक सब्सिडी दी जा रही है। इससे पैसे की कमी एआई पर काम करने में रुकावट नहीं बनती।

भारत वसुधैव कुटुम्बकम के भाव के साथ मुक्तव्यापार समझौते सम्पन्न कर रहा है

उक्त वर्णित मुक्त व्यापार समझौता विश्व का सबसे बड़ा व्यापार समझौता है। इसके पूर्व, सबसे बड़े मुक्त व्यापार समझौते के रूप में चीन एवं 10 आशियान देशों के बीच सम्पन्न हुए मुक्त व्यापार समझौते को माना जाता है। यह केवल एक मुक्त व्यापार समझौता नहीं बल्कि यूरोपीय यूनियन के 27 देशों एवं भारत के बीच साझा समृद्धि का एक ब्लूप्रिंट है।दिनांक 27 जनवरी 2026 को यूरोपीय यूनियन के 27 सदस्य देशों के साथ भारत ने एक ऐतिहासिक मुक्त व्यापार समझौते को अंतिम रूप दिया है। अब, इस समझौते की शर्तों को इन देशों की संसद द्वारा पारित किया जाएगा, इसके बाद यह मुक्त व्यापार समझौता यूरोपीय यूनियन एवं भारत के बीच होने वाले विदेशी व्यापार पर लागू हो जाएगा। इस मुक्त व्यापार समझौते को "मदर आफ ऑल डील्स" कहा जा रहा है। क्योंकि, यह मुक्त व्यापार समझौता विश्व के 28 देशों के उस भूभाग पर लागू होने जा रहा है, जहां विश्व की 30 प्रतिशत आबादी निवास करती है। पृथ्वी के इस भूभाग पर 200 करोड़ से अधिक नागरिकों का निवास है। इन 28 देशों की संयुक्त रूप से विश्व के कुल सकल घरेलू उत्पाद में 25 प्रतिशत की हिस्सेदारी है। विश्व की दूसरी सबसे बड़ी (संयुक्त रूप से) अर्थव्यवस्था (यूरोपीय यूनियन — 22 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर) एवं चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था (भारत — 4 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर) के बीच यह मुक्त व्यापार समझौता सम्पन्न होने जा रहा है। वैश्विक स्तर पर होने वाले विदेशी व्यापार में इन समस्त देशों की हिस्सेदारी 33 प्रतिशत है। पूरी दुनिया में 33 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर का विदेशी व्यापार होता है, इसमें से 11 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर का विदेशी व्यापार उक्त 28 देशों द्वारा किया जाता है। उक्त वर्णित मुक्त व्यापार समझौता विश्व का सबसे बड़ा व्यापार समझौता है। इसके पूर्व, सबसे बड़े मुक्त व्यापार समझौते के रूप में चीन एवं 10 आशियान देशों के बीच सम्पन्न हुए मुक्त व्यापार समझौते को माना जाता है। यह केवल एक मुक्त व्यापार समझौता नहीं बल्कि यूरोपीय यूनियन के 27 देशों एवं भारत के बीच साझा समृद्धि का एक ब्लूप्रिंट है। इस समझौते में पूरी दुनिया की आर्थिक दशा एवं दिशा बदलने की क्षमता है। उक्त व्यापार समझौता को सम्पन्न करने के प्रयास पिछले 18 वर्षों से हो रहे थे। परंतु, कुछ विपरीत परिस्थितियों के चलते इस समझौते को सम्पन्न होने में इतना लम्बा समय लग गया है, अतः यह अब भारत एवं यूरोपीय यूनियन के 27 देशों के बीच एक नए युग की शुरुआत के रूप में देखा जा रहा है। उक्त मुक्त व्यापार समझौते के सम्पन्न होने के पश्चात वर्ष 2032 तक यूरोपीयन यूनियन के सदस्य देशों एवं भारत के बीच विदेशी व्यापार के दुगना होने की सम्भावना व्यक्त की जा रही है। इसके पूर्व भारत एवं यूनाइटेड किंगडम के बीच भी मुक्त व्यापार समझौता सम्पन्न किया जा चुका है। अब कनाडा के प्रधानमंत्री भी संभवतरू मार्च माह में भारत के दौरे पर आने वाले है और भारत एवं कनाडा के बीच भी कुछ क्षेत्रों में व्यापार समझौता सम्पन्न होने की सम्भावना व्यक्त की जा रही है। अमेरिका मुक्त व्यापार समझौतों को हथियार के रूप में इस्तेमाल कर रहा है, जबकि भारत मानवतावादी दृष्टिकोण को अपनाते हुए विभिन्न देशों के साथ मुक्त व्यापार समझौते कर रहा है ताकि भारत एवं अन्य समस्त देशों में निवासरत नागरिकों को इन समझौतों से लाभ मिले। यह भारतीय संस्कृति के वसुधैव कुटुम्बकम के भाव को दर्शाता है। भारत की इस नीति के चलते ही विश्व के कई देश अब भारत के साथ मुक्त व्यापार समझौते शीघ्र ही सम्पन्न करना चाह रहे हैं।

राष्ट्र निर्माण के प्रति कर्तव्य वह बजट जो भारत के भविष्य को आकार देगा

तोखन साहू

वित्त मंत्री श्रीमती निर्मला सीतारमण द्वारा पेश किया गया केंद्रीय बजट 2026—27, सिफ एक सालाना वित्तीय बयान से कहीं ज्यादा हैय यह एक विकसित भारत बनाने का ब्लूप्रिंट है। माघ पूर्णिमा के पवित्र अवसर और गुरु रविदास जी की जयंती पर पेश किया गया यह बजट एक गहरे नैतिक और राष्ट्रीय उद्देश्य को दर्शाता है। ऐतिहासिक 53.5 लाख करोड़ के कुल खर्च और लगभग 27 लाख करोड़ के पूंजीगत खर्च के साथ, यह बजट राजकोषीय समझदारी बनाए रखते हुए भारत की विकास गाथा में विश्वास का संकेत देता है, जिसमें घाटा सकल घरेलू उत्पाद के 4.3त्न पर सीमित है। महत्वपूर्ण बात यह है कि यह युवा भारतीयों की आकांक्षाओं को दर्शाता है, जिनके विचार प्रधानमंत्री के विकसित भारत युवा नेता संवाद के दौरान साझा किए गए थे और उन्हें राष्ट्रीय नीति निर्माण में जगह मिली है। यह विकास सिफ दफ्तरों में नहीं, बल्कि नागरिकों के साथ बातचीत के जरिए आकार दिया गया है।3 कर्तव्यों से प्रेरित और हमारे युवाओं की आकांक्षाओं से निर्देशित, यह बजट विकास और समावेश, महत्वाकांक्षा और करुणा के बीच संतुलन बनाता है। पहला कर्तव्य आर्थिक विकास को तेज करने और बनाए रखने पर केंद्रित है, जो एक विकसित अर्थव्यवस्था की नींव रखेगा। 10,000 करोड़ का बायोफार्मा मिशन, सेमीकंडक्टर मिशन 2.0, और महत्वपूर्ण खनिजों, केमिकल मैन्युफैक्चरिंग, कंटेनर उत्पादन और मेगा टेक्सटाइल पार्क को मजबूत करने के उपाय घरेलू उद्योग को बढ़ावा देंगे और आयात पर निर्भरता कम करेंगे। ये दूरदर्शी क्षेत्र भारत को वैश्विक अर्थव्यवस्था में मजबूती से स्थापित करते हैं।इंफ्रास्ट्रक्चर विकास का इंजन

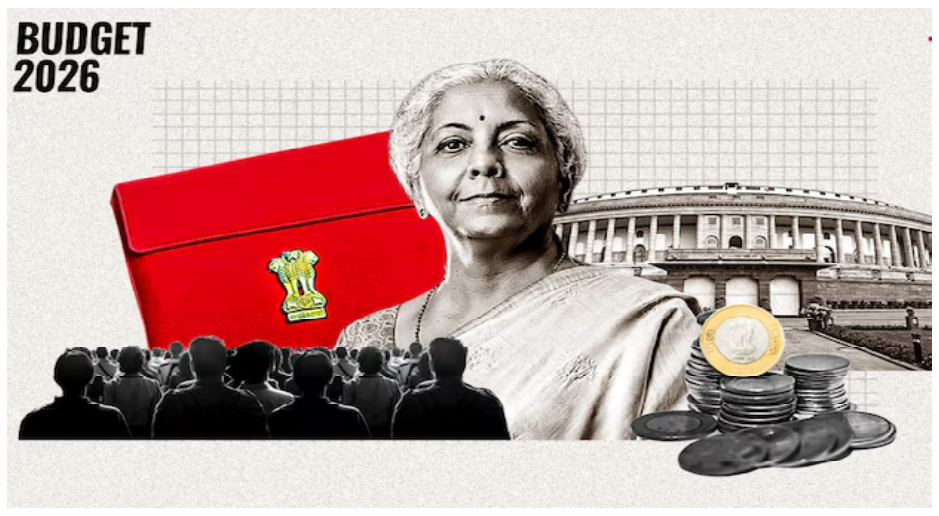

को एक बड़ा बढ़ावा मिला है, जिसमें फ्रेट कॉरिडोर, जलमार्ग और मल्टीमॉडल कनेक्टिविटी के विस्तार के लिए सार्वजनिक पूंजीगत व्यय में 12.2 लाख करोड़ का प्रावधान है। शहरी आर्थिक क्षेत्र, हाई—स्पीड रेल कॉरिडोर और म्युनिसिपल बॉन्ड प्रोत्साहन शहरों को उत्पादकता के केंद्र बनाएंगे, लॉजिस्टिक्स लागत कम करेंगे, निवेश आकर्षित करेंगे और बड़े पैमाने पर रोजगार पैदा करेंगे।दूसरा कर्तव्य लोगों के सशक्तिकरण को प्राथमिकता देता है। हेल्थकेयर संस्थानों में निवेश, संबद्ध स्वास्थ्य कार्यबल का विस्तार, और बुजुर्गों की देखभाल सेवाएं सामाजिक बुनियादी ढांचे को मजबूत करती हैं। यूनिवर्सिटी टाउनशिप और हर जिले में महिलाओं के हॉस्टल जैसी शिक्षा पहल पहुंच और सुरक्षा में सुधार करती हैं, जबकि पर्यटन, विरासत विकास और खेलो इंडिया मिशन युवाओं के लिए नए अवसर खोलते हैं।तीसरा कर्तव्य, सबका साथ, सबका विकास के मार्गदर्शन में, समावेशी विकास सुनिश्चित करता है। किसानों को मत्स्य पालन, पशुधन और उच्च मूल्य वाली कृषि के साथ—साथ जल निकायों के विकास के माध्यम से सहायता मिलती है। मानसिक स्वास्थ्य देखभाल में निवेश और पूर्वी और पूर्वोत्तर क्षेत्रों के लिए केंद्रित पहल संतुलित क्षेत्रीय प्रगति को बढ़ावा देती हैं। यह दृष्टिकोण सुनिश्चित करता है कि भारत की विकास यात्रा में कोई भी समुदाय या क्षेत्र पीछे न छूटे।छत्तीसगढ़ के लिए यह बजट अवसरों का एक नया अध्याय खोलता है। भारत को ग्लोबल बायोफार्मा मैन्युफैक्चरिंग हब बनाने के लिए प्रस्तावित ?10,000 करोड़ के निवेश से राज्य को फायदा होगा, जिससे राज्य में निवेश, रिसर्च और हाई—क्वालिटी नौकरियों के अवसर आएंगे। इंडिया सेमीकंडक्टर मिशन 2.0 में शामिल होने से छत्तीसगढ़ एडवांस्ड टेक्नोलॉजी मैन्युफैक्चरिंग के लिए एक महत्वपूर्ण केंद्र के रूप में उभरने में मदद मिलेगी। प्रोसेसिंग यूनिट्स स्थापित करके, राज्य ओडिशा के साथ मिलकर रेयर मेटल कॉरिडोर से रणनीतिक और औद्योगिक रूप से भी लाभ उठा सकता है।टेक्सटाइल सेक्टर में पहल — जिसमें नेशनल फाइबर मिशन, टेक्सटाइल विस्तार और रोजगार योजना, और मेगा टेक्सटाइल पार्क शामिल हैं — छत्तीसगढ़ के पारंपरिक शिल्प, हथकरघा, खादी और आधुनिक टेक्सटाइल उद्योगों को नई गति देंगे। महात्मा गांधी ग्राम स्वराज पहल ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करेगी और स्थानीय कारीगरों की आय बढ़ाएगी। एमएसएमई के लिए बजटीय सहायता यह सुनिश्चित करेगी कि राज्य में छोटे और मध्यम उद्यमों को अधिकतम लाभ मिले, जिससे स्वरोजगार और स्थानीय उद्योगों को बढ़ावा मिलेगा। कार्बन कैप्चर, यूटिलाइजेशन और स्टोरेज के लिए 20,000 करोड़ का प्रावधान छत्तीसगढ़ को अपने समृद्ध वन संसाधनों को कार्बन क्रेडिट ट्रेडिंग के जरिए आर्थिक लाभ में बदलने का अवसर देता है। शिक्षा के क्षेत्र में, राज्य में कम से कम एक यूनिवर्सिटी टाउनशिप की स्थापना और हर जिले में एक महिला छात्रावास उच्च शिक्षा, महिला सशक्तिकरण और सामाजिक समावेश को मजबूत करेगा। हर जिले में ट्रॉमा सेंटर की स्थापना, बुजुर्गों की देखभाल सेवाओं का विस्तार, और राज्य में एक अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान स्थापित करने के प्रयासों के माध्यम से स्वास्थ्य सेवा के बुनियादी ढांचे को मजबूत किया जाएगा।

टियर—2 और टियर—3 शहरों में कॉर्पोरेट फैसिलिटेटर की शुरुआत से स्थानीय युवाओं के लिए रोजगार के नए अवसर पैदा होंगे और स्किल डेवलपमेंट को बढ़ावा मिलेगा।

आज का राशिफल

मेष राशि—
आज का दिन आपके लिए अनुकूल रहने वाला है। आज किसी नए काम को शुरू करने से पहले पूरी योजना बनाएंगे और साथ ही माता—पिता से सलाह लेंगे।

वृष राशि—
आपके लिए आज का दिन शुभ है। आज आप कामकाज निपटाने में बहुत हद तक सफल रहेंगे। अपनी तरफ से हर मामले पर आपको सकारात्मक रहना होगा।

मिथुन—
आज का दिन मिली—जुली प्रतिक्रिया देने वाला रहेगा। आज भाई या बहन से आपकी फोन पर बात होगी, जिससे आपको अच्छा लगेगा। दाम्पत्य जीवन में मधुरता बनी रहेगी।

कर्क राशि—
आज का दिन आपके लिए आपके लिए उत्तम रहने वाला है। आज शांति से कामकाज निपटाने की कोशिश करें। आज पुरानी देनदारी निपटा सकते हैं।

सिंह राशि—
आज आपका दिन आपके अनुकूल रहेगा। आपके कोर्ट—कचहरी के मामले कुछ समय के लिए रुक सकते है, लेकिन समय रहते सब ठीक होगा।

कन्या राशि—
आज आपका दिन उत्तम रहेगा। आपको किसी के मामलों में दखल देने से बचना चाहिए। किसी बड़े प्रोजेक्ट में पैसा लगाने की सोच रहे हैं, तो पहले किसी अनुभवी व्यक्ति से सलाह जरूर ले।

तुला राशि—
आज का दिन आपके लिए अच्छा होने वाला है। आज धार्मिक गतिविधि में शामिल होने के योग बन रहे हैं। आज किसी मामले में दूसरों के साथ बातचीत या सलाह करने से फायदा होगा।

वृश्चिक राशि—
आज का दिन आपके अनुकूल रहेगा। आज रोजमर्रा के कामों में आपको ज्यादा समय लग सकता है। आज आपको कारोबार में पैसा लगाने से पहले बड़ो की राय लेना बेहतर साबित होगा।

धनु राशि—
आज आपका दिन अच्छा रहेगा। आज जो भी काम शुरु करेंगे वे काम समय पर पूरा हो जायेंगे। आपको करियर से संबंधित नए अवसर मिलेंगे। नयें व्यापार को शुरू करने में बड़े भाई का सहयोग मिलेगा।

मकर राशि—
आज आपका दिन शानदार रहेगा। परिवार के सामने आपको अपनी राय रखने का पूरा मौका मिलेगा, आपकी योजना से लोग काफी प्रभावित होंगे। आपका आर्थिक पक्ष मजबूत रहेगा।

कुंभ राशि—
आज आपका मन नई उमंगों से भरा रहेगा। सभी आपसे राय लेना चाहेगा। ऑफिस के लोगों में आपका रुतबा बनेगा। किसी विशेष व्यक्ति से आज आपकी बात हो सकती है।

मीन राशि—
आज आपका दिन फेवरेबल रहेगा। आज घर के बडों की मदद से आपका जरूरी काम पूरा हो जायेगा। किसी रिश्तेदार से आपको अच्छी खुशखबरी मिलेगी। जीवनसाथी आज आपकी हर बात समझने की कोशिश करेंगे, इससे रिश्ते में नयापन आयेगा।

हिंदू सम्मेलन में सामाजिक समरसता, कुटुंब प्रबोधन व राष्ट्र कर्तव्यों पर हुआ मंथन

अयोध्या। जनपद के मसौधा ब्लाक में आयोजित हिंदू सम्मेलन में समाज, संस्कृति, पर्यावरण और राष्ट्र निर्माण से जुड़े विषयों पर गहन विचार–विमर्श हुआ। सम्मेलन का उद्देश्य हिंदू समाज को संगठित कर समरस, स्वाभिमानी और कर्तव्यनिष्ठ भारत के निर्माण की दिशा में प्रेरित करना रहा। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में समाज के विभिन्न वर्गों की सहभागिता रही।

सम्मेलन के मुख्य वक्ता आनंद सोनी ने अपने उद्बोधन में कहा कि "हिंदू धर्म कोई संकीर्ण पूजा पद्धति नहीं, बल्कि जीवन जीने की एक समग्र कला है।" उन्होंने कहा कि विश्व शांति और मानव कल्याण के लिए भारत में हिंदू समाज का एकजुट रहना आज नितांत आवश्यक है। उन्होंने स्पष्ट किया कि यदि भारत एक शरीर है तो हिंदू उसकी आत्मा है और यह संबंध सनातन काल से चला आ रहा है। कार्यक्रम में वक्ता राष्ट्र सेविका समिति खंड कार्यवाहिकी रूपा पाठक जी ने सामाजिक समरसता पर विचार रखते हुए कहा कि "एक पनघट और एक मरघट पर सभी भेद समाप्त हो जाते हैं, यही समरसता का वास्तविक स्वरूप है।" उन्होंने कहा कि भारत में जन्म लेना हमारा सौभाग्य है और प्रत्येक परिवार को वर्ष में कम से कम एक बार धार्मिक स्थलों की यात्रा अवश्य करनी चाहिए। उन्होंने मातृशक्ति की भूमिका को रेखांकित करते हुए कहा कि परिवार को एकजुट रखने और धार्मिक–सांस्कृतिक संस्कार देने में महिलाओं की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। प्रत्येक घर में ओम और स्वस्तिक जैसे सांस्कृतिक प्रतीकों का सम्मान, तुलसी का पौधा, स्वदेशी परिधान और मातृभाषा में संवाद होना चाहिए। उन्होंने भोजन के समय मोबाइल के स्थान पर पारिवारिक संवाद को प्राथमिकता देने, परिवार के साथ धार्मिक यात्राएँ करने और प्रातःकाल धरती माता के चरण स्पर्श जैसे संस्कारों को जीवन में अपनाने का आग्रह किया। डॉ. हेडगेवार के विचारों का उल्लेख करते हुए समाजसेवी सरदार भीम सिंह ने कहा कि भारत के गुलाम होने के मुख्य कारण समाज की आत्मविस्मृति, संगठन और अनुशासन का अभाव तथा स्वाभिमान की कमी रहे हैं। उन्होंने आह्वान किया कि आज आवश्यकता है स्वदेशी अपनाने की, अपनी भाषा और संस्कृति पर गर्व करने की तथा राष्ट्र के प्रति कर्तव्यों को समझने की। सम्मेलन में वक्ताओं ने कहा कि संघ ने उपेक्षा, विरोध और संघर्ष के अनेक दौर देखे हैं, फिर भी वह निरंतर समाज सेवा और राष्ट्र निर्माण के मार्ग पर आगे बढ़ता रहा है। भविष्य के भारत के निर्माण के लिए पंच परिवर्तन को आधार बनाकर कार्य करने का आह्वान किया गया। कार्यक्रम का समापन इस संदेश के साथ हुआ कि हिंदुत्व मानवता, करुणा, प्रकृति संरक्षण और विश्व कल्याण पर आधारित एक सनातन विचारधारा है। संगठित, स्वाभिमानी और संस्कारयुक्त समाज ही भारत को पुनः विश्वगुरु बनाने की दिशा में अग्रसर कर सकता है। कार्यक्रम का संचालन पुष्कर दत्त तिवारी द्वारा किया गया, जबकि आभार प्रदर्शन श्री खंड कार्यवाह अरुण तिवारी ने किया।

महिला जनसुनवाई एवं निरीक्षण कार्यक्रम 4 फरवरी को

कुशीनगर, (आरएनएस)। उ.प्र. राज्य महिला आयोग के निर्देश पर महिला उत्पीड़न की रोकथाम तथा पीड़ित महिलाओं को त्वरित न्याय दिलाने के उद्देश्य से कल 04 फरवरी को जनपद में महिला जनसुनवाई एवं भ्रमण, निरीक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा।उक्त जानकारी देते हुए जिला प्रोबेशन अधिकारी ने बताया कि कार्यक्रम की अध्यक्षता उ.प्र. राज्य महिला आयोग की सदस्य श्रीमती जनक नंदिनी द्वारा की जाएगी। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार प्रातः 09ऋ00 बजे सर्किट हाउस, पड़रौना में विभागीय अधिकारियों के साथ बैठक आयोजित की जाएगी। इसके पश्चात 09ऋ30 बजे महिला अस्पताल (पीएचसी/सीएचसी) का निरीक्षण किया जाएगा। पूर्वाह्न 11ऋ00 बजे से तहसील सभागार सदर पडरौना में महिला जनसुनवाई का आयोजन होगा। जहां महिला उत्पीड़न से संबंधित मामलों की सुनवाई की जाएगी। इसके उपरांत 12ऋ30 बजे वन स्टॉप सेंटर का निरीक्षण, 02ऋ00 बजे पिंक बूथ का अवलोकन तथा 02ऋ30 बजे कसया ब्लॉक में जागरूकता जन चौपाल, आंगनबाड़ी केंद्रों पर गोद भराई एवं अन्नप्राशन कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। वहीं 03ऋ30 बजे कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय का निरीक्षण प्रस्तावित है। महिला जनसुनवाई में जिलाधिकारी द्वारा नामित वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक द्वारा नामित प्रतिनिधि, संबंधित क्षेत्राधिकारी, महिला थानाध्यक्ष, जिला कार्यक्रम अधिकारी, जिला प्रोबेशन अधिकारी सहित अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहेंगे। जनसुनवाई के दौरान प्राप्त शिकायतों की समीक्षा कर उनके समयबद्ध एवं प्रभावी निस्तारण के निर्देश दिए जाएंगे।

माय भारत बजट क्विज 2026 आन लाइन प्रतियोगिता का किया गया शुभारंभ

कुशीनगर, (आरएनएस)। मेरा युवा भारत, युवा कार्य एवं खेल मंत्रालय भारत सरकार के अंतर्गत संचालित युवाओं की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करने के उद्देश्य से मेरा युवा भारत बजट क्विज 2026 प्रतियोगिता का आयोजन किया जायेगा।उक्त जानकारी देते हुये जिला युवा अधिकारी ने बताया कि इस राष्ट्रीय स्तर के कार्यक्रम का उद्देश्य युवाओं को केंद्रीय बजट 2026 से जोड़ना, उनकी आर्थिक एवं नीतिगत समझ को सशक्त बनाना तथा विकसित भारत /2047 के विजन में उनकी भागीदारी सुनिश्चित करना है। कार्यक्रम के अंतर्गत प्रथम चरण में एक ऑनलाइन क्विज प्रतियोगिता आयोजित की जा रही है। क्विज में सफल प्रति भागियों को द्वितीय चरण में चयनित 8 विषयों पर निबंध लेखन का अवसर प्रदान किया जाएगा। यह विषय बजट, युवा सशक्तिकरण, रोजगार, शिक्षा, नवाचार, आत्मनिर्भर भारत एवं राष्ट्रीय विकास से संबंधित होंगे। निबंध प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विजेताओं को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ वर्चुअल संवाद में शामिल होने का विशेष अवसर प्राप्त होगा। जहाँ युवा अपने विचार सीधे देश के सर्वोच्च नेतृत्व के समक्ष साझा कर सकेंगे। मेरा युवा भारत बजट क्विज का आयोजन आज 3 फरवरी से 17 फरवरी तक ऑनलाइन माध्यम से किया जाएगा। देशभर के युवा मेरा युवा भारत पोर्टल पर पंजीकरण कर इस क्विज प्रतियोगिता अभियान में भाग ले सकते हैं। यह पहल युवाओं में नेतृत्व क्षमता, रचनात्मक सोच एवं राष्ट्रीय नीतियों के प्रति जागरूकता को बढ़ावा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने कहा कि मेरा युवा भारत सभी युवाओं से आह्वान करता है कि वे अधिक से अधिक संख्या में इस अभियान से जुड़ें और राष्ट्र निर्माण [illegible]

सामाजिक विज्ञान के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य के लिए डा. अमित कुमार सौरभ को मिली फेलोशिप

अयोध्या।डॉक्टर अमित कुमार सौरभ को देश के जाने–माने संस्थान इंडियन काउंसिल आफ सोशल साइंस रिसर्च आईसीएसएसआर (भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद) नई दिल्ली द्वारा सामाजिक विज्ञान के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने के लिए फेलोशिप प्रदान की गई। इस संस्थान की स्थापना भारत सरकार द्वारा 1969 में की गई थी। इस संस्थान का मुख्य उद्देश्य देश में सामाजिक विज्ञान के क्षेत्र में रिसर्च को बढ़ावा देना तथा उसे वित्त पोषित (फंडिंग) करना है। यह संस्थान भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय (मिनिस्ट्री आफ एजुकेशन) के अधीन एक स्वायत्त निकाय के रूप में कार्य करता है। उच्च शिक्षा के क्षेत्र में टाटा इंस्टीट्यूट आफ सोशल साइंसेज, मुंबई से पोस्ट ग्रेजुएशन आईआईटी बॉम्बे से एम.फिल. और पी.एच.डी. जैसी उच्च उपाधियों के पश्चात दो पुस्तकों के प्रकाशन और लगभग आधा दर्जन रिसर्च पेपर्स के प्रकाशन के बाद आईसीएसएसआर द्वारा प्रदान की गई यह फेलोशिप उनके एकेडमिक कैरियर की एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। डॉ अमित कुमार सौरभ के समाजसेवी आरजे यादव बीएसएनएल विभाग से आफिस सुपरिटेंडेंट के पद से सेवानिवृत्त है। 90 के दशक में आरजे यादव जननायक कांसीराम के संपर्क में आकर बामसेफ से जुड़े और उनके मिशन को आगे बढ़ाने का कार्य करते रहे। बाद में ट्रेड यूनियन के अध्यक्ष बने और नौकरी के साथ ही विभिन्न सामाजिक संगठनों से जुड़कर समाजसेवा का लंबा सफर तय किए। सेवानिवृत्त के बाद समाजसेवी आरजे यादव स्वाभिमान संस्थान के नाम से सामाजिक संगठन बनाकर समाजिक कार्यों में अग्रणी भूमिका अदा करते है। वर्तमान में अखण्ड नगर ब्लाक के चमरूपुर में निशुल्क सौरभ कोचिंग सेंटर का संचालन करके क्षेत्र में शिक्षा की अमिट ज्योति जला रहे है। डॉ अमित की माता श्रीमती कुसुमावती कुशल ग्रहणी है एवं पत्नी श्रीमती नेहा यादव भारतीय स्टेट बैंक में मैनेजर के पद पर कार्यरत है।

श्रीराम अस्पताल के फार्मासिस्ट को पुलिस ने हिरासत में लेकर की पूंछताछ

-अपहरण व हत्या मामले में बताया जा रहा संदिग्ध

-बस्ती जनपद के पकौली थाना क्षेत्र की घटना से जुड़ा है मामला

अयोध्या। श्रीराम अस्पताल में कार्यरत फार्मासिस्ट रामप्रीत वर्मा को बस्ती पुलिस ने हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है। बताया जा रहा है कि एक सप्ताह पूर्व दर्ज अपहरण व हत्या के प्रयास के मामले में जांच के क्रम में यह कार्रवाई की गई है। मामला पड़ोसी जनपद बस्ती के पकौली थाना क्षेत्र से संबंधित है, जहां दर्ज मुकदमे में रामप्रीत संदिग्ध के रूप में सामने आया है। जानकारी के अनुसार, पुलिस टीम सोमवार तड़के करीब चार बजे अयोध्या स्थित उनके आवास पर पहुंची और उन्हें हिरासत में लेकर पूछताछ के लिए साथ ले गई। इसके बाद पुलिस ने श्रीराम अस्पताल पहुंचकर उनके कार्यालय और आसपास के स्थानों पर भी जांच–पड़ताल की। अपहरण में प्रयुक्त टाटा नेक्सन कार रामप्रीत वर्मा की निशानदेही पर बरामद की गई है, जिसे पुलिस ने कब्जे में ले लिया है। बताया जा रहा है कि इस मामले में उनके दामाद पर अपहरण और हत्या के प्रयास के गंभीर आरोप हैं। पुलिस पूरे घटनाक्रम की कड़ियों को जोड़ते हुए वर्मा से पूछताछ कर रही है। फिलहाल मामले की जांच जारी है और पुलिस तथ्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई करेगी।

कर्पूरी ठाकुर ने शोषितों-वंचितों की लड़ाई लड़ी - प्रेम बहादुर शर्मा

–भारत रत्न कर्पूरी ठाकुर की जयंती व समाज जागरूकता कार्यक्रम का हुआ आयोजन

मिल्कीपुर–अयोध्या ।विकासखंड मिल्कीपुर के ग्राम पंचायत मेहदौना में उम्मीद किरण सेवा संस्थान के तत्वाधान में जननायक भारत रत्न कर्पूरी ठाकुर की जयंती एवं समाज जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया।मुख्य अतिथि एडवोकेट प्रेम बहादुर शर्मा ने कहा कि बिहार के मुख्यमंत्री के रूप में कर्पूरी ठाकुर का कार्यकाल शोषितों और वंचितों को समर्पित था। मुख्यमंत्री रहते हुए उन्होंने पिछड़ा वर्ग को 12 प्रतिशत आरक्षण देकर उन्हें समाज की मुख्य धारा में लाने का महत्वपूर्ण कार्य किया। विशिष्ट अतिथि अम्बेडकरनगर से आए समाजसेवी महेश शर्मा ने कहा कि भारत रत्न कर्पूरी ठाकुर स्वयं पिछड़े समाज से आते थे और उन्होंने जीवन भर समाज के अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्तियों के अधिकारों के लिए संघर्ष किया।कार्यक्रम को डॉ एचसी शर्मा, धर्मेंद्र शर्मा, प्रिंस शर्मा, जितेंद्र कुमार शर्मा, देवी प्रसाद नन्द, सूरज शर्मा, अनिल शर्मा, विनय शर्मा आदि ने भी संबोधित किया। कार्यक्रम का संचालन लाल चन्द्र चौरसिया ने तथा अध्यक्षता श्रवण कुमार शर्मा ने किया। इस अवसर पर योगेश शर्मा, इंद्रजीत शर्मा, राहुल शर्मा, सीताराम शर्मा, राजू कुमार, अमित शर्मा, वंश बहादुर शर्मा, विजय शर्मा, सालिक राम शर्मा, दिवाकर सेन, घनश्याम चौहान, नितिन प्रताप शर्मा, फागू लाल, हजारी लाल, राजन शर्मा, मिंटू शर्मा, ऊषा देवी, रामदीन सहित नाई समाज के लोग बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

एसआईआर फार्म भरने को लेकर उप जिला निर्वाचन अधिकारी ने जारी किया निर्देश

कुशीनगर, (आरएनएस)। वर्तमान में चल रहे विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण कार्यक्रम के अंतर्गत मतदाता सूची से संबंधित फार्म–6, 6 क, 7 एवं 8 भरने की प्रक्रिया को लेकर उप जिलाधिकारी, जिला निर्वाचन अधिकारी वैभव मिश्रा ने नागरिकों को विस्तृत जानकारी दी है। उन्होंने बताया कि मतदाता सूची में नाम जोड़ने हेतु फार्म–6 के साथ घोषणा पत्र भरना अनिवार्य है। उप जिला निर्वाचन अधिकारी ने स्पष्ट किया है कि फार्म–6 में आवेदक का नाम एवं सही पता शुद्ध वर्तनी में, नवीनतम स्पष्ट फोटो तथा वर्तमान मोबाइल नंबर अंकित किया जाना आवश्यक है। आयु प्रमाण के लिए मान्य अभिलेख में आयु के प्रमाण हेतु आवेदक कोई एक अभिलेख संलग्न कर सकता है। सक्षम प्राधिकारी द्वारा जारी जन्म प्रमाण पत्र, आधार कार्ड, पैन कार्ड, ड्राइविंग लाइसेंस, हाईस्कूल अथवा इंटरमीडिएट प्रमाण पत्र, जिसमें जन्म तिथि अंकित हो, भारतीय पासपोर्ट अथवा जन्म तिथि के प्रमाण हेतु कोई अन्य वैध दस्तावेज। यदि उपरोक्त में से कोई भी अभिलेख उपलब्ध नहीं है, तो 18 से 21 वर्ष आयु वर्ग के आवेदकों को माता–पिता अथवा गुरु (तृतीय लिंग के संदर्भ में) के हस्ताक्षर युक्त शपथ पत्र (अनुलग्नक– 27) के साथ बूथ लेवल अधिकारी, सहायक निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी अथवा निर्वाचक रजिस्ट्री करण अधिकारी के समक्ष उपस्थित होना होगा। यदि माता–पिता जीवित न हों, तो ग्राम प्रधान, नगर निगम अथवा नगर पंचायत सदस्य द्वारा प्रदत्त आयु प्रमाण पत्र प्रस्तुत किया जा सकता है। वहीं 21 वर्ष अथवा उससे अधिक आयु के आवेदक केवल अपना घोषणा पत्र प्रस्तुत कर सकते हैं। निवास प्रमाण से संबंधित दस्तावेज में निवास प्रमाण हेतु पानी, बिजली अथवा गैस कनेक्शन का कम से कम एक वर्ष पुराना बिल, आधार कार्ड, राष्ट्रीयकृत या अनुसूचित बैंक अथवा डाकघर की वर्तमान पासबुक, भारतीय पासपोर्ट, राजस्व विभाग का भूमि स्वामित्व अभिलेख (किसान बही सहित), पंजीकृत किराया पट्टा विलेख अथवा पंजीकृत विक्रय विलेख मान्य होंगे। यदि कोई भी अभिलेख उपलब्ध न हो, तो निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी द्वारा स्थलीय सत्यापन कराया जाएगा। घोषणा पत्र में वर्ष 2003 की मतदाता सूची का विवरण अनिवार्य है। उप जिला निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि फार्म–6 के साथ दिए जाने वाले घोषणा पत्र में आवेदक को वर्ष 2003 की अंतिम मतदाता सूची में स्वयं अथवा माता–पिता, दादा–दादी या नाना–नानी में से किसी एक का विवरण, विधानसभा क्षेत्र संख्या, भाग संख्या एवं क्रम संख्या अंकित करनी होगी। यदि यह विवरण सही मैपिंग के साथ उपलब्ध है, तो आवेदक को कोई नोटिस निर्गत नहीं किया जाएगा। यदि विवरण उपलब्ध नहीं है अथवा डाटाबेस से मेल नहीं खाता है, तो नोटिस जारी किया जाएगा। नोटिस के उत्तर में प्रस्तुत किए जाने वाले 13 अभिलेख, नोटिस के उत्तर में जन्म तिथि अथवा जन्म स्थान के प्रमाण हेतु निम्न में से कोई एक अभिलेख प्रस्तुत करना अनिवार्य होगा। सरकारी कर्मचारी/पेंशनभोगी पहचान पत्र, 01 जुलाई 1987 से पूर्व जारी कोई पहचान पत्र, जन्म प्रमाण पत्र, भारतीय पासपोर्ट, शैक्षणिक प्रमाण पत्र, स्थायी निवास प्रमाण पत्र, वन अधिकार प्रमाण पत्र, जाति प्रमाण पत्र, राष्ट्रीय नागरिक रजिस्टर, परिवार रजिस्टर, सरकारी भूमि/मकान आवंटन प्रमाण पत्र, आधार संबंधी आयोग के निर्देशानुसार वैध दस्तावेज अथवा बिहार एसआईआर की मतदाता सूची का अंश (01 जुलाई 2025)। जन्म तिथि के अनुसार अतिरिक्त शर्तें, यदि आवेदक का जन्म 01 जुलाई 1987 से पूर्व भारत में हुआ है, तो उपरोक्त 13 में से कोई एक अभिलेख देना होगा। यदि जन्म 01 जुलाई 1987 से 02 दिसंबर 2004 के बीच हुआ है, तो स्वयं के साथ माता या पिता के जन्म प्रमाण से संबंधित अभिलेख भी देने होंगे। यदि जन्म 02 दिसंबर 2004 के बाद हुआ है, तो स्वयं, पिता एवं माता तीनों के जन्म तिथि/जन्म स्थान के प्रमाण प्रस्तुत करना अनिवार्य होगा। यदि अभिभावक में से कोई भारतीय नहीं है, तो जन्म के समय का वैध पासपोर्ट एवं वीजा प्रस्तुत करना होगा। भारत के बाहर जन्म की स्थिति में भारतीय मिशन द्वारा जारी जन्म पंजीकरण प्रमाण पत्र अथवा नागरिकता प्रमाण पत्र संलग्न करना आवश्यक होगा। ऑनलाइन व ऑफलाइन आवेदन की सुविधा में उप जिला निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि पात्र नागरिक भारत निर्वाचन आयोग के पोर्टल अवज. मते.मबप.हवअ.पद पर जाकर ऑनलाइन फार्म–6 (घोषणा पत्र सहित) भर सकते हैं। इसके अतिरिक्त ऑफलाइन फार्म भरकर आवश्यक अभिलेखों सहित संबंधित बीएलओ, सहायक निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी अथवा निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी को भी जमा किया जा सकता है। उन्होंने फार्म–7 से संबंधित निर्देश में कहा है कि नाम अपमार्जन हेतु फार्म–7 किसी पंजीकृत मतदाता द्वारा मृत्यु, अवयस्कता, स्थायी स्थानांतरण, दोहरे नामांकन अथवा नागरिकता से संबंधित कारणों के आधार पर भरा जा सकता है। आवेदन में संबंधित व्यक्ति का पूरा विवरण एवं प्रमाण देना अनिवार्य होगा। गलत जानकारी देने पर दंड का प्रावधान है।

जानकी घाट पर होगा विश्वमांगल्य सभा का प्रांत अधिवेशन

–7 व 8 फरवरी को होगा आयोजन, निकलेगी प्रभात फेरी व प्रदर्शनी

अयोध्या। शहर के नाका स्थित एक होटल सभागार में आयोजित प्रेस वार्ता में विश्वमांगल्य सभा की महासचिव प्रियंका शुक्ला ने बताया कि जानकी घाट पर 7 एवं 8 फरवरी को सभा का प्रांत अधिवेशन आयोजित किया जाएगा। इस दो दिवसीय अधिवेशन में महिला सशक्तिकरण, सांस्कृतिक जागरूकता और राष्ट्र निर्माण से जुड़े विभिन्न कार्यक्रम आयोजित होंगे। उन्होंने बताया कि विश्वमांगल्य

सभा देश में एक राष्ट्रीय स्तर के महिला जन संगठन के रूप में कार्य कर रही है। संस्था अपनी विशिष्ट कार्यपद्धति के माध्यम से भारत की समस्त महिलाओं को 'मां' की भावना के साथ एक सूत्र में जोड़ने का प्रयास कर रही है। मातृ निर्माण का यह कार्य समाज और राष्ट्र के भविष्य के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। सभा ने विश्व कल्याण की कामना के साथ भारत को सर्वोच्च ऐश्वर्य प्रदान करते हुए 'विश्व गुरु' के पद पर स्थापित करने का संकल्प लिया है।अधिवेशन के दौरान भारतीय जीवनचर्या पर आधारित प्रदर्शनी लगाई जाएगी। साथ ही जानकी घाट से लता चौक तक प्रभात फेरी निकाली जाएगी, जिसमें विभिन्न राज्यों की पारंपरिक वेशभूषा, लोकगीत और स्त्री शक्ति की ऐतिहासिक भूमिका को दर्शाती झांकियां प्रस्तुत की जाएंगी। शिक्षा, विज्ञान, संस्कृति, सामाजिक कार्य, कला, प्रशासन और स्वास्थ्य क्षेत्र से जुड़ी महिलाओं को सम्मानित भी किया जाएगा। कार्यक्रम में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के अखिल भारतीय प्रचारक स्वाति रंजन, भगवती बलदेव, राष्ट्रीय अध्यक्ष रेखा देवी खंडेलवाल, उपाध्यक्ष नलिनी हावरे, प्रशांत हरतालकर, वैशाली जोशी सहित कई प्रमुख अतिथि शामिल होंगे। इस अवसर पर जिला संयोजिका पूजा त्रिपाठी एवं अन्य पदाधिकारी उपस्थित रहे।

101 बटुकों का सामूहिक यज्ञोपवीत संस्कार 6 को

अयोध्या। श्री गुरु वसिष्ठ सेवा न्यास अयोध्या के संयोजन में 101 बटुकों का उपनयन संस्कार वैदिक विधि विधान पूर्वक श्री गुरु वसिष्ठ गुरुकुल विद्यापीठ वेद पाठशाला दर्शन नगर परिसर में आगामी 5 फरवरी को संपन्न होगा उक्त जानकारी गुरु वशिष्ठ गुरुकुल विद्यापीठ के निदेशक डॉ दिलीप सिंह वा यज्ञोपवीत संस्कार के संयोजक आचार्य दुखहरण नाथ मिश्रा ने संयुक्त प्रेस विज्ञप्ति में दी,गुरुकुल के निदेशक व न्यास के मंत्री डॉ दिलीप सिंह ने बताया कि यज्ञोपवीत संस्कार में बतौर यजमान श्री गुरु वशिष्ठ सेवा न्यास के संरक्षक श्री राम बल्लभा कुंज के अधिकारी पूज्य राजकुमार दास, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के अखिल भारतीय अधिकारी वा विमर्श के राष्ट्रीय संयोजक मुकुल कानितकर वा न्यास के अध्यक्ष, महाराजा गंगा सिंह विश्वविद्यालय बीकानेर राजस्थान के कुलगुरु आचार्य मनोज दीक्षित होंगे,कार्यक्रम के संयोजक आचार्य दुःख हरण नाथ मिश्र के अनुसार यज्ञोपवीत संस्कार में सभी बटुकों के पूरे परिवार सहित उनके निकट संबंधियों, शिक्षा विद,गुरुकुल के सहयोगी, गुरुकुल प्रबंध समिति के सदस्य नगर के संभ्रांत नागरिको को आमंत्रित किया गया है।

कर्पूरी ठाकुर ने शोषितों-वंचितों की लड़ाई लड़ी-प्रेम बहादुर शर्मा

मिल्कीपुर–अयोध्या ।विकासखंड मिल्कीपुर के ग्राम पंचायत मेहदौना में उम्मीद किरण सेवा संस्थान के तत्वाधान में जननायक भारत रत्न कर्पूरी ठाकुर की जयंती एवं समाज जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया।मुख्य अतिथि एडवोकेट प्रेम बहादुर शर्मा ने कहा कि बिहार के मुख्यमंत्री के रूप में कर्पूरी ठाकुर का कार्यकाल शोषितों और वंचितों को समर्पित था। मुख्यमंत्री रहते हुए उन्होंने पिछड़ा वर्ग को 12 प्रतिशत आरक्षण देकर उन्हें समाज की मुख्य धारा में लाने का महत्वपूर्ण कार्य किया। विशिष्ट अतिथि अम्बेडकरनगर से आए समाजसेवी महेश शर्मा ने कहा कि भारत रत्न कर्पूरी ठाकुर स्वयं पिछड़े समाज से आते थे और उन्होंने जीवन भर समाज के अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्तियों के अधिकारों के लिए संघर्ष किया।कार्यक्रम को डॉ एचसी शर्मा, धर्मेंद्र शर्मा, प्रिंस शर्मा, जितेंद्र कुमार शर्मा, देवी प्रसाद नन्द, सूरज शर्मा, अनिल शर्मा, विनय शर्मा आदि ने भी संबोधित किया। कार्यक्रम का संचालन लाल चन्द्र चौरसिया ने तथा अध्यक्षता श्रवण कुमार शर्मा ने किया। इस अवसर पर योगेश शर्मा, इंद्रजीत शर्मा, राहुल शर्मा, सीताराम शर्मा, राजू कुमार, अमित शर्मा, वंश बहादुर शर्मा, विजय शर्मा, सालिक राम शर्मा, दिवाकर सेन, घनश्याम चौहान, नितिन प्रताप शर्मा, फागू लाल, हजारी लाल, राजन शर्मा, मिंटू शर्मा, ऊषा देवी, रामदीन सहित नाई समाज के लोग बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

अविमुक्तेश्वरानंद को अयोध्या में न घुसने देने की दी चेतावनी

अयोध्या। शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद को लेकर विवाद तेज होता जा रहा है। रामनगरी अयोध्या के तपस्वी छावनी पीठाधीश्वर जगद्गुरु परमहंस आचार्य ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के समर्थन में अविमुक्तेश्वरानंद के लिए चेतावनी जारी की है। उन्होंने शंकराचार्य को अयोध्या में प्रवेश न करने देने की चेतावनी जारी की है। जगद्गुरु परमहंस आचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद द्वारा मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ पर की गई कथित अभद्र टिप्पणियों से नाराज हैं। परमहंस आचार्य का कहना है कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को औरंगजेब और हुमायूं का बेटा कहना अत्यंत निंदनीय है। यह एक संत को शोभा नहीं देता। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ सनातन धर्म और उत्तर प्रदेश के हित में लगातार काम कर रहे हैं। इस तरह की भाषा अस्वीकार्य है। जब तक स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद अपने शब्द वापस नहीं लेते और सीएम योगी से क्षमा नहीं मांगते, तब तक उन्हें अयोध्या में प्रवेश नहीं करने दिया जाएगा। यह भी आरोप लगाया कि स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद का गाय को लेकर चल रहा आंदोलन राजनीति से प्रेरित है और विपक्ष को लाभ पहुंचाने के उद्देश्य से किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि गाय को राष्ट्र माता घोषित करने की मांग के बावजूद बछड़ा और बैल के वध पर पूर्ण प्रतिबंध नहीं लगाया जा सका है। परमहंस आचार्य ने केंद्र और राज्य सरकार से गोवंश को राष्ट्रीय धरोहर घोषित करने और पूर्ण रूप से गौहत्या पर प्रतिबंध लगाने की मांग की है। साथ ही ग्रामस्तर पर गौरक्षा के लिए ठोस व्यवस्था किए जाने की अपील की। जगद्गुरु परमहंस आचार्य ने कहा कि भगवा पहनकर इस तरह की टिप्पणी करना पूरे संत समाज का अपमान है। जब तक स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद अपने शब्द वापस नहीं लेते, तब तक सभी सनातनी उनका बहिष्कार करें।

नेशनल मास्टर्स गेम्स में पदक विजेता खिलाड़ियों का हुआ सम्मान

अयोध्या। बीते दिनों 27 से 31 जनवरी तक पुणे (महाराष्ट्र) में आयोजित नेशनल मास्टर्स गेम्स शूटिंग प्रतियोगिता में देशभर से लगभग 600 खिलाड़ियों ने प्रतिभाग किया। इस प्रतिष्ठित प्रतियोगिता में उत्तर प्रदेश के अयोध्या जिले के खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए जिले व प्रदेश का नाम रोशन किया। अयोध्या के करुणाकर दुबे, राजेंद्र गुप्ता एवं अमित श्रीवास्तव ने प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए गोल्ड व सिल्वर पदक अर्जित किए। खिलाड़ियों की इस उल्लेखनीय उपलब्धि के परिणामस्वरूप अयोध्या जिले को कुल तीन पदक प्राप्त हुए।इस सफलता पर अयोध्या मंडल के मंडलायुक्त राजेश कुमार ने सभी विजेता खिलाड़ियों को सम्मानित किया। उन्होंने खिलाड़ियों के उत्कृष्ट प्रदर्शन की सराहना करते हुए उनके कोच सनी कुमार वर्मा के प्रशिक्षण की भी प्रशंसा की। मंडलायुक्त ने कहा कि अयोध्या से अब लगातार खेलों में पदक आने की शुरुआत हो चुकी है, जो जिले के लिए गर्व की बात है।अपने संबोधन में राजेश कुमार जी ने कहा कि वह दिन दूर नहीं जब अयोध्या के खिलाड़ी ओलंपिक जैसी अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में भी प्रतिभाग कर देश का नाम रोशन करेंगे। उन्होंने सभी खिलाड़ियों को उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं।

आर्द्रभूमि के संरक्षण की पहल ग्लोबल वार्मिंग को करेगी कम-डा. बिजेंद्र सिंह

अयोध्या। डॉ. राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय परिसर के एनसीसी कैडेट्स ने विश्व आर्द्रभूमि दिवस के अवसर पर एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन कुलपति कर्नल डॉ. बिजेंद्र सिंह के निर्देशन में चलाया गया। इस अवसर पर कैडेट्स ने पर्यावरण संरक्षण का संदेश देते हुए वृक्षारोपण तथा साफ–सफाई किया। कार्यक्रम का उद्देश्य पर्यावरण संरक्षण के महत्व को समझाना और लोगों को पर्यावरण के प्रति जागरूक करना था। कुलपति ने विश्व आर्द्रभूमि दिवस पर अपने संदेश में कहा कि आर्द्रभूमियाँ कार्बन को सोखने में जंगलों से भी अधिक प्रभावी होती हैं।' पीटलैंड्स' दुनिया के सभी जंगलों की तुलना में दोगुना कार्बन स्टोर करते हैं। इनका संरक्षण ग्लोबल वार्मिंग को कम करने में मदद करता है। आर्द्रभूमियाँ स्पंज की तरह काम करती हैं, जो भारी बारिश के दौरान अतिरिक्त पानी को सोख लेती हैं और बाढ़ के खतरे को कम करती हैं। इस तरह के स्थल भूजल को रिचार्ज करने का मुख्य स्रोत हैं, जिससे हमें पीने का पानी मिलता है। कंपनी कमांडर कैप्टन प्रो० शैलेंद्र कुमार वर्मा के नेतृत्व में एनसीसी कैडेट्स ने विश्व आर्द्रभूमि दिवस पर जलाशयों के निकट वृक्षारोपण कर साफ सफाई के संदेश से लोगों को पर्यावरण संरक्षण के लिए प्रेरित किया।

सभी सहयोग से पारदर्शिता के साथ त्रुटिरहित मतदाता सूची बनाना निर्वाचन आयोग का उद्देश्य -मण्डलायुक्त

मीरजापुर। भारत निर्वाचन आयोग के दिशा निर्देश के अनुपालन में अर्हता तिथि 1 जनवरी 2026 के आधार पर विधानसभा मतदाता सूची विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण–2026 के दृष्टिगत आज कलेक्ट्रेट सभागार में रोल आब्जर्वर, मण्डलायुक्त विन्ध्याचल मण्डल राजेश प्रकाश ने जिला निर्वाचन अधिकारी पवन कुमार गंगवार सहित मान्यता प्राप्त राजनैतिक दलों के पदाधिकारियों, प्रतिनिधियों एवं समस्त निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारियों के साथ बैठक कर एसआईआर के दौरान राजनैतिक दलो के समक्ष आने वाले दिक्कतों एवं शिकायतों को गम्भीरता पूर्वक सुनते हुए सम्बन्धित अधिकारियो को आवश्यक दिशा निर्देश दिया। बैठक में विधायक छानबे रिंकी कोल के अलावा जिलाध्यक्ष समाजवादी पार्टी देवी प्रसाद चौधरी, जिलाध्यक्ष बासपा अलगू राम भारती, जिला उपाध्यक्ष सद्दाम राईन, मण्डल अध्यक्ष भाजपा सुरेश सिंह, विभू कुमार, इस्तियाक खान कांग्रेस पार्टी, मीडिया प्रभारी भारतीय जनता पार्टी ज्ञान प्रकाश दूबे, राकेश बिन्द, पूर्व विधायक राष्ट्रीय कांग्रेस पार्टी भगवती प्रसाद चौधरी, प्रवक्ता कांग्रेस पार्टी छोटे खान, जिला अध्यक्ष युवा मोर्चा अपना दल एस उदय सिंह पटेल, प्रदेश सचिव आम आदमी पार्टी रमाशंकर साहू, प्रदेश उपाध्यक्ष आम आदमी पार्टी सुनील कुमार पाण्डेय, इन्द्र बहादुर, विकास कुमार सिंह, रामसागर राव, चन्दन यादव सहित अन्य दलों के प्रतिनिधि उपस्थित रहें। बैठक में मण्डलायुक्त ने सभी सम्बन्धित अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि समस्त बीएलओ को बूथो पर उपस्थिति सुनिश्चित कराए तथा अधिक से अधिक पात्रता वाले व्यक्तियो को फार्म–6 भरवाना सुनिश्चित करवाए जिससे अर्ह मतदाता का नाम सूची में शामिल हो सकें। उन्होंने कहा कि फार्म–6, 7 व 8 बीएलओ के पास पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध रहे ताकि किसी को किसी प्रकार की कठिनाई का सामना न करना पड़े। मण्डलायुक्त ने कहा कि सभी सम्बन्धित अधिकारी राजनैतिक दलों के पदाधिकारियों, प्रतिनिधियों व उनके द्वारा नियुक्त बूथ लेबल एजेंटो का भरपूर सहयोग लेते हुए पारदर्शिता के साथ त्रुटिरहित मतदाता सूची बनाए यहीं भारत निर्वाचन आयोग का मूल उद्देश्य है। उन्होंने कहा कि बैठक में उपस्थित विभिन्न दलों के प्रतिनिधियों के द्वारा उठाए गए बिन्दुओं पर विशेष ध्यान देते हुए समाधान कराना भी सुनिश्चित कराए। जिला निर्वाचन अधिकारी पवन कुमार गंगवार ने रोल आब्जर्वर को जानकारी देते हुए बताया कि भारत निर्वाचन आयोग के दिशा निर्देश पर उचित प्रक्रिया के तहत ही कार्य कराया जा रहा है। उन्होंने बताया कि जनपद में 1344 मतदान केन्द्रों के 2258 मतदेय स्थलो पर बीएलओ की नियुक्ति की गई है। उन्होंने बताया कि मतदेय 2258 मतदेय स्थलों के सापेक्ष विभिन्न राजनैतिक दलों के द्वारा बूथ लेबल एजेंट नियुक्त है जिसमें भारतीय जनता पार्टी के 2143, समाजवादी पार्टी के 2143, अपना दल एस के 2143, बहुजन समाज पार्टी के 2143, इंडियन नेशनल कांग्रेस पार्टी 1698, आम आदमी पार्टी के 689 इस प्रकार कुल 10950 बूथ लेबल एजेंटो का भी सहयोग बीएलओ के द्वारा प्राप्त किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण अवधि में अभी तक डिजिटाइजेशन के 79786 फार्म–6, 1101 फार्म–7, 11975 फार्म–8 प्राप्त हुए है। जिला निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि अनमैप्ड मतदाताओं को नोटिस जारी कर सुनवाई का कार्य भी किया जा रहा है। जिला निर्वाचन अधिकारी ने कहा कि विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण का कार्य पूर्णतया भारत निर्वाचन आयोग के दिशा निर्देश व समय–समय पर जारी शासनादेश के अनुसार सम्पन्न कराया जा रहा है, समय–समय पर राजनैतिक दलो के प्रतिनिधियों, पदाधिकारियों के बैठक कर उन्हें वस्तुस्थिति से अवगत भी कराया जा रहा है। बैठक में उप जिला निर्वाचन अधिकारी अजय कुमार सिंह, नगर मजिस्ट्रेट अविनाश सिंह, उप जिलाधिकारी लालगंज महेन्द्र सिंह, सदर गुलाब चन्द्र, मड़िहान अनेग सिंह, चुनार राजेश वर्मा के अलावा अन्य सम्बन्धित अधिकारी उपस्थित रहें।

किडनी स्टोन में कारगर होम्योपैथिक औषधियां- डा. भास्कर शर्मा

प्रयागराज। आज की भाग दौड़ भरी जिंदगी में पथरी की समस्या आमतौर पर सुनने को मिल जाती है। किडनी स्टोन यानी की गुर्दे की पथरी का दर्द असहनीय होता है। इसके मरीजों की संख्या लगातार बढ़ती जा रही है। भारत में फिलहाल 5 करोड़ से ज्यादा पथरी के मरीज हैं। गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड सहित सैकड़ों पुरस्कारों के लेखक विश्व प्रसिद्ध होम्योपैथिक चिकित्सक डॉ. भास्कर शर्मा के मुताबिक किडनी स्टोन या गुर्दे की पथरी जिसे मेडिकल भाषा में रीनल कॅल्क्युली, यूरोलिथियासिस या नेफ्रोलिथियासिस भी कहा जाता है। पेशाब में कई घुले हुए खनिज और साल्ट्स होते हैं। जब आपके पेशाब में इन खनिजों और साल्ट्स का स्तर बढ़ जाता है, तो आपके गुर्दे में पथरी बनने की प्रक्रिया शुरू हो जाती हैं। उन्होंने कहा कि वैसे तो किडनी स्टोन का आकार छोटा होता है लेकिन समय के साथ उपचार ना करने पर इसका आकार बढ़ भी सकता है। जब कुछ पथरी किडनी में रह जाती है तो वह आपको ज्यादा समस्या नहीं देती लेकिन कभी–कभी, गुर्दे की पथरी मूत्रवाहिनी (यूरेटर), गुर्दे और मूत्राशय के बीच की नली अटक जाती है। यदि पथरी मूत्राशय तक पहुँच जाती है, तो यह पेशाब के द्वारा शरीर से बाहर निकल सकती है। यदि पथरी मूत्रवाहिनी में जमा हो जाती है, तो यह उस गुर्दे से पेशाब के प्रवाह को अवरुद्ध कर देती है और किडनी में दर्द का कारण बनती है। 9 फीसदी लोगों को जीवन में पथरी से एक बार जरूर जूझना पड़ता है। एक बार पथरी निकल जाने के बाद बार–बार होने की संभावना भी रहती है, इसलिए इस बीमारी के खिलाफ सावधानी ही इसका सबसे बड़ा बचाव है। आम तौर पर पथरी शरीर में दो ही जगह होती है, गॉल ब्लैडर (पित्ताशय) और किडनी। गॉल ब्लैडर की तुलना में किडनी में बहुत ज्यादा लोगों को पथरी की समस्या होती है। सिद्धार्थनगर के होम्योपैथिक चिकित्सक डा. भास्कर शर्मा बताते हैं किडनी में 90 फीसदी लोगों को कैल्शियम ऑक्सलेट पथरी होती है और इसकी वजह खान–पान और कम पानी पीना होता है। कैल्शियम ऑक्सलेट के अलावा कुछ लोगों को यूरिक एसिड और फॉस्फेट पथरी भी होती है। यूरिक एसिड पथरी की वजह अधिक प्रोटीनयुक्त भोजन हो सकती है।

वरिष्ठ नागरिकों को निःशुल्क सहायक उपकरण वितरण, परीक्षण शिविर 5 से 19 फरवरी तक

मीरजापुर। जिला समाज कल्याण अधिकारी ने जानकारी देते हुए बताया है कि जनपद में सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय भारत सरकार के अधीन भारतीय कृत्रिम अंग निर्माण निगम (एलिम्को) कानपुर द्वारा राष्ट्रीय वयोश्री योजनान्तर्गत 60 वर्ष या उससे अधिक आयु के वरिष्ठ नागरिकों को नित्य दैनिक जीवन के सहायक उपकरण यथा– छड़ी, वाकर, व्हीलचेयर, कान की मशीन, छड़ी सीट सहित, व्हीलचेयर कमोड सहित, सिलिकॉन फोम तकिया, नी ब्रेस, स्पाइनल सपोर्ट, सरवाइकल कॉलर इत्यादि के निःशुल्क वितरण, परीक्षण शिविर का आयोजन किया जा रहा है। जो जनपद के सभी विकास खण्ड मुख्यालयों में कराया जा रहा है। 5 फरवरी 2026 को विकास खण्ड मुख्यालय छानबे, 6 को हलिया, 7 को जमालपुर, 9 को कोन, 10 को लालगंज, 11 को मझवॉ,12 को पटेहरा, 13 को सिटी, 16 को नरायनपुर, 17 को पहाड़ी, 18 को राजगढ़, 19 को सीखड होगा। 60 वर्ष या उससे अधिक आयु के वरिष्ठ जन अधिक से अधिक संख्या में परीक्षण शिविर में उपस्थित होकर परीक्षण करा लें, परीक्षण शिविर में उपस्थित होने वाले वृद्धजनों को निःशुल्क सहायक उपकरण का वितरण भारतीय कृत्रिम अंग निर्माण निगम (एलिम्को) कानपुर द्वारा जनपद में वृहद कार्यक्रम आयोजित कराकर जनप्रतिनिधियों की उपस्थिति में कराया जायेगा। परीक्षण शिविर में साथ में लाये जाने वाले प्रपत्र का विवरण बीपीएल राशन कार्ड अथवा राज्य की वृद्धावस्था पेंशन प्राप्ति के प्रमाण–पत्र की छायाप्रति अथवा जिला प्रशासन, ग्राम प्रधान, जनप्रतिनिधियों द्वारा प्रदत्त आर्थिक स्थिति प्रमाण–पत्र (प्रतिमाह रु 15000 या उससे कम), फोटोयुक्त पहचान पत्र की छायाप्रति (आधार कार्ड, वोटर कार्ड, बीपीएल राशन कार्ड, बैंक पासबुक, पैन कार्ड इत्यादि) है।

चोरों ने विद्यालय का कम्प्यूटर किया पार

मीरजापुर। जनपद के छानबे विकास खंड क्षेत्र के बघरा तिवारी ग्राम सभा में स्थित कंपोजिट स्कूल में अज्ञात चोरों द्वारा बीती रात रविवार को विद्यालय का ताला काटकर विद्यालय में बने स्मार्ट क्लास का यूपीएस और कम्प्यूटर चुरा ले गए। चोरी होने की जानकारी दूसरे दिन होने पर हड़कंप मच गया। विद्यालय के प्रधानाध्यापक एवं समस्त स्टॉफ द्वारा विद्यालय पहुंचने पर देखा गया तो इसकी सूचना सर्वप्रथम डायल 112 पुलिस को दी गई। सूचना होने पर मौके पर पहुंची पुलिस ने छानबीन करने के साथ आस–पास के लोगों से पूछताछ कर जानकारी एकत्र की है।

माघ मेले में त्रिजटा संगम स्नान, ली कल्पवास से विदाई

हजारों श्रद्धालुओं ने लगाई डुबकी, अगले साल फिर आने का लिया संकल्प

प्रयागराज। माघ मेले में माघी पूर्णिमा के तीसरे दिन त्रिजटा संगम स्नान कर कल्पवास से विदाई ली। इस अवसर पर हजारों श्रद्धालुओं ने भोर से ही संगम के पवित्र जल में आस्था की डुबकी लगाई। माघ मेला में यह पर्व कल्पवासियों के लिए विशेष महत्व रखता है, जो एक महीने तक तपस्या और पूजा–अर्चना करते हैं। त्रिजटा स्नान माघी पूर्णिमा के बाद होता है और इसे कल्पवासियों का अंतिम स्नान पर्व माना जाता है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, त्रिजटा संगम स्नान का अत्यधिक महत्व है। पौराणिक कथाओं के अनुसार, रामायण काल में त्रिजटा नामक राक्षसी ने सीता माता की रक्षा की थी। यह स्नान पर्व त्रिजटा की तपस्या और उनके परोपकारी कार्यों का प्रतीक माना जाता है। इस स्नान का संबंध गंगा, यमुना और अदृश्य सरस्वती नदियों के संगम से भी है। श्रद्धालु इस दिन संगम में तीन डुबकी लगाकर मां गंगा और मां यमुना से अनजाने में हुए अपराधों के लिए क्षमा याचना करते हैं। ऐसा माना जाता है कि इससे आत्मशुद्धि होती है और पापों से मुक्ति मिलती है। त्रिजटा स्नान के अवसर पर संगम की रेती पर श्रद्धालुओं का भारी जमावड़ा देखा गया। माघी पूर्णिमा के बाद बचे हुए कल्पवासियों के लिए एक महीने की तपस्या के उपरांत यह दिन विशेष महत्व रखता है। स्नान के पश्चात श्रद्धालु गंगाजल और संगम की रेत लेकर अपने घरों को लौटते हैं। त्रिजटा स्नान पर्व पर श्रद्धालु और कल्पवासी संगम त्रिवेणी में स्नान के बाद दान–पुण्य करते हैं। वे गंगा मैया से सुख–समृद्धि की कामना करते हुए बड़े हनुमान जी के दर्शन कर प्रार्थना करते हैं कि उन्हें अगले वर्ष भी संगम की रेती पर कल्पवास करने का अवसर मिले। इस पर्व के संपन्न होने के बाद माघ मेला क्षेत्र धीरे–धीरे खाली होने लगता है। हालांकि, माघ मेले का औपचारिक समापन 15 फरवरी को महाशिवरात्रि के स्नान पर्व पर होगा। उस दिन एक बार फिर लाखों श्रद्धालुओं के संगम तट पर पहुंचने की उम्मीद है।

चंद्राकला व दौलत हुसैन को मिले पूर्ण अंक

रतीश गुप्ता (पीकलू) स्मारक कलर ड्रेस कैशमनी टी-20 क्रिकेट प्रतियोगिता

प्रयागराज। तहा अली के बहुमूखी (72 रन, 39 गेंद, चार चौके व आठ छक्के एवं 1.5 – 0 – 8 – 3) प्रदर्शन के दम पर चंद्राकला क्रिकेट क्लब ने रतीश गुप्ता (पीकलू) स्मारक कलर ड्रेस कैशमनी टी –20 क्रिकेट प्रतियोगिता के लीग मैच में संत अतुलानंद स्पोर्ट्स क्लब को 123 रन से और मो. हम्माद की सटीक गेंदबाजी (4 – 0 – 15 – 4) के बदौलत दौलत हुसैन इंटर कॉलेज ने दूसरे मैच में संत अतुलानंद स्पोर्ट्स क्लब को पांच विकेट से हराकर प्रतियोगिता में पूर्ण अंक अर्जित किए हैं। बुधवार को डीएवी कॉलेज मैदान पर पहले मैच में टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए चंद्राकला क्रिकेट क्लब ने 20 ओवर में छह विकेट पर 189 रन (तहा अली 72, बृजेन्द्र त्रिपाठी 68, इमरोज अली 19 रन, नीरज तिवारी 3–29, यश सिंह 2–16, मानस सिंह 1–42) पर बनाए। जवाब में संत अतुलानंद स्पोर्ट्स क्लब की पूरी टीम 16.5 ओवर में महज 66 रन (यश सिंह 16 रन, तहा अली 3–08, देव प्रकाश सिंह 2–12, सुमित पांडेय 2–15, नकल प्रताप सिंह 1–08, प्रथम मिश्र 1–10, दानिश अली 1–12) पर बिखर गई। मैच के बाद पूर्व खिलाड़ी अरविन्द सिंह ने तहा अली को मैन ऑफ डी मैच का पुरस्कार दिया। दूसरे मैच में संत अतुलानंद स्पोर्ट्स क्लब ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए 19.2 ओवर में 106 रन (युवराज सिंह 46, आकाश यादव 27 रन, मो. हम्माद 4–15, मो. अरमान 3/22, ओसामा बीन वसीम 1–13, क्रिश सिंह 1–15) पर सिमट गई। जवाब में दौलत हुसैन इंटर कॉलेज की टीम ने 16.4 ओवर में पांच विकेट पर 111 रन (फैज अली 50 नाबाद, अनस अहमद 24, ओसामा बीन वसीम 18 अविजित रन, संजय पाल 2–23, युवराज सिंह 1–11, आकाश यादव 1–15, मानस 1–19) पर बना लिए। मैच के बाद पूर्व खिलाड़ी अस्करी अब्बास ने मैन ऑफ डी मैच का पुरस्कार दिया। मैच से पहले पूर्व खिलाड़ी प्रदीप सिंह के माता जी हीरामनी देवी के निधन पर मैदान पर उपस्थित आयोजन सचिव विनोद कुशवाहा, टूर्नामेंट अध्यक्ष प्रशांत खरे, रितेश जायसवाल एवं दोनों टीमों के खिलाड़ियों ने उनकी आत्मा की शांति के लिए दो मिनट का मौन रखकर उनको श्रद्धांजलि दी।

टीबी उन्मूलन कार्यक्रम के तहत ग्रामीणों को किया गया जागरूक

मीरजापुर। टीबी उन्मूलन कार्यक्रम के तहत जनपद के राजगढ़ सीएचसी सभागार कक्ष में 4 फरवरी 2026 को उपस्थित एएनएम स्टाफ नर्स, आशा संगनी एवं आशाएं आदि को भारत देश को टीबी मुक्त बनाने के क्रम में रोग संबंधी समस्त लक्षणों एवं सरकारी स्तर से उपलब्ध सभी निरूशुल्क सुविधाओं तथा बचाव को विस्तार पूर्वक बताते हुए ज्यादा से ज्यादा टीबी रोगियों की खोज कर उन्हें इलाज पर लाने का प्रस्ताव रखा गया। क्षय विभाग के डिस्ट्रिक्ट कोऑर्डिनेटर सतीश शंकर यादव द्वारा सभी उपस्थित जनों से आग्रह पूर्वक कहा गया कि टीबी रोग जब हमारे समाज से पूर्ण रूप से समाप्त होगा तभी हम आप सभी इसके प्रतिकूल प्रभाव से सुरक्षित रहेंगे। इसलिए आप सभी विभागीय ड्यूटी के साथ–साथ मानवीय कर्तव्य भाव से इस रोग के समाप्ति में अपना सराहनीय योगदान करते हुए टीबी मुक्त की संकल्पना को साकार करने में एक सच्चे भारतीय नागरिक का दायित्व निभाने का प्रयासकरें। साथ ही सक्षम एवं सम्मानित तथा संवेदनशील व्यक्तियों से टीबी मरीजों के हित में निरू क्षय मित्र बनने हेतु आग्रह भी करें। कार्यक्रम के दौरान डॉ पवन कश्यप अधीक्षक), अजीत सिंह एसटीएस, राहुल सिंह बीसीपीएम जेड अहमद, हेमलता, नीता आदि उपस्थित रहे।

इविवि में दो छात्र गुटों में झड़प के बाद जमकर मारपीट

जबरदस्त हंगामा, छात्राओं से बदसलूकी का भी आरोप

प्रयागराज। इलाहाबाद विश्वविद्यालय परिसर में मंगलवार को उस समय तनाव की स्थिति बन गई जब दो छात्र गुटों के बीच जमकर मारपीट हो गई। यह घटना विश्वविद्यालय के बरगद लॉन में हुई, जहां छात्रों के एक समूह द्वारा यूजीसी से जुड़े मुद्दों पर चर्चा की जा रही थी। इस मामले में दोनों पक्ष से लोग चोटिल हुए हैं और उनकी ओर से प्रॉक्टर ऑफिस में शिकायत की गई है। प्रॉक्टोरियल बोर्ड का कहना है कि मामले में जांच की जा रही है। छात्र संगठन दिशा से जुड़े चंद्र प्रकाश ने आरोप लगाया कि मंगलवार को वह अपने साथी संजय, निधि, पूजा और अन्य छात्र–छात्राओं के साथ विश्वविद्यालय परिसर स्थित बरगद लॉन में बैठकर यूजीसी से संबंधित विषयों पर बातचीत कर रहे थे। इसी दौरान अचानक 30 से 40 की संख्या में कुछ युवक वहां पहुंचे, जिन्होंने खुद को एबीवीपी और बजरंग दल का कार्यकर्ता बताया। आरोपित युवकों ने पहले अभद्र भाषा का प्रयोग किया और विरोध करने पर मारपीट शुरू कर दी। उन्होंने बताया कि झगड़े के दौरान बीच–बचाव के लिए आई छात्राओं के साथ भी बदसलूकी की गई। आरोप है कि छात्राओं को मारा–पीटा गया, उनके बाल पकड़कर घसीटा गया, जिससे परिसर में अफरा–तफरी मच गई। घटना के बाद दिशा छात्र संगठन की ओर से कर्नलगंज थाने में शिकायत करने की कोशिश की गई, लेकिन वहां से उन्हें पहले विश्वविद्यालय के प्रॉक्टर कार्यालय में शिकायत दर्ज कराने की सलाह दी गई। इसके बाद छात्र संगठन ने प्रॉक्टर कार्यालय में लिखित शिकायत सौंप दी है। उधर इस मामले में दूसरे पक्ष की ओर से भी प्रॉक्टर ऑफिस में शिकायत की गई है। बीए तृतीय वर्ष के छात्र आयुष राय ने शिकायत की है कि बरगद लॉन में बैठकर कुछ लोग जातिगत टिप्पणियां कर रहे थे। इसका विरोध करने पर मारपीट की और इस दौरान उसे दांत से काटकर जख्मी कर दिया गया। विश्वविद्यालय के प्रभारी चीफ प्रॉक्टर डॉ अतुल नारायण सिंह ने बताया कि दोनों पक्षों की ओर से शिकायत मिली है। दिशा छात्र संगठन के कुछ लोग बिना किसी पूर्व अनुमति के विश्वविद्यालय परिसर में बैठकर यूजीसी को लेकर स्टडी सर्किल आयोजित कर रहे थे जो नियम विरुद्ध है। इनमें से कुछ लोग ऐसे भी थे जो विश्वविद्यालय के छात्र नहीं हैं। फिलहाल दोनों पक्षों की शिकायत पर जांच की जा रही है। जांच में जो तथ्य सामने आएंगे उसके आधार पर आगे कार्रवाई की जाएगी।

घर-घर खिलाई जाएगी फाइलेरिया से बचाव की दवा

अयोध्या। राष्ट्रीय फाइलेरिया उन्मूलन कार्यक्रम के तहत जनपद के तारुन और मयाबजार विकासखंडों में 10 से 28 फरवरी तक सामूहिक दवा सेवन अभियान चलाया जाएगा। दोनों ब्लॉकों की कुल लक्षित आबादी लगभग 4.93 लाख है। अभियान के लिए 87 सुपरवाइजर और 495 टीमें गठित की गई हैं जो घर–घर जाकर पात्र व्यक्तियों को अपने सामने दवा सेवन कराएंगी। सभी ग्राम पंचायतों में अभियान का शुभारंभ जनप्रतिनिधियों द्वारा स्वयं दवा सेवन कर लोगों को प्रेरित करते हुए किया जाएगा। यह जानकारी मंगलवार को सीएमओ सभागार में आयोजित मीडिया संवेदीकरण कार्यशाला में सीएमओ डॉ. देवेन्द्र कुमार भिटौरिया ने दी। उन्होंने कहा कि फाइलेरिया उन्मूलन की सबसे बड़ी चुनौती लोगों की फाइलेरिया से बचाव की दवा सेवन में संकोच और भ्रांतियां हैं। कई लोग स्वयं को स्वस्थ समझकर दवा सेवन से इनकार कर देते हैं या दुष्प्रभाव की भ्रांति से पीछे हट जाते हैं। मीडिया सही सूचना और भरोसा देकर लोगों को दवा सेवन के लिए प्रेरित कर सकता है। सीएमओ ने बताया कि फाइलेरिया केवल स्वास्थ्य समस्या नहीं बल्कि सामाजिक–आर्थिक संकट भी है। जनपद में वर्तमान में 1334 हाथीपांव और 11 हाइड्रोसील मरीज पंजीकृत हैं। यह बीमारी व्यक्ति को आजीवन कमजोर बना देती है जिससे पूरे परिवार की आजीविका प्रभावित होती है। एसीएमओ एवं बीवीडी नोडल अधिकारी डॉ. पीसी भारती ने बताया कि हालिया नाइट ब्लड सर्वे में तारुन और मयाबजार संवेदनशील पाए गए हैं। इसलिए यहां की आबादी को फाइलेरिया से बचाव के लिए 12.32 लाख डीईसी, 12.32 लाख आइवरमेक्टिन और 4.93 लाख एल्बेंडाजोल टैबलेट राज्य मुख्यालय से उपलब्ध कराई गई हैं। गर्भवती महिलाओं, दो वर्ष से छोटे बच्चों और गंभीर रोगियों को छोड़कर सभी को दवा स्वास्थ्य कर्मियों के सामने खिलाई जाएगी ताकि संक्रमण की श्रृंखला टूट सके। सीफार के प्रतिनिधि ने बताया कि फाइलेरिया एक लाइलाज बीमारी है, जिसके सूक्ष्म कृमि मच्छरों द्वारा दूसरों में फैलते हैं। इसके लक्षण कई वर्षों बाद हाथ–पैर या जननांगों में सूजन के रूप में दिखते हैं। इससे बचाव की दवाएं पूरी तरह सुरक्षित हैं और डब्ल्यूएचओ से प्रमाणित हैं। दवा सेवन के बाद हल्का बुखार या चक्कर आना सामान्य है ऐसा सूक्ष्म कृमियों के नष्ट होने के कारण होता है और जल्द ठीक हो जाता है। गंभीर स्थिति के लिए रैपिड रिस्पॉन्स टीम रहेगी। उन्होंने कहा कि दवा न लेना सबसे बड़ा खतरा है, क्योंकि एक संक्रमित व्यक्ति से अनजाने में उसके साथ रहने वालों तक संक्रमण फैल सकता है। जिला मलेरिया अधिकारी मंजुला आनंद ने बताया कि प्रशिक्षण, अंतरविभागीय समन्वय और ब्लॉक टास्क फोर्स का गठन पूरा हो चुका है। पीसीआई और सीफार प्रतिनिधियों ने मीडिया से अपील की कि वे लोगों तक यह संदेश पहुँचाएँ कि फाइलेरिया दवा से रोका जा सकता है और दवा न लेने पर यह पीढ़ियों की समस्या बनी रह सकती है। इसके अलावा राष्ट्रीय कृमि मुक्त दिवस दिनांक 10 फरवरी 2026 को एवं शेष छूटे हुए बच्चों को मॉप अप राउंड 13 फरवरी 2026 को एल्बेंडाजोल दवा खिलाई जाएगी। इस अभियान के अंतर्गत अयोध्या जिले के दो ब्लॉक मया बाजार एवं तारुन को छोड़ कर शेष 9 ब्लॉकों एवं शहरी क्षेत्र में अल्बेंडाजोल की दवा खिलाई जाएगी। इस अभियान में 1वर्ष से 19 वर्ष तक जनपद के सभी स्कूलों और आंगनवाड़ी केंद्रों पर अल्बेंडाजोल की गोलियां खिलाई जायेंगी। अल्बेंडाजोल/डीवार्मिंग से स्वास्थ्य को होने वाले फायदे जैसे, स्वास्थ्य व पोषण में सुधार, रोग प्रतिरोधक क्षमता में वृद्धि, एनीमिया पर नियंत्रण, समुदाय में कृमि संक्रमण की व्यापकता में कमी, सीखने की क्षमता और कक्षा में उपस्थिति में सुधार के साथ साथ परिवार की आर्थिक स्थिति में भी सुधार होगा। इस अभियान के तहत 1से 2 वर्ष के बच्चों को एलबेंडाजोल की आधी टैबलेट एवम ऊपर के बच्चों को पूरी टैबलेट खिलाई जायेगी। इसके अतिरिक्त 16 फरवरी 2026 से 27 फरवरी 2026 तक एमआर कैंपेन चलाया जाएगा जिसमें जिले के सभी 5 से 10 वर्ष के सभी बच्चों को एमआर वैक्सीन की एक अतिरिक्त डोज दी जाएगी। यह कैंपेन जनपद के सभी शिक्षण संस्थाओं (स्कूल, मदरसों आदि) में अध्यनरत कक्षा –1 से कक्षा–5 तक के सभी बच्चों को नॉन आर. आई. दिवसों (सोमवार, मंगलवार, गुरुवार, शुक्रवार) को एम आर की एक अतिरिक्त डोज से आच्छादित किया जाएगा। जनपद में 2600 स्कूल–मदरसा के माध्यम से लगभग 189000 बच्चों को मीजल्स रूबेला की एक अतिरिक्त डोज से आच्छादित किये जाने का लक्ष्य है।

बदला मौसम का मिजाज बूंदाबांदी ने बढ़ाई ठंड

मीरजापुर। मौसम के मिजाज में मंगलवार को हुए अचानक बदलाव ने बूंदाबांदी के बीच ठंड में इजाफा कर दिया। सुबह से ही हल्का आकाश में बादलों के छाए रहने से ठंड भरी हवाओं का असर बना रहा। पूरे दिन सूर्य देव के दर्शन न होने से मौसम का मिजाज बदला बदला सा बना रहा। देर शाम बाद नगर सहित जिले के ग्रामीण इलाकों में बूंदाबांदी होने से ठंड का असर बढ़ चला है। हालांकि गेंहू की फसल के लिए किसान इसे लाभप्रद होना बता रहे हैं तो वहीं इस ठंड में किसी प्रकार झुग्गी झोपड़ी में जीवन बिता रहे लोगों को बारिश होने पर छांव के तलाश की चिंता सताने लगी है।

कुणाल पर भारी पड़ी अभिनव प्रताप की पारी

प्रयागराज। चौधरी नौनिहाल सिंह क्रिकेट क्लब ने चौधरी कप क्रिकेट सीरीज में कायस्थ पाठशाला क्रिकेट क्लब को पांच रन से हराकर सीरीज में पूर्ण अंक अर्जित किए हैं। इस जीत में अभिनव प्रताप के शानदार (87 रन, 85 गेंद, 14 चौके) पारी खेल अपनी टीम को जीत दिलाई हैं। कायस्थ पाठशाला के कुणाल यादव ने 55 रन की पारी खेली लेकिन अपनी टीम को जीत ना दिला सकी। बुधवार को केपी कॉलेज मैदान पर टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करते हुए 35 ओवर में तीन विकेट पर 201 रन (अभिनव प्रताप 87, प्रिंस पाल 55 रन, सदभाव यादव 1–26, शुभ 1–34, देवांश शर्मा 1–41) पर बनाए। जवाब में कायस्थ पाठशाला क्रिकेट क्लब की टीम ने 35 ओवर में 196 रन (कुणाल यादव 55, अमित कुमार यादव 41, अभिनव अग्रवाल 28, अर्पित पटेल 25 रन, देव प्रकाश शुक्ला 2–17, कार्तिक सीधाना 2–29, अक्षत केशरवानी 2–37) ही बना सकी।

36 लाख रूपये लोन प्रकरण में पीएनबी के पक्ष में हुआ आदेश

अयोध्या। अपर जिला मजिस्ट्रेट वित्त एवं राजस्व अमित कुमार भट्ट ने 36 लाख रूपये लोन लेकर अदा न करने के प्रकरण में पंजाब नेशनल बैंक कुमारगंज के पक्ष में अधिनियम की धारा 14 में दी गयी शक्तियों का प्रयोग करते हुए बंधकशुदा सम्पत्ति पर कब्जा दिलाये जाने का आदेश पारित किया है। साथ ही उप जिलाधिकारी मिल्कीपुर को निर्देशित किया है कि बैंक के सक्षम अधिकारी द्वारा सम्पर्क किये जाने पर क्षेत्रीय पुलिस बल के सहयोग से हर्जे खर्चे सहित बंधकशुदा सम्पत्ति पर नियमानुसार बैंक को कब्जा दिलाये जाने की कार्यवाही सुनिश्चित करें। याची को निर्देशित किया जाता है कि सुसंगत अभिलेखों के साथ संबंधित अधिकारियों से सम्पर्क कर प्रश्नगत लोन में बंधकशुदा सम्पत्ति पर कब्जा प्राप्त करें। पंजाब नेशनल बैंक की शाखा कुमारगंज–अयोध्या के विधि सलाहकार व वरिष्ठ अधिवक्ता के.एल. गोयल व सक्षम अग्रवाल ने पैरवी किया। अधिवक्ता के मुताबिक विपक्षी मेसर्स नारायण देशी फूड्स के प्रोपराइटर श्रीनारायण मिश्रा पुत्र भगवानदत्त निवासी रौतावां थाना कोतवाली मिल्कीपुर अयोध्या ने पंजाब नेशनल बैंक जनपद अयोध्या से 36 लाख रूपये का ऋण प्राप्त किया था। ऋण के एवज में विपक्षी ने अपनी अचल व कृषक प्लाट 1257 व 1258 बतौर जमानत बैंक के पक्ष में बंधक किया गया था। साथ ही ब्याज को अदा करने की गारंटी लिया था। ऋण की किस्तों का भुगतान नियमित नहीं किया गया जिस कारण ऋण खाता अनियमित होकर एनपीए हो गया। बैंक द्वारा विपक्षी से कर्ज की बावत नोटिस देने के बावजूद कर्ज की अदायगी नहीं की गयी। इसके फलस्वरूप बैंक ने अधिनियम की धारा 13 (2) के तहत नोटिस 5 नवम्बर 2024 को भेजा गया साथ ही विपक्षी से सात दिन के अन्दर उपरोक्त ऋण ब्याज सहित अदा करने के लिए कहा गया लेकिन विपक्षी ने बकाया राशि अदा नहीं किया इसके बाद बैंक ने बंधक सम्पत्ति पर कब्जा लेने के लिए नोटिस 31 जनवरी 2025 को भेजा। बावजूद इसके लोन ब्याज सहित न जमा करने पर पंजाब नेशनल बैंक शाखा कुमारगंज के अधिवक्ता के.एल. गोयल व सक्षम अग्रवाल ने विपक्षी प्रोपराइटर नारायण देशी फूड्स के विरुद्ध जिला मजिस्ट्रेट के न्यायालय में मुकदमा दायर किया। जिला मजिस्ट्रेट ने इस मुकदमें के निस्तरण के लिए अपर जिला मजिस्ट्रेट वित्त एवं राजस्व की अदालत में 28 अप्रैल 2025 को स्थानांतरित किया था। इसके पश्चात अपर जिला मजिस्ट्रेट वित्त एवं राजस्व ने 36 लाख रूपये लोन के प्रकरण में सुनवाई के बाद अधिनियम की धारा 14 में दी गयी शक्तियों का प्रयोग करते हुए बंधकशुदा सम्पत्ति पर कब्जा बैंक को दिये जाने का आदेश पारित किया है।

धर्मगुरु त्रिशूल भगवान सनातन धर्म संस्कृति की शौर्य का प्रतीक- महंत दुर्गा दास

प्रयागराज। जय शिव सेना उत्तर प्रदेश के प्रांतीय अध्यक्ष अभिषेक ठाकुर के द्वारा आयोजित श्री वेद रक्षित धर्मगुरु श्री त्रिशूल भगवान की पुस्तिका और कैलेंडर का विमोचन श्री पंचायती अखाड़ा बड़ा उदासीन कीडगंज के प्रांगण में किया गया। विमोचन अखाड़ा के पूज्य बड़े महंत दुर्गा दास के कर कमलों द्वारा किया गया।

इस अवसर पर उन्होंने कहा कि धर्म गुरु त्रिशूल भगवान सनातन धर्म संस्कृति की शौर्य का प्रतीक है जो सनातन धर्म और वेदों के संरक्षण के लिए स्वयं भगवान शिव धारण करते हैं। इस अवसर पर महंत शिवानंद महाराज, महंत माधवानंद महाराज, जय शिव सेना के प्रांतीय अध्यक्ष अभिषेक ठाकुर और प्रांतीय महामंत्री राजेश केसरवानी, पार्षद रूद्रसेन जायसवाल, सतेन्द्र तिवारी लाल भाई, सुशील जैन, आलोक कुमार, सतीश जायसवाल, रमेश केसरवानी, अभिलाष केसरवानी, शत्रुघ्न जायसवाल आदि मौजूद रहे।

आईसीसी रैंकिंग में बड़ा फेरबदल, अभिषेक शर्मा नंबर 1, इशान किशन ने लगाई 32 पायदान की छलांग

टी20 विश्व कप 2026 से पहले, अभिषेक शर्मा 917 रेटिंग अंकों के साथ आईसीसी टी20 अंतरराष्ट्रीय रैंकिंग में शीर्ष पर काबिज हैं, जबकि सूर्यकुमार यादव छठे स्थान पर पहुंच गए हैं और ईशान किशन ने शतक लगाकर लंबी छलांग लगाई है। अभिषेक शर्मा आईसीसी टी20 अंतरराष्ट्रीय रैंकिंग में नंबर 1 बल्लेबाज के तौर पर टी20 विश्व कप 2026 की शुरुआत करेंगे। चौथे टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच में शून्य पर आउट होने के बाद उनके रेटिंग पॉइंट्स में कुछ गिरावट आई है, लेकिन वे खेल के सबसे छोटे प्रारूप में बल्लेबाजों की रैंकिंग में शीर्ष पर आराम से बने हुए हैं। अभिषेक के पास फिलहाल 917 रेटिंग पॉइंट्स हैं, जो इंग्लैंड के दूसरे स्थान पर मौजूद फिल साल्ट से 83 पॉइंट्स अधिक हैं।तिलक वर्मा पिछले महीने हुए टेस्टिकुलर टॉर्शन के कारण न्यूजीलैंड के खिलाफ पांच मैचों की टी20 अंतरराष्ट्रीय सीरीज से बाहर रहने के बाद नवीनतम टी20 अंतरराष्ट्रीय रैंकिंग में चौथे स्थान पर खिसक गए हैं। हालांकि, बाएं हाथ का यह बल्लेबाज टी20 विश्व कप के लिए पूरी तरह फिट है और भारत ए के लिए अमेरिका के खिलाफ वार्म–अप मैच में अपनी फिटनेस साबित करने के बाद जल्द ही टीम में शामिल होने की उम्मीद है। भारतीय कप्तान सूर्यकुमार यादव ने विश्व कप से ठीक पहले शानदार फॉर्म हासिल कर लिया है, जिसका फायदा उन्हें रैंकिंग में भी मिला है। नवीनतम अपडेट में 728 रेटिंग अंकों के साथ वे छठे स्थान पर पहुंच गए हैं, जबकि पाकिस्तान के साहिबजादा फरहान दो पायदान नीचे खिसककर सातवें स्थान पर आ गए हैं। इस बीच, ईशान किशन ने आईसीसी टी20 अंतरराष्ट्रीय बल्लेबाजी रैंकिंग में 32 पायदान की जबरदस्त छलांग लगाई है। न्यूजीलैंड के खिलाफ पांचवें और आखिरी टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच में 40 गेंदों में शतक जड़ने के बाद वह अब 32वें स्थान पर हैं। इस शतक की बदौलत भारत ने अपने 20 ओवरों में 271 रनों का विशाल स्कोर खड़ा किया। मौजूदा फॉर्म को देखते हुए, अगर वह विश्व कप के ग्रुप चरण में भारत की प्लेइंग इलेवन में जगह बना लेते हैं, तो अगले कुछ हफ्तों में शीर्ष 10 में उनका शामिल होना तय है।

धोनी ने रोहित-विराट के विश्व कप 2027 खेलने पर लगाई मुहर, लेकिन रखी यह बड़ी शर्त

पूर्व कप्तान एमएस धोनी ने 2027 वनडे विश्व कप में रोहित शर्मा और विराट कोहली के खेलने का समर्थन करते हुए कहा कि उम्र कोई मापदंड नहीं है। धोनी के अनुसार, जब तक खिलाड़ी पूरी तरह से फिट है और लगातार अच्छा प्रदर्शन कर रहा है, उसे देश के लिए खेलना जारी रखना चाहिए। 2027 आईसीसी क्रिकेट विश्व कप की तैयारियों के बीच, विश्व कप विजेता कप्तान एमएस धोनी ने वनडे क्रिकेट के दिग्गज खिलाड़ियों रोहित शर्मा और विराट कोहली का समर्थन करते हुए कहा कि जब तक वे फिट और अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं, तब तक वनडे खेलना जारी रखें, क्योंकि उम्र कोई मानदंड नहीं है। धोनी एक कार्यक्रम में बोल रहे थे, जिसका वीडियो जाने–माने कमेंटेटर और प्रस्तुतकर्ता जतिन सप्रू के आधिकारिक यूट्यूब चौनल पर पोस्ट किया गया है। पिछले साल मई में टेस्ट क्रिकेट से संन्यास लेने के बाद, रोहित और विराट के हर मैच पर कड़ी नजर रखी जा रही है, क्योंकि साल दर साल वनडे मैचों की संख्या कम होती जा रही है और उनकी सीरीज के बीच लंबा अंतराल है। ऐसे में उनके लिए घरेलू क्रिकेट खेलना जरूरी है ताकि वे अपनी लय और मैच के लिए तैयार रहने की क्षमता बनाए रख सकें। रोहित और विराट के वनडे विश्व कप 2027 में खेलने के बारे में कार्यक्रम के दौरान बोलते हुए धोनी ने कहा, ष्क्यों नहीं? बात यह है कि अगला विश्व कप किसी को क्यों नहीं खेलना चाहिए? आप जानते हैं, मेरे लिए उम्र कोई मापदंड नहीं है। प्रदर्शन, फिटनेस, ये मापदंड हैं। इसलिए मैं हमेशा मानता हूं कि किसी को कुछ भी कहने की जरूरत नहीं है। लेकिन यह बात स्पष्ट होनी चाहिए कि सभी के साथ एक जैसा व्यवहार किया जाएगा। उन्होंने आगे कहा कि जब मैंने डेब्यू किया था, तब मैं 24 साल का था। तब कोई आकर मुझे कुछ नहीं कहता था। तो अब अगर मैं भारत के लिए एक साल, दो साल, दस साल, बीस साल, या जितने भी साल खेलूं, किसी को आकर मेरी उम्र के बारे में बताने की जरूरत नहीं है। क्या उम्र कोई मायने रखती है? नहीं। उन्होंने आगे कहा कि फिटनेस का फैक्टर? जी हां। फिटनेस एक अहम फैक्टर है। अगर आप 22 साल के भी हैं और फिट नहीं हैं, तो आपको पता ही है कि अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट खेलने के लिए फिट होना जरूरी है। ध्ोानी ने कहा कि बात सिर्फ इतनी नहीं है कि कोई खिलाड़ी 30 साल का है, तो क्या वो अगला वर्ल्ड कप खेल पाएगा या नहीं, ये तय करना हमारा काम नहीं है। ये उन्हें खुद तय करना है। अगर वो अच्छा प्रदर्शन करते रहें, अगर उनमें देश के लिए अच्छा करने की चाह हो, तो क्यों नहीं? अनुभवी खिलाड़ी कहां से मिलते हैं? 20 साल के किसी खिलाड़ी को अनुभवी नहीं बनाया जा सकता, सिवाय सचिन तेंदुलकर के, जिन्होंने 16 या 17 साल की उम्र में खेलना शुरू किया था। अनुभव हासिल करने का यही तरीका है।

किसानों के हित से कोई समझौता नही, भारत-यूएस ट्रेड डील पर सरकार का बड़ा बयान

नई दिल्ली । वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने मंगलवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत ने अमेरिका के साथ जो ट्रेड डील की है, वह अन्य पड़ोसी देशों के साथ यूएस द्वारा की गई ट्रेड डील के मुकाबले काफी अच्छी है। इसमें देश के किसानों, डेयरी सेक्टर से जुड़े लोगों और मछुआरों के हितों से कोई समझौता नहीं किया गया है। एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री ने राष्ट्रीय हित को प्राथमिकता देते हुए, भारत के लिए एक बहुत अच्छी डील पक्की करने के लिए अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के साथ अपनी दोस्ती का इस्तेमाल किया है। यह ट्रेड डील अर्थव्यवस्था के अधिक श्रम उपयोग वाले सेक्टर जैसे टेक्सटाइल, लेदर, सीफूड और रत्न और आभूषण को फायदा पहुंचाएगी और इससे अमेरिका को निर्यात के लिए बड़े अवसर खुलेंगे।

उन्होंने आगे कहा कि इंजीनियरिंग गुड्स सेक्टर, जिसमें

ऑटो कंपोनेंट्स और अन्य सामान शामिल हैं, उन्हें भी इस डील से फायदा होगा। केंद्रीय मंत्री ने आगे कहा कि एमएसएमई सेक्टर, जो इकॉनमी में सबसे अधिक नौकरियां पैदा करता है, उसे भी इस ट्रेड डील से फायदा होगा क्योंकि कम टैरिफ से इस सेक्टर से होने वाला निर्यात अधिक प्रतिस्पध्र्ाी हो जाएगा। गोयल ने बताया कि पीएम मोदी ने यह डील फाइनल की है, जो अधिकारियों और मंत्रियों के लेवल पर लंबी बातचीत में फंसी हुई थी और जिसका कोई नतीजा नहीं निकल रहा था।

उन्होंने तर्क दिया कि व्यापार समझौते को अंतिम रूप देना आवश्यक था क्योंकि ट्रंप प्रशासन द्वारा लगाए गए 50 प्रतिशत के उच्च शुल्क के कारण अमेरिका को खाद्य पदार्थ और वस्त्र जैसे श्रम–प्रधान उत्पादों के भारतीय निर्यात पर गहरा असर पड़ा था। उन्होंने कहा, 140 करोड़ भारतीयों की ओर से, मैं प्रधानमंत्री मोदी को धन्यवाद देना चाहता हूं क्योंकि यह समझौता भारत के आर्थिक विकास, किसानों, गरीबों, मछुआरों, महिलाओं और युवाओं के लिए कई अवसर लेकर आएगा।

गोयल ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर तीखा हमला करते हुए उन पर देश को गुमराह करने और भारत के विकास के प्रति चिंता न दिखाने का आरोप लगाया। उन्होंने आरोप लगाया, राहुल गांधी जैसे नकारात्मक सोच वाले नेता देश को गुमराह कर रहे हैं। उन्हें देश की प्रगति की कोई चिंता नहीं है। कांग्रेस सरकार ने भारत को दुनिया की पांच सबसे कमजोर अर्थव्यवस्थाओं में धकेल दिया था और अगर राहुल गांधी की मनमानी चली तो वे देश को फिर से उसी स्थिति में ले जाएंगे।

रोहित शर्मा-विराट कोहली के भविष्य पर धोनी का बड़ा बयान, बोले- उन्हें कोई नहीं बता सकता कि.

धोनी ने साफ किया कि खिलाड़ियों के लिए फिटनेस और परफॉर्मेंस ही क्राइटेरिया होना चाहिए, न कि उम्र। उन्हें लगा कि किसी को भी रोहित या कोहली को यह नहीं बताना चाहिए कि उन्हें अगले साल वर्ल्ड कप खेलना चाहिए या नहीं। भारतीय क्रिकेट के सबसे सफल कप्तान महेंद्र सिंह धोनी अक्सर सुर्खियों से दूर रहते हैं, लेकिन जब भी वे बोलते हैं, तो उनकी बातें क्रिकेट जगत में चर्चा का विषय बन जाती हैं। हाल ही में एक सार्वजनिक कार्यक्रम में धोनी ने रोहित शर्मा और विराट कोहली के वनडे वर्ल्ड कप 2027 में खेलने की संभावनाओं पर अपनी बेबाक राय साझा की है।धोनी ने साफ किया कि खिलाड़ियों के लिए फिटनेस और परफॉर्मेंस ही क्राइटेरिया होना चाहिए, न कि उम्र। उन्हें लगा कि किसी को भी रोहित या कोहली को यह नहीं बताना चाहिए कि उन्हें अगले साल वर्ल्ड कप खेलना चाहिए या नहीं। उनके अनुसार, अगर वे फिट हैं और देश के लिए अच्छा प्रदर्शन करने के लिए उत्सुक हैं, तो सुपरस्टार जोड़ी को मेगा इवेंट में जरूर खेलना चाहिए क्योंकि उनका अनुभव टीम के बहुत काम आएगा।रोहित शर्मा और विराट कोहली की हालिया फॉर्मखास बात यह है कि रोहित शर्मा और विराट कोहली दोनों ही पिछले कुछ महीनों में भारत द्वारा खेली गई तीन वनडे सीरीज में शानदार फॉर्म में थे। रोहित ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ घर से बाहर प्लेयर ऑफ द सीरीज का अवॉर्ड जीता, जिसमें उन्होंने 101 की औसत से 202 रन बनाए, जिसमें एक सेंचुरी और एक फिफ्टी शामिल थी। विराट कोहली ऑस्ट्रेलिया में लगातार दो बार जीरो पर आउट हुए, लेकिन सिडनी में शानदार हाफ–सेंचुरी के साथ टूर खत्म किया। उन्होंने घर पर साउथ अफ्रीका सीरीज मेंभी अपनी अच्छी फॉर्म जारी रखी, तीन मैचोंमेंदो सेंचुरी के साथ 302 रन बनाए।

इस एआई टूल से अमेरिका से लेकर भारत तक कोहराम, आईटी शेयर हुए धड़ाम

मुंबई । भारतीय शेयर बाजारों में बुधवार सुबह मामूली बढ़त देखी गई, जिसमें सभी सेक्टरों में बढ़त हुई। लेकिन, आईटी शेयरों में गिरावट से यह बढ़त सीमित रही। एंथ्रोपिक द्वारा अपने क्लाउड एआई चौटबॉट के लिए एक लीगल टूल लॉन्च करने के बाद, एआई में बढ़ते कॉम्पिटिशन और कम मार्जिन की वजह से नेगेटिव वॉल स्ट्रीट संकेतों को ट्रैक करते हुए भारतीय आईटी शेयरों में गिरावट आई।सुबह 9.25 बजे तक, सेंसेक्स 44 अंक या 0.05 प्रतिशत बढ़कर 83,783 पर पहुंच गया, और निफ्टी 51 अंक या 0.20 प्रतिशत बढ़कर 25,778 पर बंद हुआ। मुख्य ब्रॉड–कैप इंडेक्स में मामूली बढ़त देखी गई, क्योंकि निफ्टी मिडकैप 100 में0.04 प्रतिशत और निफ्टी स्मॉलकैप 100 में 0.01 प्रतिशत की बढ़त हुई।आईटी और रियल्टी को छोड़कर सभी प्रमुख सेक्टोरल इंडेक्स हरे निशान में थे, जो क्रमशरू 5.39 प्रतिशत और 0.58 प्रतिशत नीचे थे। निफ्टी ऑटो, मेटल, कंज्यूमर ड्यूरेबल्स और ऑयल एंड गैस प्रमुख गेनर थे, जो क्रमशरू 1.12 प्रतिशत, 1.38 प्रतिशत, 1.05 प्रतिशत और 1.77 प्रतिशत ऊपर थे। मार्केट एक्सपर्ट्स ने कहा कि निफ्टी के लिए तुरंत सपोर्ट 25,550–25,600 जोन पर है, जबकि रेजिस्टेंस 25,850द्25,900 जोन पर है।एनालिस्ट्स ने अनुमान लगाया है कि यूएस–इंडिया ट्रेड डील से शुरू हुई रैली को बनाए रखने में रुकावटें आएंगी, और मंगलवार को यूएस में आईटी शेयरों में बिकवाली से भारतीय आईटी इंडेक्स नीचे जा सकता है। भारत कई अमेरिकी कंपनियों के लिए एक बड़ा सॉफ्टवेयर सर्विस प्रोवाइडर है। नए एंथ्रोपिक एआई लॉन्च के बाद वॉल स्ट्रीट पर सॉफ्टवेयर शेयरों में 25 प्रतिशत तक की गिरावट आई।मार्केट एक्सपर्ट्स ने कहा कि ज्यादातर सेक्टर्स में, वैल्यूएशन अभी भी ज्यादा हैं, इस कारण लगातार तेजी के लिए कोई फंडामेंटल सपोर्ट नहीं है। 6 फरवरी को होने वाली मॉनेटरी पॉलिसी मीटिंग में रेट्स में कोई बदलाव नहीं होने की संभावना है।गुरुवार को देखी गई तेजी मुख्य रूप से एफआईआई शॉर्ट कवरिंग की वजह से थी। टेक्सटाइल और कपड़ों, रत्न और आभूषण और मरीन प्रोसेसिंग जैसे सेक्टर्स, जिन्हें अमेरिका को एक्सपोर्ट से फायदा होने की उम्मीद है, उनमें कुछ और प्राइस एक्शन देखने को मिलेगा।

एशियाई बाजारों में, चीन का शंघाई इंडेक्स फ्लैट रहा और शेनझेन में 0.88 प्रतिशत की गिरावट आई, जापान का निक्केई 0.6 प्रतिशत गिरा, और हांगकांग का हैंग सेंग इंडेक्स 0.73 प्रतिशत नीचे आया। दक्षिण कोरिया का कोस्पी 0.72 प्रतिशत बढ़ा। पिछले ट्रेडिंग सेशन में अमेरिकी बाजार ज्यादातर हरे निशान में बंद हुए, जबकि नैस्डैक में 1.43 प्रतिशत की गिरावट आई। एसएंडपी 500 में 0.84 प्रतिशत की गिरावट आई, और डॉव जोन्स 0.34 प्रतिशत नीचे आया। 3 फरवरी को, विदेशी संस्थागत निवेशकों ने 5,236 करोड़ रुपए के इक्विटी शेयर खरीदे, जबकि घरेलू संस्थागत निवेशकों ने 1,014 करोड़ रुपए के इक्विटी शेयर खरीदे।

शेयर बाजार में 8 महीने की सबसे बड़ी तेजी, एक ही दिन में निवेशकों ने कमाए 12 लाख करोड़

मुंबई अमेरिका–भारत ट्रेड डील के चलते भारतीय शेयर बाजार मंगलवार के कारोबारी सत्र में हरे निशान में बंद हुआ। दिन के अंत में सेंसेक्स 2,072.67 अंक या 2.54 प्रतिशत की तेजी के साथ 83,739.13 और निफ्टी 639.15 अंक या 2.55 प्रतिशत की बढ़त के साथ 25,727.55 पर बंद हुआ।निवेशकों ने 12.06 लाख करोड़ कमाएबीएसई में लिस्टेड कंपनियों का कुल मार्केट कैपिटलाइजेशन आज बढ़कर 467.09 लाख करोड़ रुपये पर पहुंच गया, जो इसके पिछले कारोबारी दिन 455.03 लाख करोड़ रुपये रहा था। इस तरह क्चस्श्व में लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैप आज करीब 12.06 लाख करोड़ रुपये बढ़ा है। या दूसरे शब्दों में कहें तो निवेशकों की संपत्ति में करीब 12.06 लाख करोड़ रुपये का इजाफा हुआ है।बाजार को ऊपर खींचने का काम रियल्टी और वित्तीय शेयरों ने किया। इसके चलते मुख्य सूचकांकों में निफ्टी रियल्टी (4.79 प्रतिशत) और निफ्टी फाइनेंशियल सर्विसेज (3.27 प्रतिशत) की तेजी के साथ टॉप गेनर्स थे। इसके साथ निफ्टी हेल्थकेयर (3.16 प्रतिशत), निफ्टी इन्फ्रा (3.03 प्रतिशत), निफ्टी फार्मा (3.02 प्रतिात), निफ्टी एनर्जी (3.02 प्रतिशत), निफ्टी ऑटो (2.81 प्रतिशत) और निफ्टी मेटल (2.87 प्रतिशत) की तेजी के साथ बंद हुआ। सेंसेक्स पैक में 30 में से 28 शेयर हरे निशान में बंद हुए। अदाणी पोर्ट्स, बजाज फाइनेंस, इंडिगो, पावर ग्रिड, सन फार्मा, बजाज फिनसर्व, एसबीआई, एलएंडटी, एक्सिस बैंक, टाइटन, आईसीआईसीआई बैंक, मारुति सुजुकी, ट्रेंट, इटरनल, एनटीपीसी, टाटा स्टील, एचडीएफीस बैंक और एमएंडएम टॉप गेनर्स थे। बीईएल और टेक महिंद्रा टॉप लूजर्स थे।लार्जकैप के साथ मिडकैप और स्मॉलकैप में भी मजबूत खरीदारी देखने को मिली है। निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स 1,639.50 अंक या 2.84 प्रतिशत की तेजी के साथ 59,307.10 और निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स 465.60 अंक या 2.82 प्रतिशत की तेजी के साथ 16,988.95 पर था।मार्केट एक्सपर्ट सुनील शाह ने समाचार एजेंसी आईएएनएस से बातचीत करते हुए कहा कि भारत–अमेरिका ट्रेड डील से घरेलू अर्थव्यवस्था और पूंजीगत बाजारों के लिए सकारात्मक माहौल बना है। इससे लंबी अवधि में भारत को तेज विकास दर हासिल करने में मदद मिलेगी।शाह ने आगे बताया कि इस डील से भारत के कपड़ा, रत्न एवं आभूषण, और अन्य क्षेत्रों को काफी फायदा होगा। अन्य मार्केट एक्सपर्ट जितेंद्र व्यास ने कहा कि भारत–अमेरिका ट्रेड डील पर बाजार ने काफी सकारात्मक रिएक्शन दिया है। इससे लंबी अवधि में बाजार को फायदा होगा। इससे टेक्सटाइल क्षेत्र को बड़ा लाभ होगा, क्योंकि इस डील से भारतीय निर्यातक अमेरिका में बांग्लादेश जैसे देशों के मुकाबले अधिक प्रतिस्पर्धी कीमतों पर अपने माल की बिक्री कर पाएगा। इसके अलावा, इस डील से फार्मा और आईटी सेक्टर को भी लाभ होगा।शेयर मार्केट एक्सपर्ट दीपेन दुधिया ने कहा कि अमेरिकी टैरिफ के कारण बाजार में गिरावट देखने को मिली थी, लेकिन अब यह कम होकर 18 प्रतिशत रह गया है। इससे बाजार में निवेशकों की रुचि बढ़ेगी। आने वाले समय में शेयर बाजार में 15 प्रतिशत तक की वृद्धि देखने को मिल सकती है।

दांतों के लिए साइलेंट किलर है सडन, जानें कब बढ़ सकती है दांतों से जुड़ी समस्याएं

दांतों में दर्द की परेशानी या सूजन की समस्या पर सभी ध्यान देते हैं, लेकिन सडन दांतों के लिए साइलेंट किलर की तरह काम करती है। बाहर से चमकदार दिखने वाले दांतों के अंदर कब धीरे–धीरे छेद बन जाता है, ये पता ही नहीं चलता और जब चलता है, तब तक सडन दांतों को घेर चुकी होती है। दांतों में सडन की समस्या से असहनीय दर्द होता है और ये धीरे–धीरे सारे दांतों को संक्रमित कर देती हैय ऐसे में दांतों की देखभाल करना बहुत जरूरी है। दांतों में सडन की प्रक्रिया बहुत धीमी गति से होती है और इसके लक्षण भी नजर नहीं आते हैं। दर्द के बाद पता चलता है कि दांतों में सडन हो चुकी है। दांतों में सडन के बहुत सारे कारण हो सकते हैं, जैसे ज्यादा मीठा खाना, सही तरीके से ब्रश और कुल्ला न करना, मुंह में लार में कमी होना, कैल्शियम और विटामिन डी की

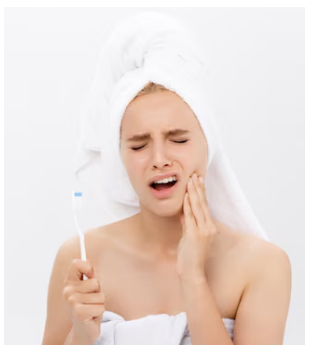

कमी, साथ ही रात में बिना ब्रश किए सो जाना। ये सभी कारण दांतों में सडन पैदा करने के लिए काफी हैं।आयुर्वेद में दांतों की सडन से बचने के लिए और मसूड़ों की मजबूती के लिए कई घरेलू उपाय बताए गए हैं, जिन्हें घर बैठे आराम से कर सकते हैं। पहला है लौंग के तेल का इस्तेमाल। लौंग का तेल दांतों के दर्द और बैक्टीरिया को कम करने का काम करता है, जिससे सडन की प्रक्रिया कम हो जाती है। इसके लिए रात के समय लौंग के तेल को कुछ समय के लिए दांतों पर लगाकर छोड़ दें और पानी से साफ कर लें।दूसरा है नीम से दातुन या कुल्ला। नीम प्राकृतिक एंटी बैक्टीरियल है, जो दांतों से बैक्टीरियल संक्रमण को कम करने में मदद करता है। वहीं नीम की दातुन भी दांतों के स्वास्थ्य के लिए लाभकारी होती है। तीसरा है नारियल तेल से ऑयल पुलिंग। ऑयल पुलिंग दांतों के कोनो–कोनों में जाकर गंदगी को साफ करने का काम करती है और दांतों पर लगे पीलेपन को साफ करती है। इसके लिए तेल को मुंह के अंदर 5 मिनट के लिए घुमाएं और फिर कुल्ला कर लें।चौथा है नमक और सरसों के तेल का मिश्रण। नमक और सरसों के तेल का मिश्रण दांतों के दर्द में राहत देता है और दांतों में पनप रहे बैक्टीरिया का भी नाश करता है। हफ्ते में तीन बार इस मिश्रण को लगाने से दांतों से पीलापन भी कम हो जाता है। इन नुस्खों के अलावा, आहार में बदलाव भी जरूरी है। आहार में कैल्शियम और विटामिन डी शामिल करें। कैल्शियम और विटामिन डी दोनों मिलकर दातों को मजबूती देते हैं और मसूड़ों से खून आने की समस्या भी कम होती है।

तनाव दूर कर मांसपेशियों को मजबूत बनाता है प्रसारित पादहस्तासन, ये सावधानी भी जरूरी

शारीरिक हो या मानसिक हर समस्या का समाधान योगासन में छिपा है। तन और मन दोनों को सेहतमंद रखने वाले ऐसे ही एक आसन का नाम प्रसारित पादहस्तासन या प्रसारित पादोत्तानासन है, जिसे वाइड–लेग्ड फॉरवर्ड बेंड भी कहा जाता है। यह आसन पैरों को फैलाकर आगे झुकने से शरीर की कई मांसपेशियों को गहरा खिंचाव देता है और मन को शांत करता है। योग विशेषज्ञों के अनुसार, नियमित अभ्यास से लचीलापन बढ़ता है, तनाव कम करता है और पूरा शरीर सेहतमंद रहता है। मोरारजी देसाई नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ योगा के अनुसार, प्रसारित पादहस्तासन अभ्यास के लिए योग मैट पर ताड़ासन पोज में सीधे खड़े हो जाएं। दोनों पैर जोड़कर, हाथ शरीर के साथ रखें। सांस अंदर लें और पैरों को 3–4 फीट (या अपनी ऊंचाई के अनुसार 4–5 फीट) दूर फैलाएं। पैर समानांतर रखें, एड़ियां बाहर की ओर और पैर के अंगूठे थोड़े अंदर की ओर रखें। इस दौरान हाथों को कमर पर रखें। छाती को आगे की ओर रखें। सांस छोड़ते हुए कमर से आगे झुकें। इस दौरान सांस अंदर लें और धीरे से वापस आएं।प्रसारित पादहस्तासन के अभ्यास से शरीर को कई लाभ मिलते हैं। जांघों, कूल्हों और पीठ में गहरा खिंचाव मिलता है, जिससे लचीलापन बढ़ता है। रीढ़ की हड्डी मजबूत होती है, पीठ दर्द में राहत मिलती है। पाचन क्रिया सुधरती है और कब्ज दूर होता है।मस्तिष्क में रक्त संचार बढ़ता है, तनाव, चिंता में लाभ मिलता है। पैर, टखने और कोर मसल्स मजबूत होते हैं। साथ ही थकान दूर होती है, मन शांत रहता है और ऊर्जा बढ़ती है।प्रसारित पादहस्तासन अभ्यास के दौरान सावधानियां भी जरूरी हैं। पीठ में गंभीर चोट, हाई या लो ब्लड प्रेशर, ग्लूकोमा, घुटनेध्कूल्हे की समस्या वाले लोग बिना योग विशेषज्ञ की सलाह के न करें।

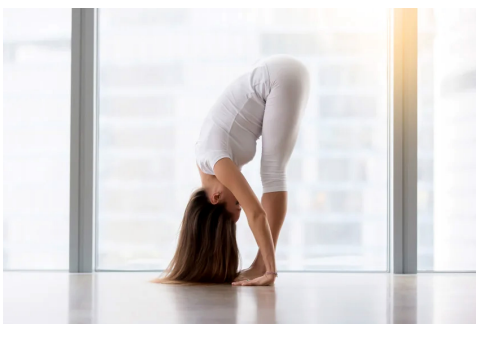

ये दिल आशिकाना सिनेमाघरों में फिर देगी दस्तक, ट्रेलर के साथ रिलीज तारीख जारी

वैलेंटाइन डे के मौके पर नई रिलीज फिल्मों के बीच 24 साल पहले आई रोमांटिक–एक्शन थ्रिलर फिल्म श्ये दिल आशिकानाय भी फिरसे रिलीज होने को तैयार है। साल 2002 में रिलीज हुई श्ये दिल आशिकानाय 13 फरवरी को री–रिलीज हो रही है। मेकर्स ने इसकी घोषणा की है और साथ ही री–रिलीज का ट्रेलर भी जारी कर दिया है।ट्रू एंटरटेनमेंट प्राइवेट लिमिटेड श्ये दिल आशिकानाय को 13 फरवरी को सिनेमाघरों में फिर से रिलीज करेगी। इस मौके पर फिल्म के निर्देशक कुकू कोहली ने कहा कि श्ये दिल आशिकानाय बड़े पर्दे के लिए ही बनी थी। इसका भव्य स्वरूप, संगीत, भावनाएं, सब कुछ सामूहिक रूप से सिनेमाघर में अनुभव करने के लिए ही बनाया गया था। मुझे सचमुच खुशी है कि नई पीढ़ी को इस फिल्म को उसी तरह देखने का मौका मिलेगा, जैसे 2002 में दर्शकों को मिला था। आज रोमांटिक फिल्मों के बहुत सारे दर्शक हैं और यह फिल्म युवा दर्शकों को पसंद आएगी।करण नाथ और जिविधा शर्मा स्टारर इस फिल्म की कहानी करण और पूजा के इर्द–गिर्द घूमती है। जब पूजा का विमान आतंकवादियों द्वारा अगवा कर लिया जाता है और करण को एक बड़ा झटका लगता है। करण अपनी जान जोखिम में डालकर पूजा को बचाता है, लेकिन उसे पता चलता है कि पूजा का भाई भी उन्हीं आतंकवादियों में से एक है। यह फिल्म 18 जनवरी 2002 को सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी। नदीम–श्रवण के संगीत से सजी यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर सफल रही थी। कुकू कोहली द्वारा निर्देशित इस फिल्म में करण नाथ और जिविधा शर्मा के

अलावा आदित्य पंचोली, अरुणा ईरानी, जॉनी लीवर और रजत बेदी भी अहम भूमिकाओं में नजर आए हैं। अब देखना ये है कि 24 साल बाद री–रिलीज होने पर यह फिल्म क्या कमाल दिखा पाती है। क्योंकि 13 फरवरी को शाहिद कपूर की श्ओ रोमियोय्य भी सिनेमाघरों में दस्तक दे रही है।

बाक्स आफिस के बाद ओटीटी पर रणवीर सिंह की धुरंधर का जलजला, 1 ही दिन में नेटफ्लिक्स पर बनी नंबर 1

आदित्य धर के निर्देशन में बनी धुरंधर 5 दिसंबर को सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी। फिल्म को दर्शकों से जबरदस्त रिस्पॉन्स मिला और दुनियाभर में इसने 1300 करोड़ से ज्यादा का कलेक्शन कर लिया। बॉक्स ऑफिस पर धूम मचाने के बाद अब रणवीर सिंह स्टारर धुरंधर नेटफ्लिक्स पर भी रिलीज हो गई है और स्ट्रीमिंग के 24 घंटों के भीतर ही नेटफ्लिक्स इंडिया पर इसने नंबर 1 स्थान पर कब्जा जमा लिया है। सिनेमाघरों में रिलीज के करीब 2 महीने बाद धुरंधर 30 जनवरी की आधी रात को नेटफ्लिक्स पर रिलीज की गई और 31 जनवरी तक यह फिल्म नेटफ्लिक्स इंडिया पर नंबर 1 स्थान पर पहुंच गई और अभी भी इस ओटीटी प्लेटफॉर्म पर अपनी मजबूत पकड़ बनाए हुए है।धुरंधर ने पहले सिनेमाघरों में धूम मचाई। फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर धुआंधार कमाई की और दर्शकों का भरपूर मनोरंजन

किया। दर्शकों ने सिनेमाहॉल में खूब सीटियां और ताली बजाईं। मगर अब, सिनेमाघरों के बाद दर्शक अपने घर में धुरंधर के रोमांच का लुत्फ उठा रहे हैं। दर्शक अपने घर के लिविंग रूम और कमरों में बैठकर धुरंधर के ड्रामा, भव्यता और देशप्रेम का अनुभव कर रहा है। कई ने सोशल मीडिया पर फिल्म की ओटीटी रिलीज पर खुशी भी जाहिर की है।धुरंधर के बॉक्स ऑफिस कलेक्शन की बात करें तो रणवीर सिंह की इस फिल्म ने 31 जनवरी, 2026 तक भारत में 836.5 करोड़ रुपये और दुनिया भर में 1302.5 करोड़ रुपये का कलेक्शन किया है। फिल्म ने ओपनिंग डे पर 28 करोड़ का कलेक्शन किया और पहले हफ्ते तक इसने 200 करोड़ का आंकड़ा पार कर लिया। सिनेमाघरों में 58वें दिन तक ये फिल्म अपनी मजबूत पकड़ बनाए रही और 58वें दिन चार लाख का कलेक्शन किया। इसी के साथ फिल्म दुनियाभर में अब तक 1300 करोड़ से ज्यादा का कलेक्शन कर चुकी है। आदित्य धर द्वारा निर्देशित इस फिल्म में रणवीर सिंह मुख्य भूमिका में हैं। उन्होंने फिल्म में हमजा नाम के भारतीय स्पाई की भूमिका निभाई है। उनके अलावा अक्षय खन्ना, आर माधवन, अर्जुन रामपाल, साराअर्जुन और राकेश बेदी जैसे कलाकार इस ब्लॉकबस्टर में मुख्य भूमिकाओं में हैं।

अजय देवगन और राजकुमार गुप्ता धमाकेदार वापसी के लिए तैयार, रेड 3 में दोगुना होगा रोमांच

अजय देवगन और निर्देशक राजकुमार गुप्ता फिर एक साथ पर्दे पर धमाल मचाने को तैयार हैं। उनकी बहुप्रतीक्षित फिल्म रेड 3 बॉक्स ऑफिस पर अपना कब्जा जमाने आ रही है। दोनों ने मिलकर इसे ब्लॉकबस्टर बनाने की तैयारी शुरू कर दी है, जिसमें एक्शन, थ्रिल और सस्पेंस का जबरदस्त तड़का देखने को मिलेगा। तीसरी किस्त से जुड़ी कुछ ऐसी रोचक जानकारियां सामने आई हैं, जिन्हें सुन प्रशंसक खुशी से झूम उठेंगे। आइए पूरी खबर जान लें।रिपोर्ट के मुताबिक, अजय और निर्देशक राजकुमार गुप्ता अपनी हिट फ्रेंचाइजी रेड की तीसरी कड़ी के लिए एक साथ आ रहे हैं। रेड के सीक्वल रेड 2 के बाद अब रेड 3 की तैयारी चल रही है और इसकी शूटिंग 2026 के अंत तक शुरू की जा सकती है। रेड 3 की कहानी का दायरा और भावनाएं पिछली दोनों फिल्मों से बड़ी और गहरी होंगी। फिल्म में दोगुना रोमांच और जबरदस्त एक्शन देखने को मिलेगा।रेड 3 पिछली 2 फिल्मों से बड़ी और ज्यादा रोमांचक होगी। कहानी और एक्शन पहले से ज्यादा खतरनाक और दिलचस्प होंगे। टीम गुपचुप तरीके से पिछले कुछ महीनों में स्क्रिप्ट पर काम कर रही थी, जो कि अब तैयार हो गई है। इस फिल्म में अजय का किरदार पहले जैसी किसी भी चुनौती से अलग मुश्किल हालातों का सामना करेगा। कुल मिलाकर इस बार कहानी, एक्शन और रोमांच सब कुछ पहली 2 फिल्मों से कहीं ज्यादा होगा।रेड 3 की शूटिंग 2026 के मध्य में शुरू होगी, जब अजय अपने दूसरे काम निपटा लेंगे। राजकुमार गुप्ता स्क्रिप्ट को और सुधार रहे हैं ताकि फिल्म बिल्कुल असल लगे। अजय एक बार फिर एक तेज–तर्रार इनकम टैक्स ऑफिसर बनकर दर्शकों को अपना दीवाना बनाने के लिए तैयार हैं। उन्होंने इस दमदार भूमिका के साथ न्याय करने के लिए कमर कस ली है।

उन्हें उम्मीद है कि रेड 3 भी दर्शकों की कसौटी पर खरी उतरेगी।अजय देवगन, वाणी कपूर और रितेश देशमुख जैसे सितारों से सजी फिल्म रेड 2 को काफी पसंद किया गया था। उनकी यह फिल्म इस साल 1 मई को दर्शकों के बीच आई थी। निर्देशन के लिए राजकुमार की भी खूब तारीफ हुई थी। 50 करोड़ रुपये की लागत में बनी फिल्म रेड 2 ने घरेलू बॉक्स ऑफिस पर 173.05 करोड़ रुपये का कारोबार किया था। सिनेमाघरों के बाद ये फिल्म नेटफ्लिक्स पर रिलीज हुई थी। अजय फिल्म दे दे प्यार दे 2 को लेकर चर्चा में हैं, उनकी इस फिल्म को दर्शकों से मिली–जुली प्रतिक्रिया मिली, वहीं बॉक्स ऑफिस पर भी ये ठीक–ठाक कमाई कर रही है। इससे पहले अजय अपनी हिट फिल्म सन ऑफ सरदार का सीक्वल सन ऑफ सरदार 2 लेकर आए थे, जो पहले ही दिन बॉक्स ऑफिस पर फेल हो गई थी। अजय के पास धमाल 4, रेंजर, गोलमाल 5 और दृश्यम 3 जैसी फिल्में भी हैं।

तू या मैं में मेरा किरदार साइड रोल नहीं, कहानी की मजबूत कड़ी है पारुल गुलाटी

बॉलीवुड और ओटीटी की दुनिया में लगातार अपनी अलग पहचान बना रहीं अभिनेत्री पारुल गुलाटी इन दिनों अपने आने वाले प्रोजेक्ट्स को लेकर चर्चा में हैं। अभिनय के साथ–साथ एक सफल उद्यमी के तौर पर भी अपनी पहचान रखने वाली पारुल अब थ्रिलर फिल्म तू या मैं में नजर आएंगी। उन्होंने हाल ही में इस फिल्म और अपने किरदार को लेकर खुलकर बात की है और इसे अपने करियर का एक बेहद खास मौका बताया। फिल्म तू या मैं में पारुल गुलाटी के साथ आदर्श गौरव और शनाया कपूर मुख्य भूमिकाओं में हैं। इस फिल्म का निर्देशन आनंद एल राय कर रहे हैं, जिनकी फिल्मों की पहचान भावनाओं, रिश्तों और गहराई से जुड़ी कहानियों के लिए रही है। इस फिल्म में पारुल लायरा नाम का किरदार निभा रही हैं, जो शनाया कपूर के किरदार की करीबी दोस्त और मैनेजर है। फिल्म का हिस्सा बनने पर पारुल ने कहा, आनंद एल राय का सिनेमा मुझे हमेशा से आकर्षित करता रहा है। फिल्म की कहानी नाटकीय होने के साथ–साथ भावनात्मक रूप से शानदार है और दर्शकों को भीतर तक छू जाएगी।पारुल ने अपने किरदार को लेकर बताया, मेरा किरदार लायरा सिर्फ एक दोस्त नहीं है बल्कि एक ऐसा इंसान है जो हर मुश्किल में साथ खड़ी रहती है, सही सवाल पूछती है, जरूरत पडने पर टोकती भी है और बिना शर्त समर्थन करती है। मैं इस किरदार को निभाकर बेहद खुश हूं और अभी भी इस एहसास में डूबी हुई हूं कि मुझे इतना अहम रोल निभाने का मौका मिला है।पारुल ने कहा, लायरा कोई साधारण या साइड कैरेक्टर नहीं है, बल्कि कहानी की भावनात्मक रीढ़ है। यह किरदार फिल्म की कहानी को आगे बढ़ाने में अहम भूमिका निभाती है। मेरे लिए यह अनुभव इसलिए भी खास है क्योंकि मैं ऐसी फिल्मों का हिस्सा बनना चाहती थी जिनमें किरदारों की गहराई हो और कहानी दिल से जुड़ी हो। इस फिल्म का हिस्सा बनना मेरे लिए किसी सपने के सच होने जैसा है।आनंद एल राय के साथ काम करने के अनुभव को लेकर पारुल गुलाटी ने कहा, एक कलाकार और एक क्रिएटर के तौर पर इससे बेहतर सहयोग शायद मुझे कभी नहीं मिल सकता था। आनंद एल राय की फिल्में वही सिनेमा हैं, जिनकी ओर मैं हमेशा खिंचती रही हूं। यह एक ऐसा दुर्लभ मौका है, जो जिंदगी में कम ही मिलता है, जहां बड़ी स्क्रीन की भव्यता के साथ–साथ कहानी में दिल और भावना दोनों मौजूद हों। पारुल गुलाटी ने फिल्म की पूरी टीम के प्रति आभार भी जताया। उन्होंने कहा, मैं मेकर्स की शुक्रगुजार हूं, जिन्होंने मुझ पर भरोसा किया और मुझे लायरा जैसा मजबूत किरदार सौंपा। मेरे लिए एक अनोखी थ्रिलर और क्रिएचर यूनिवर्स का हिस्सा बनना बेहद खास अनुभव है। मैं इस फिल्म को लेकर बहुत खुश, आभारी और उत्साहित हूं और चाहती हूं कि दर्शक इसे बड़े पर्दे पर जरूर देखें।

आलिया भट्ट की अमेजन प्राइम वीडियो के साथ अगली पेशकश, फिल्म डोंट बी शाय का ऐलान

आलिया भट्ट और शाहीन एक रोमांटिक कॉमेडी फिल्म लेकर आ रही हैं, जिसका नाम है– डोंट बी शाय। यह प्राइम वीडियो पर रिलीज होगी। इस फिल्म का निर्माण आलिया ने अपनी बहन शाहीन भट्ट के साथ मिलकर किया है। जानिए इस फिल्म में क्या खास है?

आलिया भट्ट और शाहीन एक रोमांटिक कॉमेडी फिल्म लेकर आ रही हैं, जिसका नाम है– डोंट बी शाय है। इस फिल्म को इटर्नल सनशाइन प्रोडक्शंसन के तले बनाया गया है। आलिया ने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो शेयर किया, जिसमें आलिया कहती हैं– क्या कहानी में सब कुछ है। रोमांस है, दिल टूटता है, गाना है, लड़कियां, लड़के, और एक कछुआ भी...। दरअसल, यह एक ऐसी कहानी जिसके साथ आप बड़े होते हैं।

आलिया की मां सोनी राजदान ने कमेंट में लिखा, वाह, शानदार, बहुत बढ़िया किया आपने, फिल्म निर्माता अशर आस्कन ने लिखा, अब तक की सबसे प्यारी घोषणा, एक फैन ने लिखा, आपकी एक्टिंग मुझे बहुत पसंद है, दूसरे फैन ने लिखा, यह तो बेहद रोमांचक लग रहा है, इतने लंबे समय बाद ऐसी कोई फिल्म आई है, यह कमाल की होने वाली है।आलिया भट्ट लव एंड वॉर में नजर आएंगी। इस फिल्म का निर्देशन संजय लीला भंसाली ने किया है। यह एक रोमांटिक पीरियड ड्रामा फिल्म है। इसमें रणबीर कपूर, आलिया भट्ट और विक्की कौशल मुख्य भूमिकाओं में हैं। यह फिल्म मार्च 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज हो सकती है।

बार्डर-2 में रोल मिलने पर खुशी से रो पड़ी थी मेधा राणा, बताया कैसा रहा शूटिंग का अनुभव

सनी देओल, वरुण धवन, दिलजीत दोसांझ और अहान शेट्टी स्टारर फिल्म बॉर्डर–2 बॉक्स ऑफिस पर शानदार कलेक्शन कर रही है। फिल्म में लीड रोल्स की चर्चा हर कोई कर रहा है, लेकिन फिल्म में मेधा राणा ने भी महत्वपूर्ण रोल प्ले किया है। मेधा ने मेजर होशियार सिंह दहिया की पत्नी धनवंती देवी का रोल प्ले किया है, लेकिन बहुत कम लोग जानते हैं कि अभिनेत्री खुद एक आर्मी परिवार से ताल्लुक रखती हैं और वे उस डर और इमोशंस को जी चुकी हैं, जिन्हें फिल्म में दिखाया गया है। बॉर्डर–2 जैसी फिल्म में सेलेक्ट होने के अनुभव पर मेधा राणा ने कहा, जब मुझे पहली बार कॉल आया तो मैं खुशी से रो पड़ी थी। फिल्म के लिए मैंने कई राउंड ऑडिशन दिए थे और कास्टिंग डायरेक्टर छाबड़ा सर ने मुझे बुलाकर सामने से बताया था कि मैं सेलेक्ट हो चुकी हूं। वो पल मेरे लिए सबसे प्यारा था और खुशी के मारे मैं बहुत रोई थी। मैंने कभी नहीं सोचा था कि इतनी बड़ी फिल्म में मुझे काम करने का मौका मिलेगा। अब काम करने के बाद खुद पर धीरे–धीरे यकीन कर पा रही हूं।फिल्म में मेधा ने मेजर होशियार सिंह दहिया की पत्नी धनवंती देवी का किरदार निभाया है। अपने किरदार पर बात करते हुए अभिनेत्री ने कहा, ये किरदार इमोशनली बहुत स्ट्रांग था क्योंकि ये उन पत्नियों की हिम्मत को दिखाता है, जिन्होंने देश के लिए सब कुछ दांव पर लगा दिया। जब मुझे पहली बार स्क्रिप्ट पढने के लिए दी गई तो मैं समझ गई कि किरदार बहुत सारी जिम्मेदारी और इमोशंस के साथ आता है।

अभिनेत्री ने आगे कहा, मेरे परिवार की तीन पीढियों ने आर्मी में सेवा दी है और मेरे पापा आज भी सेवाएं दे रहे हैं और यही कारण है कि इस फिल्म को पूरी जिम्मेदारी से निभाना मेरा फर्ज था। हमने भी उन इमोशंस को जिया है, जो फिल्म में पर्दे पर दिखाए गए हैं।बॉर्डर–2 में बॉर्डर से अलग क्या देखने को मिलेगा के सवाल पर मेधा ने बताया कि हर फिल्म का किरदार अलग है और इमोशन और हिम्मत से भरा है। फिल्म में प्यार, इमोशन, फैमिली, और हिम्मत को दिखाया गया है क्योंकि नहीं पता कि वापस कब लौट पाएंगे। चारों किरदार अलग हैं, लेकिन चारों कहानी ही पूरी फिल्म को बनाती हैं। फिल्म को लेकर खुद को तैयार करने के सवाल पर मेधा ने बताया कि जो मेरा किरदार है, वो मेरी नानी पहले जी चुकी हैं, क्योंकि 1971 के समय मेरी मां का जन्म हुआ था और नाना की पोस्टिंग बांग्लादेश में थी। मेरी नानी ने मुझे बहुत सारी कहानियां और टिप्स भी दीं, जिससे मुझे फिल्म के किरदार को निभाने में बहुत मदद मिली।

हिन्दी दैनिक विजडम इंडिया

स्वामी,मुद्रक एवं प्रकाशक श्री शील कुमार शुक्ला द्वारा हिन्दुस्तान समाचार फीचर सेवा लि0 ,94, एम0जी0 मार्ग, हजरतगंज, लखनऊ से छपवाकर 633/387,गेहमर कुंज कालोनी, फैजाबाद रोड, चिनहट, लखनऊ उ0प्र0 से प्रकाशित।

सम्पादक–शील कुमार शुक्ला

सभी विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ मान्य होगा।